भावना संदेश

अप्रैल–2016

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति का 16वां वार्षिक अधिवेशन
(दिनांक 28 फरवरी, 2016) की एक झलक

भावना के नवनिर्वाचित/मनोनीत पदाधिकारीगण (वर्ष : 2016-2017)

पद्मश्री डॉ. सतीशचन्द्र राय
संरक्षक

श्री राकेश कुमार मित्तल, IAS
संरक्षक/विशिष्ट सदस्य

श्रीमती सुनन्दा प्रसाद, IAS
संरक्षक/विशिष्ट सदस्य

न्यायमूर्ति कमलेश्वर नाथ
संरक्षक/विशिष्ट सदस्य

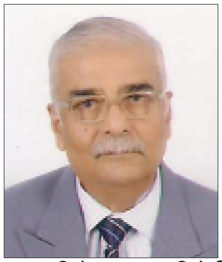
न्यायमूर्ति दिनेश कुमार त्रिवेदी
संरक्षक/विशिष्ट सदस्य

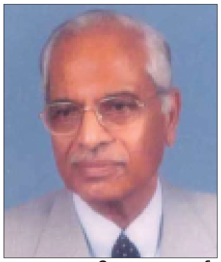
न्यायमूर्ति सुधीर चन्द्र वर्मा
संरक्षक/विशिष्ट सदस्य

न्यायमूर्ति करणलाल शर्मा
संरक्षक/विशिष्ट सदस्य

न्यायमूर्ति ईश्वर सहाय माथुर
संरक्षक/विशिष्ट सदस्य

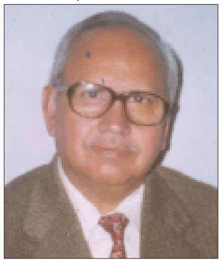
न्यायमूर्ति घनश्याम दास अग्रवाल
संरक्षक/विशिष्ट सदस्य

डॉ. जगदीश गांधी
संरक्षक/विशिष्ट सदस्य

श्री चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव
संरक्षक/विशिष्ट सदस्य

श्री ज्ञानेन्द्र कुमार खरे
संरक्षक/विशिष्ट सदस्य

श्री ओम नारायण
संरक्षक/विशिष्ट सदस्य

इं. कोमल प्रसाद वार्ष्णेय
संरक्षक/संस्थापक सदस्य

इं. कृष्ण देव कालिया
संस्थापक सदस्य

इं. विनोद कुमार शुक्ल
अध्यक्ष/संस्थापक सदस्य

इं. सुशील शंकर सक्सेना
वरि.उपाध्यक्ष/संस्थापक सदस्य

इं. अरविन्द कुमार गोयल
उपाध्यक्ष

श्री राम लाल गुप्ता
प्रमुख महासचिव

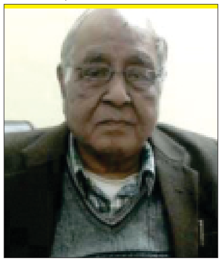
श्री जगत बिहारी अग्रवाल
महासचिव प्रशासन

भावना के नवनिर्वाचित/मनोनीत पदाधिकारीगण (वर्ष : 2016-2017)

श्री योगेन्द्र प्रताप सिंह
महासचिव कार्यान्वयन

श्री अशोक कुमार मल्होत्रा
महासचिव एडवोकेसी

श्री रमाकान्त पाण्डेय
उप महासचिव

इं. सतपाल सिंह
उप महासचिव

इं. देवेन्द्र स्वरूप शुक्ल
उप महासचिव

इं. जगमोहन लाल जायसवाल
उप महासचिव

इं. तुंगनाथ कनौजिया
विशेष कार्याधिकारी

श्री प्रेम शंकर गौतम
कोषाध्यक्ष

इं. मनोज कुमार गोयल
सम्प्रेक्षक

इं. धर्मवीर सिंह
प्रधान सम्पादक

इं. देवकी नन्दन शांत
सचिव (सांस्कृतिक प्रकोष्ठ)

डॉ. नरेन्द्र देव
सचिव वैकल्पिक चिकित्सा

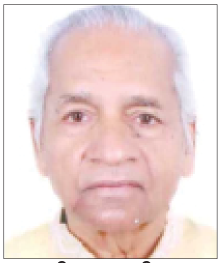

श्री पाल प्रवीण
सचिव पर्यावरण संरक्षण

डो. छेदालाल वर्मा
सचिव प्रशिक्षण–गोष्ठियां

डॉ. वीरेन्द्र बहादुर सिंह
सचिव विधि एवं RTI

श्री सत्य देव तिवारी
सदस्य वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ

इं. सुभाष चन्द्र विद्यार्थी
सदस्य वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ

श्री पुरुषोत्तम केसवानी
सदस्य वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ

श्री कृष्ण कुमार वर्मा
सदस्य वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ

श्री विश्वनाथ सिंह
सदस्य ग्राम्यां.निर्धन जनसेवा प्रको.

असहाय व निर्बल वर्ग को कम्बल वितरण एन.सी.आर. शाखा (भावना)

ISU3A-Central Zone State Conference at Allahabad

मस्ती में डूबी शाम, होली के नाम

03 अप्रैल-2016 रविवार- लखनऊ-कुर्सी रोड पर जेनेसिस क्लब से सटा गोयल फार्म हाउस। श्री मनोज कुमार गोयल एवं श्रीमती अर्चना गोयल जी का भाव-भीना आत्मीय स्वागत। श्री मनोज कुमार गोयल, श्री धर्मवीर सिंह, डा.नरेन्द्र देव, श्री शिव नारायण अग्रवाल, श्री सुमेर अग्रवाल, श्री लक्ष्मीकांत झुनझुनवाला, श्री सत्यनारायण गोयल, श्री आदित्य प्रकाश सिंह जी का प्रेम भरा आतिथ्य। **भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति का होली मिलन कार्यक्रम।** शाम हसीन थी, रात संगीन थी, होली के रंग में, फ़िज़ा रंगीन थी। सभी बूढ़े-बुढ़ियों का सामूहिक रूप से नया नया हुआ कायाकल्प। पुनर्नवा हुआ बुढ़ापा, जैसे सभी डाबर च्यवनप्राश खाकर आए हों। जवानों को मात देने की खुली चुनौती देते हुए संचालक श्री देवकी नन्दन शांत और श्री उदयभान पांडे। होली, चैती, रसिया, कजरी, गीत, ग़ज़ल, फिल्मी गाने, चुटकुले बाजी, आदि सभी अपने अपने रंग बिखेरे हुए थे। खुला खुला आसमाँ, होली रंग में भीगा भीगा समाँ, ऋतु होती जवाँ और शान्त जी का मोहित करता करिश्मा। 'गाइए गणपति जग वन्दन, शंकरसुवन,भवानी नंदन' के सुमधुर गायन से होली के रंगारंग कार्यक्रम की शुरुआत हुई। सबको मुबारक होली, फागुन ऋत शुभ अलबेली के रूप में जब शान्त जी ने सबको होली की मुबारकबाद दी तो पूरा वातावरण होलीमय हो गया। भावना का संकल्पगीत- भावना सहयोग सेवा, स्वावलम्बन से चले का जब श्री शान्त, उदय भान पांडे, श्री अशोक मेहरोत्रा, तथा श्री सुशील कुमार जी ने सस्वर गायन किया तो सभी ने खड़े होकर उसका इस्तकबाल किया। फिर हुआ होली पर सबको रंग-बिरंगी चुटीली उपाधियाँ बाँटने का कार्यक्रम होली पर प्रकाशित छह पृष्ठीय भावना संदेश टाइम्स के माध्यम से। समयाभाव के कारण पूरा बुलेटिन पढ़ा नहीं जा सका। पुरुषों के साथ साथ सभी महिलाओं में भी जवानी का जोश हिलोरे लेने लगा। श्रीमती अर्चना गोयल, श्रीमती दयाशुक्ल, श्रीमती रंजना मिश्रा, श्रीमती शोभा मेहरोत्रा, श्रीमती नीरा पांडे, श्रीमती विमला तिवारी, श्रीमती सरोज देव आदि साठोत्तरी महिलायें होली की मस्ती में छोकरियों को भी मात कर ही थी। उम्र से बूढ़ा होता है नहीं कोई, बूढ़ा जवान तो होता है दिल केवल। और जब ये औरतें अपने अपने दिलों को हथेली पर लिए घूम रही हो तब? खुद ही अन्दाजा लगा लीजिए। श्री देवकीनन्दन शांत जी ने जब बुन्देली चैती- फागुन के दिन आ गए रे गुइँयाँ। पीरी पीरी सरसों फूली, हरदी सी मदरावन के दिन आ गए रे गुइँयाँ' गाई, तो पूरा हाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूँज उठा। संचालन के बीच में उन्होने- 'लागी श्याम से प्रीत', गाया तो लगा जैसे राधाकृष्ण का रास चल रहा हो। श्री उदयभान पाण्डेय जी ने स्वरचित होरी-गीत पूरी मस्ती में भरकर गाया तो सारी फिजा रंगीन हो उठी।

आज अवध में धूम मची है, झूम उठी अमराई। होली खेल रहे, राम लखन दोऊ भाई।

इस होरी पर उनका साथ दे रही थी उनकी पत्नी श्रीमती नीरा पाण्डेय और वाद्ययंत्रों पर थे श्री चंद्रेश पाण्डेय और योगेश पाण्डेय। भावना के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री सुशील शंकर सक्सेना जी ने सभी को होली की शुभकामनायें देते हुए कहा-

मन की कलुषिता को धो डालें, डाल रंगों की बौछार।
आओ मिलकर सब साथ मनायें, होली का त्योहार।

श्री वीरेन्द्र बहादुर सिंह जी ने होली पर्व की व्याख्या करते हुए गाया-

होली तो खेल है रंगो का, होली है पर्व उमंगों का।

भावना के संरक्षक एवं प्रसिद्ध न्यायमूर्ति नौ दशकों को पार कर चुके श्री कमलेश्वर नाथ जी भी होली के इस अवसर पर कब तक शान्त रह सकते थे। उन्होनें एक श्रंगार गीत -साजन आने वाला है गाकर सबको आश्चर्यचकित कर दिया। भावना के ही एक सम्मानित सदस्य श्री सुमेर अग्रवाल जी शायद अपनी धर्मपत्नी जी से ज्यादा ही आज़िज़ आ चुके थे क्योंकि वे सार्वजनिक रूप से माइक पर बार बार गा रहे थे कि- कभी तो मैके जाओ बेग़म। और वहीं पर उपस्थित उनकी बेगम का चेहरा साफ कह रहा था कि आप यहाँ जो चाहे कह लीजिए। घर चलो, तब बताऊँगी। वहीं पर हिसाब-किताब बराबर होगा। श्रीमती अर्चना गोयल, श्रीमती रंजना मिश्रा, श्रीमती सरोज देव, श्रीमती दयाशुक्ला व प्रिया जी ने मिलकर जब 'होलिया में उड़त गुलाल, गुलाबी, लाल, केसरिया' गाया तो पूरा वातावरण गुलाबी केसरिया हो

गया। श्रीमती अर्चना गोयल, श्रीमती रंजना मिश्रा व श्रीमती दयाशुक्ला ने एक हास्य नाटिका - 'नहले पर दहला' भी अभिनीत की जिसमें पंडिताइन का रोल श्रीमती दयाशुक्ला ने, पंडित जी का रोल श्रीमती अर्चना गोयल ने तथा तोताराम का रोल श्रीमती रंजना मिश्रा ने अदा किया। श्री दीपक कुमार पंत जी ने फिल्म सोने की चिड़िया की तलत महमूद द्वारा गाई गई प्रसिद्ध ग़ज़ल- प्यार पर बस तो नहीं है मेरा लेकिन, तू बता दे कि तुझे प्यार करूँ या न करूँ को गाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। श्री सुशील कुमार शर्मा जी ने श्री मेंहदी हसन जी की प्रसिद्ध गजल- लागी रे लगन दिल में गाकर सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। भावना के अध्यक्ष श्री विनोद कुमार शुक्ल जी भी होली की मस्ती में डूबकर गा उठे-

जवानी हो, बुढ़ापा हो, रहो तैयार होली में।
हसीनों से किए जाओ धकाधक प्यार होली में।

हारमोनियम बजा रहे श्री चन्द्रेश जी ने श्री उदय नारायण पाण्डे जी द्वारा रचित होरी गीत- गलियन बिच धूम मचावे री गाकर समां बांध दिया। लेकिन सभी नरनारी वास्तव में झूम उठे जब आस्था अस्पताल से आई सारा जी एवं श्रुति जी ने दमादम मस्त कलन्दर गाया तो वास्तव में ऐसा लग रहा था कि साक्षात दो रूना लैला स्टेज पर एक साथ गा रही हों। भावना के एक मस्त मौला सदस्य श्री अरुण कुमार जी तो स्टेज पर जाकर मस्ती में नाचने ही लगे। श्रुति जी ने बाद में एक और फिल्मी ग़ज़ल सुनाकर वाहवाही लूटी। 'आइए हुजूर आपको, सितारों पे ले चलूँ। वैसे रिमली सेनगुप्त ने आजा नच ले मेरे साथ गाने पर जब मनमोहक डांस किया था तब भी पूरा हाल मस्ती में डूब गया था। श्री अशोक मेहरोत्रा जी ने जब ब्रज का रसिया- मेरो बारो सो कन्हैया गाया तो लगा जैसे स्वयं कन्हैया जी स्वयं होली खेलने वहाँ आ गये हों। होली के इस रंगीन व मस्त वातावरण ने सभी बच्चे, जवान, बूढ़े-बुढ़ियों को रंगीन बना दिया था। छा रही दिलों पर थीं जवानियाँ, मस्त मस्त, बिन पिए। वास्तव में यह शाम इतनी ही नशीली बन चुकी थी।

कार्यक्रम के शुरु में स्वल्पाहार तथा बाद में सुस्वादिष्ट भोजन श्रीमती अर्चना गोयल व श्री मनोज कुमार गोयल की प्रबंध व्यवस्था सभी को कायल कर चुकी थी। इतनी सुन्दर व्यवस्था बहुत ही कम कार्यक्रमों में देखने को मिलती है। पूरा भावना परिवार इनका आभारी रहेगा।

भावना के नवनिर्वाचित/मनोनीत पदाधिकारीगण (वर्ष : 2016-2017)

श्री शैलेन्द्र कुमार तिवारी
सदस्य–ग्राम्य. निर्धन जन सेवा

श्री राममूर्ति सिंह
सदस्य ग्राम्य. निर्धन जन प्रको.

इं. सुमेर अग्रवाल
सदस्य शिक्षा सहा. प्रकोष्ठ

श्री सत्य नारायण गोयल
सदस्य शिक्षा सहायता

श्री सिद्धेश्वर नाथ शर्मा
सदस्य शिक्षा सहायता

विनोद कुमार कपूर
सदस्य शिक्षा सहायता

डॉ. शैलेन्द्र मोहन दयाल
सदस्य अनौपचारिक शिक्षण

श्री चन्द्रभूषण तिवारी
सदस्य अनौपचारिक शिक्षण

इं. अशोक कुमार
सदस्य सांस्कृतिक प्रकोष्ठ

श्री विनोद चन्द्र गर्ग
सदस्य सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ

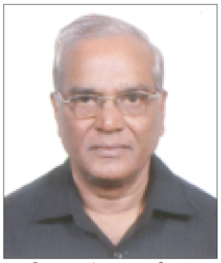
श्री राजदेव स्वर्णकार
सदस्य सहयोग एवं सेवा

इं. संतोष कुमार सक्सेना
सदस्य सहयोग एवं सेवा

डॉ. सुशील कुमार मित्तल
सदस्य वैकल्पिक चिकित्सा

श्री सुरेश चन्द्र ब्रह्मचारी
सदस्य वैकल्पिक चिकित्सा

इं. अरुण कुमार
सदस्य पर्यावरण संरक्षण

इं. इन्द्र कुमार भारद्वाज
सदस्य पर्यावरण संरक्षण

श्री शिव नारायण अग्रवाल
सदस्य संसाधन प्रबंध

श्री दीपक कुमार पंत
सदस्य संसाधन प्रबंध

इं. हरीश चन्दर
सदस्य संसाधन प्रबंध

श्री ललित कुमार
सदस्य डे सेन्टर प्रबंध

भावना के नवनिर्वाचित/मनोनीत पदाधिकारीगण (वर्ष : 2016-2017)

डॉ. अमित कुमार सिंह
सदस्य डे सेन्टर प्रबंधन

श्री सुशील कुमार, IAS
सदस्य विधि–RTI प्रकोष्ठ

श्री श्रीराम बाजपेयी
सदस्य विधि–RTI प्रकोष्ठ

डॉ. यदुनाथ सिंह भदौरिया
सदस्य प्रशिक्षण गोष्ठियां

डॉ. भानु प्रकाश सिंह
सदस्य प्रशिक्षण गोष्ठियां

डॉ. अनिल कुमार कक्कड़
सदस्य प्रशिक्षण–गोष्ठियां

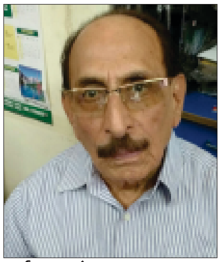

कर्नल राजेन्द्र नाथ कालरा
सदस्य प्रशिक्षण गोष्ठियां

श्री काशीराम कनौजिया
सदस्य प्रशिक्षण गोष्ठियां

इं. युगल किशोर गुप्त
सदस्य प्रशिक्षण–गोष्ठियां

इं. अमरनाथ
सम्पादक

श्री महेश चन्द्र निगम
सदस्य–संसाधन प्रबंध

इं. अनिल कुमार शर्मा
अध्यक्ष NCR शाखा

श्री अमरेश चन्द्र माथुर
सचिव NCR शाखा

श्रीमती अर्चना गोयल
सचिव महिला सशक्तिकरण

श्रीमती श्याम बाला सिंह
सदस्य–महिला सशक्तिकरण

श्रीमती वीना सक्सेना
सदस्य–महिला सशक्तिकरण

श्रीमती रंजना मिश्रा
सदस्य–महिला सशक्तिकरण

श्रीमती आशा गोयल
सदस्य शिक्षा सहायता

डॉ. अवनीश अग्रवाल
सह–सम्पादक

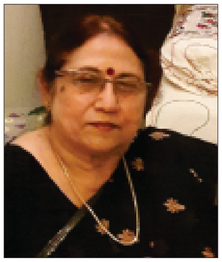

श्रीमती सरोजिनी सिंह
सदस्य–अनौपचारिक शिक्षा

शेष सदस्यों के फोटो उपलब्ध नहीं हैं।

(सदस्यों में केवल आन्तरिक वितरण हेत)

भावना संदेश

वर्ष : 16 अंक : 02 अप्रैल. 2016

सम्पादन समिति

डं0 धर्मवीर सिंह – प्रधान सम्पादक
डं0 अमरनाथ – सम्पादक
प्रो0 (डॉ0) अवनीश अग्रवाल – सह–सम्पादक

प्रकाशक

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति

507. कसमण्डा रीजेन्ट अपार्टमेन्टस
पार्क रोड. लखनऊ–226001
दरभाष : 0522–4016048 पं.सं.: 662/2000–01
वेबसाइट : www.bhavanaindia.org
ई–मेल : bhavanasindia.@gmail.com
facebook page - Bharatiya Varishtha Nagarik Samiti
Bhavana google group: bhavana-lucknow@googlegroups.com

मुद्रक

क्रियेटिव इंक. हिमांशु सदन. 5 पार्क रोड. लखनऊ।
मो0 : 7398629394 9935526017
E-mail : creativesheebu@gmail.com

भावना का संकल्प

भावना सहयोग. सेवा. स्वावलम्बन से चले.
भावना की राह में संकल्प का दीपक जले।

भावना में डूब के इतने सहिष्णु हम हुए.
आस्था. विश्वास के साँचे में हम फिर–फिर ढले।

भावना ये है बुजुर्गों को किसी भी हाल में.
इस बदलते दौर की तल्खी न रत्ती भर खले।

भावना का एक ही सन्देश है सबके लिए.
शेष जीवन भर कोई अब जिन्दगी को न छले।

विश्व में इक मंच देने को वरिष्ठों के लिए.
भावना की 'शान्त' पलकों पे कई सपने पले।

– डं. देवकी नन्दन 'शान्त'

भावना सूत्र वाक्य

सन्देश नहीं मैं यहाँ स्वर्ग का लाया।
इस धरती को ही स्वर्ग बनाने आया।।

– श्री मैथिली शरण गप्त

सम्पादकीय

सम्पादीय ....

''भक्ति रस के अतिरिक्त श्री हनुमान चालिसा ज्ञान का असीम भंडार''

अतुलित बलधामं हेमशैलाभ देहं
दनुजवनशानुं ज्ञानिनामग्रगणयम्
सकलगुण निधानं, वानराणामधीशं
रघुपति प्रियं भक्तं. वातजातं नमामि।

हमारे वेद शास्त्र, गीता, भागवत की तरह हनुमान चालिसा भी आध्यात्मिक विकास एवं ज्ञान का असीम भंडार है और यह तथ्य इनके पाठ के साथ–साथ चिन्तन–मनन का विषय है। हर मंगलवार एवं शनिवार को भक्त–जन रटा–रटाया हनुमान चालिसा का पाठ तेजी से करके संतुष्ट हो जाते हैं, परन्तु वे इस पाठ की कई पंक्तियों में वर्णित रहस्यों एवं तथ्यों पर ध्यान नहीं देते हैं एवं उनमें छिपे गूढ़, ज्ञान से अंजान ही रह जाते हैं। वास्तव में यदि श्री हनुमान चालिसा के पाठ से ज्ञान/विवेक उठाना है तो इस पाठ की पंक्तियों में छिपे निम्न गढ अर्थ आत्मसात करने होंगे।

– श्री हनुमान चालिसा के पाठ की अधिकतम पंक्तियां श्री राम एवं श्री हनुमान जी की संयुक्त महिमा से ओत–प्रोत है और उन्हें अलग–अलग भाव से देखना श्री हनमान चालिसा की भव्यता को क्षीण बनाता है।

– श्री राम–कृपा हनुमान चालिसा के पाठ से इस प्रकार गुथी हुई है कि हनुमान जी का प्रताप चारों युग में उज्जवल है और किसी भी अन्य देव की स्तुति करने की भक्तजनों को आवश्यकता नहीं रह जाती, क्योंकि हनमान जी की स्तति से भक्त. राम भक्त भी बन जाते हैं।

– श्री हनुमान चालिसा के पाठ में ऐसा प्रतीत होता है कि भक्त के साथ–साथ श्री राम भी हनुमान जी की सेवा के कारण उनकी कृतज्ञता से उऋण नहीं है तथा उन्हें भरत के समान अपना प्रिय भाई मानते हैं। अर्थात भगवान व भक्त का एकीकरण हो जाता है।

– श्री हनुमान चालिसा के पाठ का स्वरूप श्री हनुमान जी के व्यक्तित्व की सम्पूर्णता भी प्रकट करता है, वे भक्त के लिए संकट मोचन बने रहते हैं. असरों के लिए काल हैं. संतो के

रक्षक हैं, समाज के लिए कल्याणकारी हैं तथा सीता जी के वरदान से अष्ठ सिद्धि नवों निधि के वरदाता बन जाते हैं। उनकी शरण में भक्तजन सदैव भयमक्त अनभव करते हैं।

– श्री हनुमान चालिसा की निम्न पंक्तियों में पवित्र भक्तिभाव तो है ही परन्तु यदि चिंतन करें तो एक अद्‌भुत वैज्ञानिक ज्ञान भी तलसीदास जी द्वारा इन पंक्तियों में संचित किया गया है और वह ज्ञान है **'पथ्वी से सर्य की दरी का आंकलन'**

यग सहस्र योजन पर भान. लीलियो ताही मधर फल जान।।

एक यग = 12000 वर्ष अत: सहस्र यग = 12 x 10^6 वर्ष

एक योजन = 8 मील = 8 x 1.6 किमी. = 12.8 किमी.

अत: सर्य से पथ्वी की दरी 12 x 10^6 वर्ष 12.8 = 1.536 x 10^9 किमी.। आधनिक विज्ञान भी इसे सही मानता है।

– श्री हनुमान चालिसा की इन्हीं पक्तियों में यह भी रहस्य छिपा हुआ है कि सृष्टि रचना के समय बालक हनुमान, जो वायु देव के प्रतिनिधि हैं और सरल, नियम बंधन मुक्त एवं असीम शक्तिशाली थे। उन्होंने सूर्य देव को एक मधुर फल जान करके आच्छादित कर लिया था, जिसके कारण तीनों लोकों में अंधकार छा गया परन्तु अन्य देवताओं द्वारा विनती करने पर रवि-देव को मुक्त कर दिया जाता था। जिसके कारण तीनों लोकों में फिर प्रकाश एवं जीवन का संचार हुआ। बाल हनुमान बहुत ही उत्पाति थे, ताकि उनकी शक्तियों का दुरुपयोग न हो इस कारण ऋषि मुनियों ने उन्हें अपनी शक्ति भूल जाने का शाप दे दिया। श्री हनुमान जी को समुद्र के किनारे सीता की खोज के समय जब उनकी शक्तियों की याद दिलाई गई तो वे वायु मार्ग से लंका पहुंच गये थे और सीता जी को श्री राम के अंगूठी देकर उनका संदेश दिया था। वानर सेना ने प्रण किया था कि बिना सीता जी की खोज के वो वापस नहीं लौटेंगे अथवा प्राण त्याग देंगे। श्री हनुमान जी ने सीता की खोज करके सारी वानर सेना के प्राणों की रक्षा की थी। तभी से श्री हनमान जी स्वयं अपने भक्तों के लिए संकट-मोचन बन गये और श्री राम के लिए तो हर क्षण संकट मोचन बने रहे।

– श्री हनुमान चालिसा के पाठ में स्पष्ट प्रार्थना की गयी है कि भक्त की प्रार्थना हनुमान जी गुरुदेव के समान सुने और तुलसीदास जी का कथन है कि हनुमान चालिसा का पाठ शिव और पार्वती की सिद्धि भी देता है। भक्तजन प्रार्थना करते रहते हैं कि श्री हनमान जी. श्रीराम. लक्षमण एवं सीता जी सहित हमारे हृदय में उसी प्रकार बसे रहें जैसे उनके हृदय में श्री राम बसते हैं।

– यह भी निश्चित है कि हनुमान चालिसा का पाठ मानव के लिए तब तक फलदायी नहीं होता जब तक उनका हृदय पवित्र न हो और वे अपने मन, बुद्धि एवं आत्मा के दर्पण को सही करके भक्ति भाव से प्रार्थना न करें। इस प्रकार भक्ति भाव के कारण मनुष्य को धर्म-अर्थ-काम-मोक्ष का फल भी प्राप्त होता है। परन्तु भक्तजन. श्री हनमान जी की कपा से ही अपना अहम त्याग करके इबादत करने पर ही बल बद्धि और विद्या प्राप्त कर सकते हैं।

अंत में श्री हनुमान जी का यश, श्री रामजी की सेवा में दुर्लभ कार्यो से सिद्ध होता है कि वे असीम शक्तियों के धनी थे, लक्ष्मण जी के प्राण रक्षा में संजीवनी बूटी पहाड़ सहित उठा लाये थे, रावण द्वारा श्री राम एवं सेना पर नागफांस के शस्त्र की काट के लिए खगेश को लाकर सभी को बंधनमुक्त कर दिया था, अहिरावण की भुजा उखाड़ दी थी और उसे श्री राम एवं लक्ष्ण जी की देवी मां को बली चढ़ाने से भी रोक दिया था तथा मेघनाथ का वध भी श्री हनुमान जी की शक्तियों का परिचायक है। श्री राम स्वयं कहते हैं कि हम कभी भी श्री हनुमान जी के उपकारों से उऋण नहीं हो सकते और वे ही एक ऐसे मेरे भक्त हैं जो छाती फाड करके मेरी छवि दिखला सकते हैं कि मैं उनके हृदय में बसता हैं।

अत: नि:संदेह हनुमान चालिसा एक असीम ज्ञान का भण्डार है और इसका पाठ चिंतन-मनन के साथ करने पर बहत से तथ्य उजागर होते हैं।

धर्मवीर सिंह

पवन तनय संकट हरन मंगल मूरति रूप।
राम लखन सीता सहित, हृदय बसहु सुरभूप।।

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति की प्रबन्धकारिणी की जयशंकर प्रसाद सभागर, कैसरबाग, लखनऊ में 30 नवम्बर, 2015 को हुई बैठक का कार्यवृत्त

सौजन्य : सर्वश्री देवकी नन्दन 'शान्त', उदय भान पाण्डेय, सुशील कुमार शर्मा, अशोक कुमार तथा प्रमोद कुमार गुप्ता

उपस्थिति : 34 प्रबन्धकारिणी तथा स्थाई आमंत्री तथा 28 अन्य विशेष आमंत्री सदस्य

माननीय अध्यक्ष महोदय के सभापतित्व में हुई बैठक में सर्वसम्मति से निम्नलिखित निर्णय लिए गए :-

1- प्रबन्धकारिणी की 08 अक्टूबर 2015 को हुई बैठक का कार्यवाही विवरण अनुमोदित कर दिया गया।

2- महासचिव (प्रशासन) ने सभा को यह भी बताया कि अनौपचारिक शिक्षा सहायता हेतु जो संकल्प प्रपत्र स्कूलों में दिये गये थे उसमें कोई विशेष सफलता नहीं मिली है क्योंकि स्कूलों के प्रधानाचार्य इसमें कोई सहयोग नहीं कर रहे हैं। इस पर श्री मनोज कुमार गोयल ने बताया कि उन्होंने विशेष प्रयास कर के तीन स्कूलों से 1400 रुपये एकत्र किये हैं, जिसके लिए सभा ने सराहना की। अध्यक्ष महोदय ने कहा कि इससे घबराना नहीं चाहिये। प्रयास के नये तरीके तलाशने चाहिये, इसमें सफलता अवश्य मिलेगी।

3- महासचिव (कार्यान्वयन) श्री राम लाल गुप्ता ने अवगत कराया कि गत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी शीत ऋतु में गरीबों को नये कम्बल व पुराने कपड़े वितरित करने का कार्यक्रम, ग्राम प्रधानों के चुनाव होने के कारण 15 दिसम्बर 2015 के बाद ही शुरू किया जायेगा। साथ ही सभा में उपस्थित सदस्यों से अनुरोध किया कि ज्यादा से ज्यादा दान देना सुनिश्चित करें जिससे अधिक से अधिक संख्या में नये कम्बल बांटे जा सकें।

4- महासचिव (एडवोकेसी) श्री अशोक कुमार मल्होत्रा ने अवगत कराया कि AISCCON का पन्द्रहवाँ राष्ट्रीय सम्मेलन **6 व 7 मार्च, 2016** को पंजिम, गोवा में हो रहा है, इसके पंजीकरण के फार्म उनके पास हैं। इसके लिए साधारण सदस्यता हेतु 2000 रुपये तथा विशिष्ट सदस्यता हेतु 2500 रुपये शुल्क रखा गया है। जो इस सम्मेलन में जाना चाहते हैं वह उनसे सम्पर्क कर सकते हैं। श्री मल्होत्रा ने यह भी बताया कि 19-20 मार्च, 2016 को हरिद्वार में भी प्रत्येक वर्ष की भाँति एक कार्यक्रम आयोजित हो रहा है इसका पंजीकरण शुल्क 2500/2000 रुपये है जो जाना चाहें वह उनसे सम्पर्क कर सकता है।

5- श्री योगेन्द्र प्रताप सिंह ने सभा को अवगत कराया कि उन्होंने 89 वर्ष की महिला को विशेष प्रयास करके पेंशन दिलवाने में सहयोग दिया। सभा ने उनके इस काम की सराहना की।

6- वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री सुशील शंकर सक्सेना ने सभा को अवगत कराया कि इस वर्ष 1000 कम्बल बांटने का लक्ष्य रखा गया है। सभी सदस्यों से अनुरोध किया कि अधिक से अधिक धनराशि समय से देना सुनिश्चित करें जिससे यह लक्ष्य प्राप्त किया जा सके।

7- अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र के संयोजक माननीय श्री अमरनाथ जी ने सभा को अवगत कराया कि जहाँ पर केन्द्र चलाया जा रहा है वहाँ उसे किनारों से कवर करने की आवश्यकता है, क्योंकि यह केन्द्र तीन तरफ से खुला है। इसको कवर करने के लिये 5000 रुपये की आवश्यकता होगी। उन्होंने इसकी स्वीकृति की माँग की जिसे सभा द्वारा दे दी गयी।

8- अध्यक्ष महोदय ने सभा को बताया कि वर्तमान में फिजियोथेरेपी सेन्टर व डे-केयर सेन्टर भावना की सहयोगी संस्था पायसम ने बंद कर दिया है, इस बारे में आगे किस प्रकार चलाया जाना है उसके लिये माननीय सदस्य श्री समेर अग्रवाल जी से वार्ता कर निर्णय लिया जायेगा।

9- अध्यक्ष महोदय ने बताया कि इस वर्ष हेल्थ कैम्प जो 29 नवम्बर को होना था अब 13 दिसम्बर, 2015 को होगा। इसके लिए प्लाट संख्या 3, 4 व 5 सुधान्शु फाउन्डेशन, बंधा रोड, त्रिवेणी नगर-3, सीतापुर रोड, लखनऊ का चयन किया गया है। इस कैम्प की व्यवस्था **आस्था** व **भावना** मिलकर करेंगे। गत वर्ष की भांति प्रचार लाउडस्पीकर सहित रिक्शे से भी कराया जाय। भोजन की व्यवस्था हेतु 25000 रुपये आस्था एवं 10000 रुपये एस.सी. त्रिवेदी ट्रस्ट द्वारा भावना को दिया जायेगा, शेष

व्यय पूर्व की भांति भावना द्वारा ही किया जायेगा। कैम्प व्यवस्थाएं श्री अरविन्द कमार गोयल. श्री जगत बिहारी अग्रवाल व श्री तंगनाथ कनौजिया द्वारा सनिश्चित की जायेगी।

10- विधि प्रकोष्ठ के संयोजक माननीय डॉ. वीरेन्द्र बहादुर सिंह ने बताया कि भावना ने जो मुकदमा के LDA विरुद्ध किया है उसकी सभी Proceedings पूरी हो चुकी है। इसका फैसला 10 दिसम्बर 2015 तक आ जायेगा। उन्होंने वसीयत करवाने के संबंध मं एक Workshop आयोजित करने का सझाव दिया. जिसे वह शीघ्र करेंगे।

11- अध्यक्ष महोदय ने बताया कि भावना का सोलहवां वार्षिक अधिवेशन **28 फरवरी, 2016** को होगा। इस अधिवेशन में नियमावली के संशोधन के अतिरिक्त भावना की कार्यकारिणी का चुनाव भी होगा। उनके प्रस्ताव पर विचारोपरांत. सभा ने माननीय विशिष्ट सदस्य श्री नरेश चन्द्र रस्तोगी को उनकी सहमति से चनाव अधिकारी मनोनीत कर दिया।

12- अध्यक्ष महोदय ने बताया कि भावना के संरक्षक सदस्य माननीय श्री राकेश कुमार मित्तल जी ने अपने दिवंगत पुत्रों की स्मृति में एक **स्मति भवन** का निर्माण **6/7, विपुल खण्ड, गोमती नगर** में कराया है। उसमें प्रत्येक गुरुवर को सायं 5 से 6. 30 बजे तक Positive Thinking पर वार्तायें तथा विचार-विमर्श होंगे। स्मृति भवन बहुत ही कम राशि पर भावना की प्रबंधकारिणी की बैठकों के लिये उपलब्ध रहेगा। निर्णय लिया गया कि अब से आगे भावना की प्रबंधकारिणी की बैठकें यदि कोई कठिनाई नहीं आती है तो वहीं आयोजित की जाया करेंगी।

13- महासचिव (प्रशासन) ने सभा के समक्ष माह जनवरी, 2016 में मैहर देवी व विंध्याचल देवी के दर्शन हेतु एक भ्रमण कार्यक्रम 2 रात्रि व 3 दिन का प्रस्ताव रखा जिसके लिये प्रति व्यक्ति 7500 रुपये का व्यय आने की सम्भावना बतायी। इस भ्रमण में 44 सदस्य ही जा सकेंगे। इस धनराशि में लखनऊ से वाल्वो बस से यात्रा, रहने तथा खाने का समस्त व्यय शामिल है। जो सदस्य जाने के इच्छुक हों वह अपना नाम तथा धनराशि श्री अरविन्द कमार गोयल जी को 10 दिसम्बर. 2015 तक दे दें। 35 सदस्यों से कम नाम आने पर भ्रमण निरस्त कर दिया जायेगा।

14- सभा में विशेष रूप से निमंत्रित Asianara Solar Energy Pvt. Ltd.के Executive Director श्री राकेश गोयल ने एक सोलर लालटेन का प्रदर्शन किया और बताया कि यह लालटेन ग्रामीणों के लिये बड़ी लाभदायक है, इसकी कीमत भी स्वैच्छिक संस्थाओं के लिय मात्र 170 रुपये है जबकि इसका बाजार मूल्य 300 रुपये है। सभा ने महासचिव (कार्यान्वियन) को निर्देशित किया कि वे ग्राम्यांचल एवं निर्धन-जन सेवा प्रकोष्ठ के संयोजक एवं सदस्यों से मंत्रणा करके तय करें कि किस प्रकार समिति पर अतिरिक्त व्यय भार डालें, ग्रामीणों को यह लाइट उपलब्ध कराई जा सकती है। सभा ने इस विषय में उपयुक्त निर्णय लेने एवं तद्नुसार उसे कार्यान्वित करने हेतु महासचिव (कार्यान्वयन) को अधिकृत भी कर दिया। कार्यक्रम के अंत में सभा में उपस्थित सदस्यों की ओर से माननीय अध्यक्ष जी ने सभा के आयोजनकर्ता माननीय श्री देवकी नन्दन 'शान्त', श्री उदय भान पाण्डेय, श्री सुशील कमार शर्मा. श्री अशोक कमार तथा श्री प्रमोद कमार गप्ता को धन्यवाद दिया तथा सभी को स्नेहभोज के लिये आमंत्रित किया।

उक्त कार्यवत्त महासचिव प्रशासन के पत्रांक-भावना/प-005/2166 दिनांक 31 दिसम्बर 2015 द्वारा जारी किया गया।

2016 के रेल बजट की विशेषताएं।

1. 05 मिनट में मिलेगा टिकट लगेंगे ईवीटीएम

2. महिलाओं के लिए खास :- 1. महिला सरक्षा जरूरी. हेल्पलाइन नंबर होगा 182

2. सुरक्षा के लिहाज से बोगी के बीच में होगा महिलाओं का आरक्षण

3. 311 स्टेशनों में लगाए जाएंगे सीसीटीवी कैमरे

4. हर कैटेगरी में 30 फीसदी सीटें महिलाओं के लिए

5. टेन में सफर कर रही महिलाओं के छोटे बच्चों के लिए अलग से खाना उपलब्ध होगा।

3. बुजुर्ग व दिव्यांग के लिए :- 1. सभी टेनों में 120 सीटें बुजुर्गो के लिए आरक्षित होगी

2. लोअर बर्थ पर आरक्षण में बुजुर्गो को वरीयता दी जाएगी।

3. दिव्यांगों के लिए सारथी सेवा का विस्तार किया जाएगा।

4. स्टेशन में बैटरी चालित कारें मिल सकेगी।

5. स्टेशन पर दिव्यांग के लिए विशेष टॉयलेट बनेंगे।

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति की प्रबन्धकारिणी की स्मृति भवन, विपुल खण्ड. गोमती नगर. लखनऊ में 10 जनवरी. 2016 को हुई बैठक का कार्यवृत्त

सौजन्य से: माननीय श्री अशोक कुमार मल्होत्रा, डॉ॰ यदुनाथ सिंह भदौरिया. श्री ओम प्रकाश अवस्थी. डॉ॰ छेदा लाल वर्मा तथा श्री अशोक कुमार अरोरा

उपस्थिति– 30 प्रबन्धकारिणी सदस्य तथा 32 विशिष्ट एवं विशेष आमंत्रित सदस्य

माननीय अध्यक्ष महोदय के सभापतित्व में हुई इस बैठक में सर्वसम्मति से निम्नलिखित निर्णय लिए गए :-

1. प्रबन्धकारिणी की 30 नवम्बर, 2015 को हुई बैठक का कार्यवाही विवरण विचारोपरान्त अनमोदित कर दिया गया। भावना के बने नये सदस्यों का परिचय कराया गया।

3. अध्यक्ष महोदय ने बताया कि राज्य सरकार ने 25 जिलों में माता–पिता भरण पोषण एक्ट के अंर्तगत जिला स्तर पर सेलों का गठन हो चुका है। 25 जिलों मे वृद्धाआश्रम बनाने के लिये भी चयन कर लिया गया है इनको संचालन हेतु स्वयंसेवी संस्थाओं का चयन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री एवं अन्य को जो प्रस्ताव भेजे गये थे उन पर कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

4-5. 28 फरवरी, 2016 को होने वाले वार्षिक अधिवेशन में प्रमुख महासचिव द्वारा पढ़े जाना वाला प्रतिवेदन तैयार न होने के कारण उसका अनुमोदन कोर ग्रुप की बैठक में करने का निर्णय लिया गया। कोषाध्यक्ष के अस्वस्थ होने के कारण महासचिव (प्रशासन) ने सभा के समक्ष निम्नलिखित वित्तीय अभिलेख प्रस्तुत किये:-

(अ) वर्ष 2014-15 की चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट द्वारा प्रमाणित बैलेंसशीट प्रस्तुत की जिसे सभा ने अनुमोदित कर दिया।

(ब) वर्ष 2014-15 के बजट की विभिन्न मदों के सापेक्ष हुए वास्तविक आय-व्यय का तलनात्मक विवरण प्रस्तत किया गया जिसे विचारोपरान्त सभा ने अनुमोदित कर दिया।

(स) वर्ष 2016-17 का प्रस्तावित बजट प्रस्तुत किया गया जिसमें सभा में उपस्थित सदस्यों ने कछ संशोधन करने का सुझाव दिया. जिसे सशोधित करने के निर्देश अध्यक्ष जी ने दिये।

6. समिति की नियमावली में संशोधन हेतु प्रस्ताव मांगे गए जिसके संदर्भ में श्री अमर नाथ जी ने उपनियम 11 में संशोधन करने का प्रस्ताव दिया जिसे नियमावली में संशोधन हेतु स्वीकार लिया गया। सभा में यह भी प्रस्ताव रखा गया कि भावना संदेश पत्रिका शुल्क अलग से न लेकर सदस्य बनाते समय ही सदस्यता शल्क में जोड कर ले लिया जाय जिसे स्वीकार कर. नियमों में आवश्यक संशोधन करने का निर्णय लिया गया।

7. सोलहवें वार्षिक अधिवेशन में साधारण सभा द्वारा समिति की प्रबंधंकारिणी के पदाधिकारियों का चनाव हेत चनाव अधिकारी श्री नरेश चन्द्र रस्तोगी को नामित किया गया।

8. वर्तमान सत्र में उत्कृष्ट/उत्तम कार्य करने वाले सदस्यों एवं प्रकोष्ठों का निर्धारण अध्यक्ष.वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष द्वारा अलग से बैठक कर निर्धारण किया जायेगा।

9. महाअधिवेशन 28 फरवरी. 2016 को स्मति भवन. आर-6/7.विपल खण्ड.गोमती नगर.लखनऊ में करने का निर्णय लिया गया।

10. सोलहवें महाअधिवेशन में 80 वर्ष आय पर्ण करने वाले सदस्यों को सम्मानित करने हेत आवश्यक निमंत्रण पत्र समय से भेजे जाने का निर्णय लिया गया।

कार्यक्रम के अंत में, सभा में उपस्थित सभी सदस्यों की ओर से माननीय अध्यक्ष श्री विनोद कुमार शुक्ला जी ने बैठक के आयोजनकर्ता माननीय श्री अशोक कुमार मल्होत्रा, डॉ. यदुनाथ सिंह भदौरिया, श्री ओम प्रकाश अवस्थी. डॉ. छेदा लाल वर्मा तथा श्री अशोक कुमार अरोरा को धन्यवाद दिया तथा सभी को स्नेहभोज के लिये आमंत्रित किया।

उक्त कार्यवत्त महासचिव (प्रशासन) के पत्रांक भावना/प-005/2225 दिनांक 05 मार्च. 2016 द्वारा प्रसारित।

भावना संदेश जनवरी. 2016 अंक के प्रकाशन के बाद बने नये भावना सदस्यों की सची

सदस्यता क्र.- पी-45/704/संस्थागत
पलाश ग्रामीण वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति
विमलेश दत्त मिश्र, सचिव
ग्राम व पोस्ट भगवतीपुर.
नगर पंचायत बी.के.टी.,
जिला लखनऊ-226201 फोन : 09412417108

सदस्यता क्र.- आर-88/705
राजेन्द्र बक्श सिंह,
वित्त प्रबंधक (से.नि.) प्रा.को.डे.फे.लि. .उ.प्र.
ई-1/64, सेक्टर बी, अलीगंज,
लखनऊ-226024 फोन: 09838134199
DOB:20/07/1949 MD: 24/06/1974

सदस्यता क्र.- टी-7/706 (वि.स)
तीर्थ रंजन गुप्ता
मुख्य अभियन्ता (से.नि.) उ.प्र.पा.कार्पो. लि.
5/900, विकास नगर. लखनऊ। फोन: 08954091886
ई-मेल: tirth_ranjan1954@yahoo.co.in
DOB:08/02/1954 MD: 08/12/1978

सदस्यता क्र.- बी-31/707 (वि.स.)
श्रीमती बीना गुप्ता
5/900, विकास नगर, लखनऊ-226022
फोन: 08954091886
DOB:26/02/1956 MD: 08/12/1978

सदस्यता क्र.- एन-37/708
नरेन्द्र देव द्विवेदी
अधि.अभि. (से.नि.), लो.नि.वि., उ.प्र.
2/162, विवेक खंड, गोमती नगर, लखनऊ-226010
फोन: 0522-2393905/09415579139
ई-मेल: narendra.deodwivedi@gmail.com
DOB:07/09/1949 MD: 09/06/1969

सदस्यता क्र.- डी-29/709 (वि.स.)
दयाल सरूप सचदेव
महानिदेशक (से.नि.), के.लो.नि.वि.
2061, इन्जीनियर्स अपार्टमेन्ट्स, प्लॉट 11,
सेक्टर 18ए, द्वारका, नई दिल्ली-110078
फोन: 09810501033 **ई-मेल: dss1949@gmail.com**
DOB:27/07/1949 MD: 30/11/1975

सदस्यता क्र.- एस-155/710 (वि.स.)
श्रीमती सुनीति बाला सचदेव
टी.जी.टी. (से.नि.)
2061, इन्जीनियर्स अपार्टमेन्ट्स, प्लॉट 11.
सेक्टर 18ए, द्वारका, नई दिल्ली-110078
फोन: 011-28035896/09810501033
ई-मेल: dss1949@gmail.com
DOB:09/08/1951 MD: 30/11/1975

सदस्यता क्र.- ए-68/711 (वि.स.)
अमोल प्रभाकर जोशी
विशेष महानिदेशक, के.लो.नि.वि.
9ए, हिन्दुस्तान कॉलोनी, अमरावती रोड,
नागपुर-440033 फोन: 09910704430
ई-मेल: amjosh_98@yahoo.com
DOB:03/03/1956 MD: 20/04/1981

सदस्यता क्र.- ए-69/712 (वि.स.)
श्रीमती अनीता जोशी
9ए, हिन्दुस्तान कॉलोनी, अमरावती रोड,
नागपुर-440033 फोन: 09910704430
ई-मेल: amjosh_98@yahoo.com
DOB:09/09/1959 MD: 20/04/1981

सदस्यता क्र.- जे-21/713 (वि.स.)
जय प्रकाश चतुर्वेदी
डीन (से.नि.), दीनदयाल वि.वि.. गोरखपर
बी-15, सूरजकुण्ड कॉलोनी,
गोरखपुर-273015 फोन: 09415210230
ई'मेल: jai.p.chaturvedi@gmail.com
DOB:10/03/1948 MD: 17/01/1977

सदस्यता क्र.- एन-38/714 (वि.स.)
श्रीमती नीलम चतुर्वेदी
बी-15, सूरजकुण्ड कॉलोनी,
गोरखपुर-273015 फोन: 09415210230
ई.मेल: jai.p.chaturvedi@gmail.com
DOB:25/11/1953 MD: 17/01/1977

सदस्यता क्र.- एम-40/716 (वि.स.)
श्रीमती मंजू शुक्ल
कम्प्यूटर प्रशिक्षक (ए.सी.एम. कम्प्यूटर्स)
बी-34, सेक्टर ई, अलीगंज. लखनऊ-24
फोन: 09415006152
ई-मेल: korarikalan@gmail.com
DOB:01/03/1952 MD: 29/03/1974

सदस्यता क्र.- वी-48/718 (वि.स.)
श्रीमती विमला शर्मा
प्लाट नं. 200, रौक टाउन, रोड नं. 2.
दूसरा क्रॉस, आई.बी. नगर,
हैदराबाद-500068 फोन: 07895300840
DOB:20/06/1959 MD: 20/02/1981

सदस्यता क्र.- एम-41/720 (वि.स.)
श्रीमती मंजू रानी शर्मा
फ्लैट नं. 39, पॉकेट ए-1, सेक्टर 3, रोहणी.
दिल्ली-110085 फोन: 09953940351
ई.मेल: devki1955@gmail.com
DOB:19/11/1958 MD: 13/12/1982

सदस्यता क्र.- आर-89/722/संस्थागत
रुद्राक्ष वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति बगहा
अशोक कुमार सिंह, अध्यक्ष
ग्राम बगहा, पो. जमखनवां. जिला लखनऊ
फोन : 08874924774

सदस्यता क्र.- के-45/738
श्री कृष्ण कुमार वर्मा
वरिष्ठ वित्त (से.नि.), एच.ए.एल., कोरवा
सेक्टर-14,पावर हाउस, इन्दिरा नगर. लखनऊ
फोन: 0522-2714804/098
ई-मेल: vermakk2011@.com
DOB:05/01/1950 MD: 25/06/1975

सदस्यता क्र.- ए-70/715 (वि.स.)
डॉ. अनिल कुमार शुक्ल
संयुक्त निदेशक (से.नि.), चि.स्वा. वि.,उ.प्र..
बी-34, सेक्टर ई, अलीगंज. लखनऊ-24
फोन: 09415006152
ई-मेल: korarikala@gmail.com
DOB:24/10/1952 MD: 29/03/1974

सदस्यता क्र.- ए-71/717 (वि.स.)
अनिल कुमार शर्मा
मोटर परि. अधि., भा.सर्वे.वि.
प्लाट नं. 200, रौक टाउन, रोड नं. 2, दूसरा क्रॉस,
आई.बी. नगर. हैदराबाद-500068 फोन: 07895300840
ई-मेल: aks.20022@gmail.com
DOB:23/09/1956 MD: 20/02/1981

सदस्यता क्र.- डी-30/719 (वि.स.)
देवकी नन्दन शर्मा
वरिष्ठ प्रबंधक (से.नि.), राष्ट्र. बैंक सेवा
फ्लैट नं. 39, पॉकेट ए-1, सेक्टर 3, रोहणी.
दिल्ली-110085 फोन: 09953940351
ई-मेल: devki1955@gmail.com
DOB:02/02/1955 MD: 13/12/1982

सदस्यता क्र.- ए-72/721 (वॉल. स.)
डॉ. अमित कुमार सिंह
फिजियोथेरेपिस्ट (परास्नातक)
ई-1/64, सेक्टर बी, अलीगंज. लखनऊ-226024
फोन: 09565998001
ई.मेल: draksingh301280@yahoo.com
DOB:30/12/1980 MD: 20/02/2012

सदस्यता क्र.- एस-156/723 (वि.स.)
प्रो. संदीप कुमार
वरिष्ठ सर्जन, पू.नि., अ.भा.आयु.सं, भोपाल
एच.आई.जी.-111,सेक्टर ई, अलीगंज,
लखनऊ-24 फोन: 0522-2322577/09335240880
ई.मेल: profsandeepsurgeon@gmail.com
DOB:17/02/1955 MD: 22/01/1980

सदस्यता क्र.- आर-90/724 (वि.स.)
प्रो. (श्रीमती) रश्मि कुमार
अध्यक्ष, बाल रोग वि., के.जी.एम.यू.
एच.आई.जी.-111, सेक्टर ई, अलीगंज,
लखनऊ। फोन: 0522-2322577/09335240880
ई.मेल: profsandeepsurgeon@gmail.com
DOB:07/07/1954 MD: 22/01/1980

सदस्यता क्र.- आर-91/725
राम पाल
सदस्य (से.नि.), वाणि.कर अधि., उ.प्र.
ए-701, आम्रपाली ग्रीन, वैभव खंड-1,
इन्दिरापुरम, गाजियाबाद-201014, उ.प्र.
फोन: 07838232899/09953064277
ई-मेल: rampalgzb@gmail.com
DOB:05/07/1954 MD: 07/05/1982

सदस्यता क्र.- य-14/726
ऊषा चौधरी
ए-701, आम्रपाली ग्रीन, वैभव खंड-1.
इन्दिरा नगर, गाजियाबाद-201014
फोन : 07838232899/09953064277
ई.मेल: rampalgzb@gmail.com
DOB:01/04/1960 MD: 07/05/1982

सदस्यता क्र.- जे-22/727
जय कुमार सिंह
कैशियर, भारतीय स्टेट बैंक
बैसवारा हाउस, 204, आई.टी.आई. रोड,
अतरौली. जिला हरदोई-241204 फोन: 09455141683
DOB:05/01/1957 MD: 08/05/1983

सदस्यता क्र.- डी-31/728 (वि.स.)
दिनेश चन्द्र वर्मा, न्यायाधीश (से.नि.)
पूर्व उपाध्यक्ष, के.प्रशा.अधि.
सी-425, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016
फोन: 0522-2347077/09415702007
ई.मेल: dcverma06@gmail.com
DOB:22/05/1940 MD: 04/06/1966

सदस्यता क्र.- वी-49/729 (वि.स.)
श्रीमती वीना वर्मा
सी-425, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016
फोन: 0522-2347077/09415702007
ई.मेल: dcverma06@gmail.com
DOB:20/06/1944 MD: 04/06/1966

सदस्यता क्र.- ए-73/730 (वि.स.)
आलोक शर्मा
शिक्षक (से.नि.), के.विद्या. संग.
29/सी, रजत विहार, सेक्टर 62, नोयडा-201301
फोन: 09418349588/09418110015
ई.मेल: aloksharmashimla@rediffmail.com
DOB:10/07/1954 MD: 12/11/1986

सदस्यता क्र.- डी-32/731 (वि.स.)
श्रीमती दीप्ति शर्मा
29/सी, रजत विहार, सेक्टर 62, नोयडा
फोन: 09418349588/09418110015
ई.मेल: aloksharmashimla@rediffmail.com
DOB:27/06/1965 MD: 12/11/1986

सदस्यता क्र.- एम-42/732 (वि.स.)
मुकुल चतुर्वेदी
इरकॉन इन्टरनेशनल लि. में सेवारत
56/डी, ब्लॉक सी, रजत विहार, सेक्टर 62.
नोयडा-201301 फोन: 09868158676
ई-मेल: drmukulchaturvedi@yahoo.co.in
DOB:01/06/1958 MD: 24/02/1984

सदस्यता क्र.- एस-157/733 (वि.स.)
श्रीमती साधना चतुर्वेदी
56/डी, ब्लॉक सी, रजत विहार. सेक्टर 62.
नोयडा-201301 उ.प्र.
फोन: 09868158676
ई-मेल: drmukulchaturvedi@yahoo.co.in
DOB:08/07/1956 MD: 24/02/1984

सदस्यता क्र.- एन-39/734
नरेश भार्गव
पी.ए.सी. मुख्यालय में सेवारत
डी-59, महानगर विस्तार, लखनऊ-226006
फोन: 09918927315/08188057464
DOB:16/03/1958

सदस्यता क्र.- के-44/735
कृष्ण कुमार गुप्त
प्रबंधक (से.नि.), सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इन्डिया
532/392, बनारसी टोला, अलीगंज,
लखनऊ-20 फोन: 09935058684/09565528655
ई-मेल: kkgupta0201@gmail.com
DOB:02/01/1948 MD: 18/02/1972

सदस्यता क्र.- एस-158/736 (वि.स.)
श्री राम वाजपेयी
डिप्टी कमिश्नर (से.नि.), वाणि.कर वि.,उ.प्र.
2/449, विवेक खंड, गोमती नगर, लखनऊ
फोन: 0522-2399000/09415367088
ई.मेल: shriram_vajpayee@yahoo.co
DOB:15/08/1949 MD: 11/06/1973

सदस्यता क्र.- एम-43/737 (वि.स.)
श्रीमती मालती वाजपेयी
2/449, विवेक खंड, गोमती नगर, लखनऊ
फोन: 0522-2399000/09415367088
ई.मेल: shriram_vajpayee@yahoo.com
DOB:01/01/1957 MD: 11/06/1973

बजर्ग समाचार

दुनिया के सबसे वृद्ध व्यक्ति की मौत

टोक्यो - दुनिया के सबसे वृद्ध पुरुष वसुतारो कोएदे की 112 वर्ष की उम्र में 19 जनवरी 2016 को मध्य जापान में मृत्यु हो गई। कोएदे का जन्म 13 मार्च 1903 को हआ था। गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड की ओर से उन्हें बीते साल अगस्त में सर्वाधिक बजर्ग व्यक्ति का खिताब दिया गया था। (हिन्दुस्तान 20.1.16)

चाकू से गोदकर पिता को मार डाला

फूलबेहड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत सुंदरवल निवासी तहव्वर अली (70) के दो बेटे हैं, जिसमें बड़ा बेटा अतहर व छोटा मेराज दोनों बंटवारे के बाद से अलग-अलग रह रहे थे, लेकिन तहव्वर अली छोटे बेटे मेराज पास रहते थे। बताते हैं कि बड़ा बेटा अतहर कोई काम धंधा नहीं करता है। इसलिए वह अपने हिस्से की कुछ जमीन बेचना चाहता था। जमीन उसके पिता के नाम होने के कारण वह बेच नहीं पा रहा था। जब उसने जमीन बेचने की बात पिता से की तो उन्होंने जमीन बेचने से इन्कार कर दिया। इससे गुस्साए अतहर ने शनिवार रात करीब दो बजे सोते वक्त पिता तहव्वर अली को चाकओं से गोद कर मौत के घाट उतार दिया। आरोपी यवक को जेल भेज दिया गया है। (दैनिक जागरण-01/02/2016)

दो बुजुर्गों ने की आत्महत्या

राजधानी में दो अलग-अलग स्थानों पर दो बुजुर्गों ने आत्महत्या कर ली। सेक्टर एच अलीगंज, निवासी हरिभान सिंह (75) ने पुरनिया क्रासिंग के पास टेन के आगे कदकर जान दे दी। मौके पर पहंची पलिस ने शव के पास से ससाइड नोट बरामद किया है।

पुलिस के मुताबिक सुसाइड नोट में हरिभान ने बीमारी से परेशान होकर मानसिक तनाव में आने व अपनी मर्जी से आत्महत्या करने की बात लिखी है। हरिभान पीडब्लूडी से सेवानिवृत्त इंजीनियर थे। वहीं दूसरी ओर राजाजीपुरम् सेक्टर-12 ई ब्लाक निवासी दुग्ध परिषद से सेवानिवृत्त अशोक कुमार गुप्ता (61) ने अपने कमरे में सोमवार देर शाम फांसी लगा दी। परिवारीजनों के मुताबिक अशोक पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे. जिसके कारण वह अवसाद में थे। पलिस छानबीन कर रही है। (दैनिक जागरण - 09.02.16)

शून्य अर्थात कुछ नहीं

तुम्हें, कुछ नहीं होने की जरूरत है और उसके लिए अपने से परे देखना होगा। जब आप वो करेंगे, जिससे कुछ नहीं मिलेगा, तो जो आपके पास होगा वह महत्वपूर्ण होगा। दान आपको कुछ नहीं देता, पर उसे करें। किसी की सेवा करना कुछ नहीं देता, पर उसे करें। बुजुर्ग की सेवा करना कुछ नहीं देगा, पर करें.....ऐसे कई काम हैं जिन्हें करना कछ नहीं देगा। पर आप देखेंगे कि उस कछ नहीं अर्थात शन्य से आपको ऐसा कछ मिलेगा जो अभी आपके पास नहीं है।

भावना द्वारा संचालित अथवा सहभागिता के आधार पर सम्पन्न कार्यक्रम

1–'भावना' : नववर्ष मिलन समारोह : दिनांक **3 जनवरी, 2016 :** जनेश्वर पार्क. गोमती नगर. शेल्टर नं. 14 जनेश्वर मिश्र की प्रतिमा के पास पिकनिक **:** 11 बजे से 03 बजे तक **:** नववर्ष 2016

कार्यक्रम इं. विनोद कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ **:** करीब 100 सदस्य (पुरुष–महिला–बालवृन्द) उपस्थित थे। अधिकांश सदस्य बिछावन व पानी की बोतल साथ लेकर आए। अध्यक्ष महोदय के औपचारिक सम्बोधन के तत्काल बाद श्री देवकी नन्दन 'शान्त' सचिव, सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ को भावी संचालन एवं कार्यक्रम प्रस्तुत करने हेतु कहा। देवकी नन्दन 'शान्त', श्री विनोद कुमार शुक्ल, श्री उदय भान पाण्डेय एवं श्री सुशील शंकर सक्सेना के साथ उपस्थित समस्त सदस्यों ने भावना का संकल्प गीत प्रस्तुत किया। पन:श्च देवकी नन्दन 'शान्त' ने निम्न वन्दनाएँ प्रस्तत कीं जिनका मक्त कण्ठ के साथ समस्त उपस्थित सदस्यों ने दिया :-

1.	गणपति वन्दना	:	गाइए गणपति जग वन्दन..... (विनय पत्रिका)
2.	भगवान शंकर की स्तुति	:	ॐ नम: शिवाय.....
3.	माँ भवानी की प्रार्थना	:	करें भगत हो आरती माई दोहं बिरियाँ....
4.	विनय–पत्रिका	:	श्री हनुमान जी के लिए पाँच चौपाइयाँ .....
5.	माँ शारदा वन्दन	:	हे माई! कण्ठ में भरदै राग. माई शारदा भवानी....

तदोपरान्त श्री दीपक कुमार पन्त ने कुछ जोक्स प्रस्तुत कर वातावरण को सहज बनाया। **सबसे अधिक वो बड़ा जो दो बोतल पीकर, तुम्हारे सामने खड़ा।** श्री उदय भान पाण्डेय ने नववर्ष को संबोधित करती हुई स्वरचित बेहतरीन ग़ज़ल प्रस्तुत की, जिसके शब्द थे **: ये अलसाई आँखों में सपने सजाकर, नया साल आया, नया साल आया, कि माजी के हर दर्दोग़म को भुलाकर, नया साल आया, नया साल आया।** श्री अशोक मेहरोत्रा ने स्वरचित कविता प्रस्तत की जिसके बोल थे :- **नया वर्ष कछ बात नई लेकर आए। नई चेतना नई उमंगें बरसाये!!**

श्री नरेन्द्र नाथ ने कबीर के दोहे सनाये :- रात गँवाई है सोय के. दिवस गँवाया खाय. हीरा जनम अमोल था. कौडी बदले जाय।

श्री सुशील शंकर सक्सेना ने स्व–रचित मुक्तक एवं एक हास्य कविता प्रस्तुत की जो सराही गई। मूँगफली, अमरूद व जलेबी का सेवन करते हुए सभी उपस्थित सदस्य मनोरंजन में डबते गए। श्रीमती आशा गोयल ने. श्रीमती मन्ज सक्सेना एवं अन्य साथियों के साथ भगवत–भजन प्रस्तत किया।

श्री आई.के. भारद्वाज ने नये वर्ष की शुभकामना प्रेषित करते हुए फलदार वृक्ष (जैसे–आम, अमरुद, जामुन, केला, बेर आदि) लगाने हेतु भावना के सदस्यों से अपील की। इं. एस.के. शर्मा ने राजकपूर, किशोर कुमार, मो. रफ़ी, सचिन देव बर्मन एवं एक पंजाबी गायक की मिमिक्री प्रस्तुत करते हुए 'मेरा नाम जोकर' के गीत **'कहता है जोकर सारा जमाना–आधी हकीकत आधा फसाना'** प्रस्तुत किया। श्री अमरनाथ ने छ: छन्दों वाली एक लम्बी कविता नए वर्ष की प्रत्येक तबके के लोगों हेतु **सर्व सुखिन: भवन्तु** की भावना से प्रस्तुत की जो सराही गयी। **सारे जग को सुखी करो, प्रभु! सब दु:ख हर इनका तुम लो, सारे जग के मानव को प्रभु! झोली भर खशियाँ तम दो।** श्रीमती शीला जायसवाल ने हनमान के नाम पर सन्दर संकीर्तन प्रस्तत किया।

तत्पश्चात अध्यक्ष श्री विनोद कुमार शुक्ल ने **बन्धन** फिल्म वर्ष (1940) लीला चिटनिस पर फिल्माया हुआ श्रीमती सरस्वती देवी के संगीत निर्देशन में कवि प्रदीप का लिखा हुआ उन्हीं की आवाज में एक गाना **पीहू पीहू बोल** प्रस्तुत किया जो उस पक्षी के लिए था जो पिंजड़े में बन्द था– लेकिन गीत का असर लीला चिटनिस के ऊपर इस हद तक होता है कि गीत पूरा होते–होते वो अकस्मात पिंजड़ा खोल देती है, और पंछी (तोता) मुक्त होकर उड़ान पर चला जाता है। अंत में दो क्विज कराये गये जिनमें पुरस्कार भी बांटे गए तथा कार्डस का गेम भी दिखाया गया। श्री अशोक कमार मेहरोत्रा ने ताश खेल हाऊजी पर एक हाऊजी आरती प्रस्तत की।

2-अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र-औरंगाबाद (लखनऊ) में गणतंत्र दिवस समारोह

भावना द्वारा संचालित लखनऊ-बिजनौर रोड पर औरंगाबाद रेलवे क्रासिंग के निकट बसी झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले बच्चों के शिक्षण हेतु चलाये जा रहे अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र में 26 जनवरी 2016 को न केवल ध्वजारोहण किया गया बल्कि वहां पर अध्ययनरत स्कूली बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम भी पेश किए गए। बालिकाओं में सुमित्री, चांदनी, कविता नैन्सी, रिंकी, निर्मल व सविता ने कई नृत्यगीत व भजन प्रस्तुत किए, वहीं पर बालकों में प्रिंशु, अंशु, गोलू, आकाश व राहुल ने भी अनेक कार्यक्रमों द्वारा दर्शकों का मन मोहा। श्री चन्द्रभूषण तिवारी जी द्वारा बंगला बाजार के निकट सालेहनगर में स्थापित इसी प्रकार दूसरे स्कूल के दस बच्चों (अंकित, अजय, सुमित, बिंदेश्वरी, दुर्गा, सावित्री, गौरी, दीपा ऋतु तथा कोमल) ने इस कार्यक्रम में भागीदारी की। सरस्वती पूजन तथा अनेक नृत्यगीतों के माध्यम से उन्होंने दर्शकों की तालियां बटोरी। ट्रांसपोर्ट नगर में स्थापित इसी प्रकार के स्कूल की अध्यापिकायें सुश्री साधना एवं सुश्री शबनम जी ने भी उपस्थित होकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर सम्पन्न सांस्कतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी बच्चों को परस्कार तथा सभी स्कूली बच्चों को लड्डू बांटे गए।

भावना के अध्यक्ष श्री विनोद कुमार शुक्ल जी द्वारा ध्वजारोहण किया गया तथा कार्यक्रम के समापन पर सभी उन बच्चों को जिन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रम में भागीदारी की थी, पुरस्कार वितरित किए। भावना द्वारा ही सभी स्कूली बच्चों को ऊनी स्वेटर भी वितरित किए गए। भावना के उपमहासचिव इं. सतपाल सिंह जी के निवास स्थल हैम्पटन कोर्ट अपार्टमेंट में रहने वाली श्रीमती मुक्ता सचदेवा एवं श्रीमती सीमा कटियार जी द्वारा भी सांस्कतिक कार्यक्रम में भागीदारी करने वाले सभी स्कली बच्चों को पुरस्कृत करने के लिए सामग्री उपलब्ध कराई गई।

इस अवसर पर भावना के अध्यक्ष के अतिरिक्त वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री सुशील शंकर सक्सेना, महासचिव प्रशासन श्री जगत बिहारी अग्रवाल, उपमहासचिव द्वय-श्री तुंगनाथ कनौजिया एवं श्री सतपाल सिंह जी, भावना के सदस्य श्री अमरनाथ, श्री दिलीप कुमार वीराणी, श्री शैलेन्द्र मोहन दयाल तथा श्री चन्द्रभूषण तिवारी भी उपस्थित थे। भावना की महिला सदस्यों में श्रीमती दया शुक्ला जी, श्रीमती सरोजिनी सिंह एवं श्रीमती शकुन्तला अग्रवाल ने भी सहभागिता थी।

इस कार्यक्रम के आयोजन एवं संचालन में आचार्य अयोध्या प्रसाद जी का योगदान अत्यन्त सराहनीय रहा। उन्होंने प्रत्येक कदम पर आगे बढ़कर अपना सहयोग दिया। इस शिक्षण केन्द्र की अध्यापिका द्वय श्रीमती आशा देवी एवं श्रीमती सरिता रावत ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूरी लगन व निष्ठा से बच्चों को तैयार किया। झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले अधिकांश सभी निवासियों ने भी उपस्थित होकर इस कार्यक्रम का आनन्द उठाया। श्री अमरनाथ के एक मित्र इं. प्रमोद कमार वर्मा जी ने भी उपस्थित एवं सहभागी होकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

3-लखनऊ में 10 फरवरी 2016 को न्याय यात्रा क्यों???

संविधान द्वारा न्याय का अधिकार सुनिश्चित होने के बावजूद अदालत में अतिशय विलम्ब से भारत की जनता को इस मूलभूत संवैधानिक अधिकार से वंचित किया जा रहा है। अदालतों में न्याय मिलने की जगह सरलता से तारीख पर तारीख मिल रही है और इसका परिणाम है कि वर्तमान में 3.33 करोड़ मुकदमें अदालतों में विचाराधीन है। यदि हमारी वर्तमान न्याय व्यवस्था में कोई सुधार नहीं किया गया तो सन् 2040 तक विचाराधीन मुकदमों की संख्या 15 करोड़ से अधिक हो जायेगी।

भारत में प्रति 10 लाख जनसंख्या पर सिर्फ 10.5 न्यायाधीश हैं जबकि आस्ट्रेलिया में प्रति 10 लाख की जनसंख्या पर 41, इंग्लैण्ड में 51, कनाडा में 75 और अमेरिका में 107 हैं। भारत की सर्वोच्च अदालत ने (4SSC 247, 2002) प्रति 10 लाख व्यक्ति पर न्यायाधीशों की संख्या 2007 तक 50 करने का आदेश दिया है। 8 वर्ष व्यतीत होने के बावजूद भी इसमें कोई प्रगति नहीं हुई। देश की सभी बड़ी अदालतों एवं सर्वोच्च अदालत में न्यायाधीशों की संख्या 1044 है। जबकि 01-01-2016 में 601 कल मान्य न्यायाधीश ही कार्यरत हैं और 443 पद रिक्त हैं।

किसी भी फौजदारी मुकदमें का फैसला करने में 15-20 वर्ष तथा दीवानी के मुकदमें का फैसला करने में सामान्यत: 25-30 वर्ष लग जाते हैं। कोई भी सरकार मजबूत न्यायतंत्र नहीं चाहती है। भारत में न्यायतंत्र के लिए कल बजट का 0.2% ही निर्गत होता है जो कि विश्व में सबसे कम है जबकि सिंगापर में बजट का 1.2%, इंग्लैण्ड में 1.4% और अमेरिका में 4.3% है।

हमारी संस्था न्यायतंत्र में सुधार के लिए केन्द्र सरकार, न्यायतंत्र और राजनैतिक पार्टियों के समक्ष अनेकों बार इस पक्ष को सामने रखा है। अनेक राजनीतिक पार्टियों ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में न्याय व्यवस्था में सुधार करने का जनता से वादा किया है। आज न्यायतंत्र में बढ़ता भ्रष्टाचार, एक ज्वलंत मुद्दा है। जब कछुए की चाल सी हमारी न्याय व्यवस्था चल रही हो तब प्रत्येक संवेदनशील नागरिक को जागरूक होना अतिआवश्यक है। अत: अब हम सबको अमल्य लोकतंत्र को बचाने के लिए आगे आना होगा। आइऐ, इस न्याय यात्रा से जुड़कर इसको सफल बनायें। जय हिन्द.....

तारीख पर तारीख बंद करो/जल्द और सच्चा न्याय सुनिश्चित करो।

फोरम फॉर फास्ट जस्टिम द्वारा जनहित में प्रकाशित

(भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति ने 09 फरवरी 2016 को इस फोरम द्वारा आयोजित प्रेस कान्फ्रेन्स तथा 10 फरवरी. 2016 को सम्पन्न न्याय यात्रा में सक्रिय भागीदारी निभाई।)

4-नर मंजिल लखनऊ में स्मति-भ्रंश Dementia पर कार्यशाला

दिनांक 12 मार्च 2016 को लखनऊ के मनोचिकित्सा केन्द्र नरमंजिल में भावना की वालन्टियर सदस्य डॉ.(कु) अंजलि गुप्ता के संचालन एवं संयोजन में Caregivers of Dementia patients विषय पर एक कार्यशाला आयोजित कराई गई जिसमें डिमेन्शिया क्यों होता है, कैसे इसकी रोकथाम हो तथा इसके रोगी की किस प्रकार परिचर्या की जाए, इस पर प्रकाश डाला गया। इस कार्यशाला में केजीएमसी के जीरियाट्रिक विभाग के एसोसियेट प्रोफेसर डॉ.श्रीकांत श्रीवास्तव तथा उसी विभाग के सोशलवर्कर डॉ. अविनाश जी ने इस रोग के बारे में विस्तार से बताया। इस कार्यशाला में **भावना** की ओर से इसके प्रमुख महासचिव श्री रामलाल गुप्ता, **भावना संदेश** के सम्पादक श्री अमरनाथ, श्री शैलेन्द्र कमार तिवारी तथा अन्य गण्यमान व्यक्ति उपस्थित थे। डिमेन्शिया के मरीज के साथ उसकी देखभाल करने वाले व्यक्ति Caregivers को उसके साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए यह भी बताया गया। Caregivers को अपने मरीज के साथ क्या सावधानिया बरतनी चाहिए-

1.मरीज के आसपास चोट लगने वाली सभी चीजें हटा देनी चाहिए। 2.उसके साथ स्नेह पूर्ण व्यवहार करना चाहिए। 3.उसके पासएक ID कार्ड बनाकर रखे जिसमें उसका नाम, तथा पूरा पता स्पष्ट हो। उसके हाथ में यह जानकारी टेटू बनाकर भी गुदवाई जा सकती हे। 4.मरीज को यह आभास न होने पाए कि उसके कारण आपको कोई परेशानी हो रही है। 5.जब भी आपको ऐसा लगे कि मरीज का रोग आपके संरक्षण से बाहर जा रहा है तो तत्काल किसी भी मनोचिकित्सक से सलाह ले। 6.मरीज के साथ कभी भी मारपीट न करें। 7.अभद्र शब्दों का प्रयोग न करे। 8.उन्हें अकेला न छोडे। 9.उन्हें बार बार भल जाने पर याद दिलायें। कभी टोंके नहीं।

5-बिम्ब महोत्सव

भावना के सम्मानित सदस्य श्री **उदय भान पाण्डेय** एवं श्री **अशोक मेहरोत्रा** द्वारा **बिम्बकला केन्द्र** के माध्यम से दि. 6, 12 एवं 14 मार्च को लखनऊ में बिम्ब महोत्सव का आयोजन किया गया। 6 मार्च को हुए कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय श्री राज्यपाल महोदय द्वारा किया गया। 12 मार्च को **भारतीय हिन्दी सिनेमा का सरीला यग** कार्यक्रम तथा 14 मार्च को श्री राजेश अरोरा 'शलभ' द्वारा लिखित नाटक-**इस वतन में**-का मंचन किया गया।

7. Houour Conferred

Prof. (Ms) Avneesh Agrawal has been conferred 'Bharat Gaurav Award' on 11th March, 2016, by India International friendship Society, New Delhi for her Meritorious Services, Outstanding Performance, Achievements and contributions, Remarkable rendered services in Education industry by Dr Bhishma Narain Singh, former Governor of Tamilnadu & Assam.

The name of Prof. (Ms) Avneesh Agrawal has been selected by the research editors for

inclusion of her 'Biographical-Note'in the fourthcoming volume of 'Asia/ Pacific Who's Who' (Vol.XIV). This is an invitation of honour to join exclusive coverage on 'select one' personalities of Asia and the Pacific.

'Asia/ Pacific Who's Who' is aimed to assemble and reflect the fame and notability of people living in Asia-Pacific region to foster goodwill, brotherhood and international understanding.it is attempted to capture and preserve knowledge about people who have scaled heights against odds to achieve excellence, people who have made a mark in original line of thinking by any standard, people who have played a cogent role in stimulatingand sustaining the growth of art, literature and learning, and also other worthy of reference- interest at local, regional, national or international level.

'Asia/ Pacific Who's Who' is not merely a Biographical directory or dictionary, it is aimed to be a 'Document of everlasting Value' for the listed biographees.

Consequent upon decision in Allahabad U3A CONF3 Dstinguished women members have been inducted to E C (Executive Committee) of CZ (Central Zone) in honour of International Women's Day Dr. Meena Darbari, Smt Anu Bhargava and Prof. Avneesh Agrawal.

7-हार्दिक शोक

9-10 मार्च 2016 की रात्रि में भावना के उपमहासचिव श्री रमाकांत पांडे के पूज्य पिताश्री का देहावसान हो गया है। शोकाकुल भावना परिवार प्रार्थना करता है कि ईश्वर स्व. आत्मा को शान्ति प्रदान करे तथा उनके शोक संतप्त परिवार को इस असीम कष्ट को वहन करने की शक्ति दे।

के. हनुमंथप्पा. तुम्हें सलाम

लद्दाख के 20000 फुट ऊँचे सिचाचिन क्षेत्र में अचानक भयानक बर्फबारी होने से 3 फरवरी 2016 को बर्फीले तूफान एवलांच के आने पर लगभग 35 फुट मोटी तथा हजारों फुट लम्बी चौड़ी बर्फ की शिला टूटकर गिर पड़ी जिसमें भारतीय सेना के 10 जवान दब गए। भारतीय सैन्य रक्षक दल उनमें से एक जीवित के.हनुमंथप्पा को बर्फ के 35 फुट नीचे से 8 फरवरी को निकाला। के हनुमंथप्पा उस समय गहरे कोमा में थे। तत्काल उन्हें मिलिट्री के अस्पताल में वेन्टीलेटर पर रखा गया। लेकिन अनथक प्रयासों के बावजूद भी वे बच नहीं सके। 11 फरवरी 2016 को उनकी मृत्यु हो गई। वे मिलिट्री में लांसनायक थे। उत्तरी कर्नाटक के कुंडागोल तालुका के बेटाहुर ग्राम के रहने वाले इस लांस नायक के अदम्य साहस को परे राष्ट ने एकस्वर में सराहा तथा उनकी इस कुर्बानी पर पूरा देश अश्रुपूरित हो उठा।

उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए **भावना परिवार** उनके अकल्पनीय साहस को सलाम करता है। के. हनुमंथप्पा तुम मरे नहीं, बल्कि अमर हो गए। इतिहास के पष्ठों में स्वर्ण अक्षरों में तम्हारा नाम हमेशा जगमगाता रहेगा। स्वीकारों. हमारे सलाम. हनमंथप्पा कोप्पाड!

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति

अपील

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति के सभी सम्मानित सदस्यों से अनुरोध है कि अगर उनकी सन्तानें, उनके साथ नहीं रह पा रही हैं और वे अकेले ही लखनऊ में रह रहे हैं तो कृपया अपना पता व फोन नम्बर हमें सूचित करें ताकि हमारी कम्पेनियनशिप प्रकोष्ठ के सदस्य उनसे निरन्तर सम्पर्क में रहकर यथाशक्ति यथासम्भव उन्हें सहयोग कर सकें।

- भावना परिवार

दीजिये बधाईयाँ! जन्म दिन पर –

भावना के वे आजीवन सदस्य जिन्होंने **01 अप्रैल 2016** को **75. 80 वर्ष** या इससे अधिक आय प्राप्त कर ली है।

सदस्य का नाम	जन्म तिथि	फोन नं.
80 वर्ष से अधिक आयु वाले सदस्य		
इकबाल कृष्ण सक्सेना	14.05.1925	09839450240
जस्टिस कमलेश्वर नाथ	06.09.1926	09415010746
श्री सरन मिश्रा	13.10.1927	09451250383
कैलाश चौबे	10.11.1927	0542-2207309
बैजनाथ कक्कड़	01.02.1929	09335912444
संपत राम श्रीवास्तव	01.01.1930	09453693098
मूलचन्द्र सिंह	15.01.1930	05445-262043
सत्य नारायण राय	01.07.1930	05445-262893
जेठू राम	01.07.1930	05445-267936
डॉ. शिव सागर सिंह	01.01.1931	09450363836
फूल चन्द्र जैन	05.01.1931	09811243707
लाल बहादुर श्रीवास्तव	15.03.1931	0522-2334755
कृष्ण देव कालिया	20.07.1931	09956287868
कमला शंकर अवस्थी	10.10.1931	09695639563
करुणा शंकर शर्मा	11.01.1932	0522-2437436
प्रो. महेन्द्र सिंह सोढा	08.02.1932	0522-2788033
राजेन्द्र प्रसाद	03.07.1932	09335906549
हरीश चन्दर	03.10.1932	09696670165
कर्नल राजेन्द्र नाथ कालरा	15.02.1933	09335815898
सुलतान खाँ	05.03.1933	0522-2456324
चन्द्र किशोर रस्तोगी	13.03.1933	09335245553
राजेन्द्र प्रसाद गोयल	27.03.1933	0522-2391951
विनोद चन्द्र गर्ग	06.04.1933	09415012307
रघुनन्दन पांडे	01.06.1934	09839282423
जस्टिस ईश्वर सहाय माथर	09.06.1933	09335299719
रजनी कांत	05.07.1933	09415010263
नव निधीश धवल	12.07.1933	0522-2392347
ब्रह्मानन्द गुप्ता	14.07.1933	09415196754
नरेन्द्रनाथ सिंह चौहान	15.07.1933	0522-2320160
शिव शंकर गुप्ता	01.01.1934	0522-2309392
दया शंकर चौबे	01.01.1934	09415106403
श्रीमती गोबिन्दी	25.01.1934	09450300827
लवकुश नारायण सेट	19.06.1934	09335204544
जस्टिस करन लाल शर्मा	10.07.1934	09415560824
रमेश दत्त शर्मा	02.01.1935	09369495788
श्रीमती संतोष कालरा	02.02.1935	09335815898
रवीन्द्र नाथ अवस्थी	20.02.1935	0522-2308361
यज्ञ कुमार मिश्रा	20.05.1935	09335574866
मन्मथ राम नागर	01.07.1935	0522-2756540
शिव प्रसाद अग्रवाल	01.07.1935	09415409799
श्रीमती उमा शशि मिश्रा	01.09.1935	09335904515
विजय कुमार माथर	27.01.1936	09450931839
खजान चन्द्र	04.02.1936	09415004395
75 वर्ष से अधिक आयु वाले सदस्य		
प्रो. वीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव	05.07.1936	09335255224
श्रीमती रेनु दुआ	08.07.1936	09696670165
रामचन्द्र मिश्रा	14.07.1936	05445-262515
डॉ. त्रिलोकी नाथ सिंह	13.08.1936	09415578355
राम किशोर पांडे	15.08.1936	09450591191
विश्व पाल निगम	17.08.1936	09369354884
श्रीमती मीरा माहेश्वरी	08.09.1936	0522-2350605
हरिवंश कुमार तिवारी	02.10.1936	08022573434
डॉ. जगदीश गाँधी	10.11.1936	09415015030
अभिलाष चन्द्र श्रीवास्तव	24.01.1937	09453432236
श्रीमती कुसुम सेठ	18.03.1937	09335204544
पॉल प्रवीण	20.05.1937	09919238189
प्रेम नारायण शक्ला	06.06.1937	0515-2821459
सुन्दर लाल	15.07.1937	0522-2364395
जगमोहन लाल वैश्य	30.09.1937	09415425327
श्रीमती विमला मिश्रा	07.10.1937	08009509010
त्र्यम्बकेश्वर धर द्विवेदी	15.10.1937	0522-818361
त्रिपुरेश त्रिपाठी	06.01.1938	0522-2395563
घनश्याम दास गुप्ता	20.01.1938	09415778891
कोमल प्रसाद वार्ष्णेय	25.01.1938	09415736256
जस्टिस सुधीर चन्द्र वर्मा	02.02.1938	09415419439
संतोष कुमार शुक्ला	25.02.1938	09313408485
डॉ. जय नारायण दबे	27.05.1938	09415565997
ज्ञानेन्द्र कुमार खरे	25.06.1938	09335157680
श्याम किशोर मिश्रा	28.06.1938	0522-2324450
श्रीमती आशालता निगम	01.07.1938	09369354884
संतोष प्रकाश माथुर	02.07.1938	09839766734
बिहारी लाल अग्रवाल	08.07.1938	0522-2328928
पुरुषोत्तम दास गर्ग	11.07.1938	09335252313
देवी प्रसाद गोयल	12.07.1938	09235894601

प्रेम प्रकाश अरोरा	15.07.1938	09415005428	नेमि चन्द्र सिंहल	05.01.1940	05864-252131
डॉ. सुरेश चन्द्र शर्मा	19.07.1938	09451343141	रघुराज राम चौधरी	07.01.1940	09450096318
रतन सिंह	31.07.1938	0522-2311475	रघुबर दयाल सिंहल	20.01.1940	09839024523
सुरेश कुमार मिश्रा	04.08.1938	09305730004	रास बिहारी लाल	02.02.1940	09415016035
सुरेन्द्र श्रीवास्तव	01.10.1938	0522-2395134	सुभाष चन्द्र चावला	08.03.1940	09450356702
दिलीप कुमार सरकार	14.10.1938	0522-2341614	दिलीप सिंह	08.03.1940	09452239944
मनोज कुमार गोयल	03.11.1939	09927212325	डॉ. हरीश चन्द्रा	07.04.1940	09415010610
आद्या प्रसाद उपाध्याय	03.11.1938	0522-2308032	कमाल मोहम्मद खान	30.04.1940	0522-2208295
राम कुमार	23.12.1938	09927212325	श्रीमती राधारानी	17.06.1940	09415004395
प्रभात चन्द्र सिन्हा	01.01.1939	0522-2355484	महेश चन्द्र निगम	01.07.1940	09335905126
श्रीमती इन्दु प्रभा गर्ग	03.01.1939	09936410443	डॉ. नरेन्द्र देव	07.07.1940	09451402349
प्रो. शिव मोहन सिंह	15.01.1939	0522-2789863	राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव	12.07.1940	0522-2786747
सुशील शंकर सक्सेना	03.02.1939	09415104198	बलवीर सहाय सक्सेना	17.07.1940	0522-2374848
श्रीमती प्रमिला माथर	15.02.1939	09839022781	बलराम बंसल	19.07.1940	0522-2309476
प्रेम नारायण पांडे	01.03.1939	09450931574	हरीश चन्द्रा	18.08.1940	09451176089
अशोक कुमार शर्मा	04.04.1939	09451247389	डॉ. यदुनाथ सिंह भदौरिया	18.08.1940	09450390052
प्रेम शंकर गौतम	08.04.1939	09451134894	श्रीमती विमला सिंह	03.09.1940	09335224846
सुरेश कुमार टमौटिया गौविला	05.06.1939	09451176390	बृजभूषण सिंह	15.09.1940	09415178825
महेन्द्र पाल सिंहल	01.07.1939	09415016890	राम सिंह चावला	20.09.1940	09216101733
के.जी.जी. वर्गीज	01.07.1939	05445-262464	चन्द्र किशोर पांडे	01.10.1940	07379277700
नरेश चन्द्र रस्तोगी	10.07.1939	09452098060	महावीर प्रसाद अग्रवाल	02.10.1940	0522-2382177
नरेन्द्र सिंह गंगवार	13.07.1939	0522-2701206	विजय कृष्ण बनर्जी	10.10.1940	09415195557
अशोक कुमार मिश्रा	14.07.1939	0522-2782136	श्याम जी श्रीवास्तव	12.10.1940	0522-2387484
श्रीमती सुभद्रा चौहान	15.07.1939	0522-2320160	विजय कुमार अग्रवाल	12.10.1940	09415010747
जस्टिस दिनेश कुमार त्रिवेदी	27.08.1939	09415152086	गिरिजा कांत शुक्ला	25.10.1940	09451144474
दीपक कुमार पंत	01.09.1939	09389325440	श्रीमती पुष्पा शर्मा	11.11.1940	07376952667
राजेन्द्र प्रसाद कक्कड	01.09.1939	08957373103	आनन्द प्रसाद अग्निहोत्री	16.11.1940	09450056168
शैलेन्द्र मोहन दयाल	03.09.1939	09455550616	लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी	08.12.1940	09450904417
बच्चन सिंह	15.09.1939	0522-2309909	विश्वनाथ प्रसाद भगत	15.12.140	05445-262482
ओम शंकर अस्थाना	30.09.1939	09839541637	संतोष कुमार	01.01.1941	09415641207
शैलेन्द्र बहादुर सिंह	15.10.1939	09935486647	विनोद कुमार मिश्र	16.01.1941	09335928007
वीरेन्द्र मोहन सक्सेना	16.10.1939	09935486647	मुनेन्द्र नाथ श्रीवास्तव	25.01.1941	09441947821
श्रीमती विद्याकांत	17.10.1939	09415394908	अमर नाथ	01.02.1941	09451702105
राजेन्द्र कुमार वर्मा	09.11.1939	09415010263	कुँवर बहादुर माथुर	04.02.1941	09336077343
सिद्ध गोपाल तिवारी	13.11.1939	09911181966	जय नारायण मिश्रा	19.02.1941	09415777805
शैलेन्द्र कुमार माथुर	10.12.1939	011-25265237	दिनेश चन्द्र वार्ष्णेय	15.03.1941	09415913943
रवीन्द्र कुमार सक्सेना	31.12.1939	09335203248			
सरजू प्रसाद अस्थाना	01.01.1940	09415103378			
डॉ. शिवाधीन त्रिपाठी	02.01.1940	0522-2320374			
राम प्रताप गुप्ता	02.01.1940	0522-2396912			
श्रीकृष्ण वर्मा	03.01.1940	09415002196			

अपनी आयु की प्लेटीनम जयन्ती मना चुके उपरोक्त सभी सदस्यों को भावना परिवार की हार्दिक बधाईयाँ - सम्पादक

होली हो सबको शुभ *Holi*

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति द्वारा आम जन की सेवा के लिये संचालित विभिन्न प्रकोष्ठ

निर्धन जन सेवा हेतु विशेष अनुरोध

जो सर्वसमर्थ है उनके लिए शीत ऋतु बहुत ही सुहानी और सैर–सपाटे, पिकनिक वाली होती है। किन्तु यही ऋतु उनके लिए अत्यंत दुखदायी होती है जिनके पास न तन ढकने के लिए पर्याप्त वस्त्र है, न ओढ़ने–बिछाने के लिए बिछौने हैं और न सिर छिपाने के लिए कोई कटिया ही है। आइये हम सब मिलकर उनकी मदद करें जिनके पास पहनने. बिछाने. ओढने के लिए कुछ भी नहीं है।

भावना ने निर्णय लिया है कि गत् वर्षों की भांति इस वर्ष भी शीत ऋतु में लखनऊ नगर तथा आसपास के ग्रामीण इलाकों के गरीब एवं असहाय जनों को तत्काल नये कम्बल तथा ओढ़ने, बिछाने एवं पहनने के नए अथवा पुराने कपड़े, बर्तन आदि उपलब्ध कराए जायें। अतः भावना के सभी सम्मानित सदस्यों एवं अन्य संवेदनशील समर्थ नागरिकों से अनुरोध किया जाता है कि वे कृपया यथाशीघ्र इस हेतु अपनी ओर से यथासंभव सहयोग प्रदान करें एवं अपने सगे–सम्बन्धियों तथा मित्रजनों को भी प्रेरित करें कि वे भी इस हेतु अपना योगदान देने की कृपा करें।

भावना द्वारा जो नए ऊनी कम्बल इस हेतु थोक में खरीदे जा रहे है। उनका मूल्य प्रति कम्बल 250 रुपये है। जो भी सहृदय व्यक्ति नए कम्बलों की मद में सहयोग देना चाहे वे जितना कम्बल देना चाहे उतने कम्बलों का मूल्य नगद अथवा लखनऊ में "at par" भुगतान योग्य Bharatiya Varishtha Nagarik Samiti के हित में जारी चेक से देने का कष्ट करें। अन्य सामग्री (पुरानी अथवा नई) भी कृपया यथाशीघ्र देने का कष्ट करें।

अपने सदस्यों तथा अन्य संवेदनशील लोगों से प्राप्त सहयोग के लिए भावना की प्रबंधकारिणी उनकी आभारी होगी।

गरीब. बेसहारा. लावारिस बच्चों के लिए साक्षरता अभियान

भारत एवं भारतवासियों की समग्र प्रगति के लिए देश के उन बच्चों को साक्षर एवं संस्कारित किया जाना नितांत आवश्यक है जो अत्यंत गरीब. बेसहारा और लावारिस हैं तथा जिन्हें हम Street Children कह कर सम्बोधित करते हैं। इसलिए भावना द्वारा ऐसे बच्चों को साक्षर बनाने एवं उन्हें संस्कारित करने के उद्देश्य से झुग्गी–झोपडियों की बस्तियों में अनौपचारिक शिक्षण केन्द्रों की शृंखला स्थापित करने तथा संचालित करने का निर्णय लिया गया है। इस अभियान के अंतर्गत पहला शिक्षण केन्द्र लखनऊ में माह मई. 2015 से प्रारम्भ किया जा चुका है। जैसे–जैसे संसाधन उपलब्ध होंगे. वैसे–वैसे इस प्रकार के और शिक्षण केन्द्र लखनऊ में तथा अन्य स्थानों पर भी प्रारम्भ किये जायेंगे। एक शिक्षण केन्द्र को स्थापित करने तथा संचालित करने हेतु वार्षिक व्यय लगभग एक लाख रुपये होने का अनुमान है। साक्षरता अभियान के अंतर्गत जो बच्चे अत्यन्त कुशाग्र बुद्धि वाले पाये जायेंगे तथा जिनमें नियमित औपचारिक शिक्षा प्राप्त करने की अत्यधिक लगन दिखेगी उनके लिए भावना द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों में विधिवत शिक्षण की व्यवस्था भी यथासम्भव की जाएगी।

सुधी. सहृदय एवं संवेदनशील महानुभावों/संस्थाओं से विशेष अनुरोध

देश हित के इस महायज्ञ को यथाशक्ति अपना आर्थिक सहयोग प्रदान करें। एक शिक्षण केन्द्र में दो शिक्षक हैं। प्रत्येक का मासिक वेतन तीन हजार रुपये है। इस प्रकार शिक्षकों के वेतन की मद में ही वर्ष भर में 72.000 रुपये का व्यय होगा। वर्ष भर में अन्य विभिन्न व्यवस्थाओं पर 28.000 रुपये खर्च होने का अनुमान है। एक शिक्षण केन्द्र में अधिकतम 20 बच्चों को पंजीकत किया जा रहा है। इस प्रकार एक बच्चे को साक्षर एवं संस्कारित करने हेत एक वर्ष का व्यय 5000 रुपये आ रहा है।

अतः अनुरोध है कि कम से कम एक बच्चे को साक्षर एवं संस्कारित करने हेतु एक वर्ष में व्यय होने वाली धनराशि 5000 रुपये. समिति के साक्षरता अभियान कोष में दान करें ताकि आपके सहयोग से कम से कम एक गरीब. बेसहारा. लावारिस बच्चा साक्षर एवं संस्कारित हो सके। अपने अन्य सक्षम परिजनों तथा इष्ट मित्रों को भी इस पण्य कार्य में यथा–सामर्थ्य सहयोग देने हेत प्रेरित करें।

अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र

लखनऊ बिजनौर मार्ग पर बिजली पासी किला चौराहा से औरंगाबाद रेलवे क्रासिंग से महज 100 मीटर दायीं ओर मान सरोवर योजना के सेक्टर–'पी' में एक अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र श्री चन्द्र भूषण तिवारी जी के दिशा–निर्देशन में भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति (भावना) द्वारा संचालित है। इसमें लगभग 30 से 50 तक बच्चे नि:शुल्क प्रशिक्षण ले रहे हैं।

इस स्कूल में निकटस्थ झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इस स्कूल के संचालन एवं इन बच्चों के सामाजिक, मानसिक, शैक्षिक उत्थान हेतु समाज का कोई भी वर्ग अथवा व्यक्ति सहयोग प्रदान करने हेतु निम्न फोन्स पर सम्पर्क स्थापित कर सकता है –

अमरनाथ	चन्द्रभूषण तिवारी	सतपाल सिंह	शैलेन्द्र मोहन दयाल	श्रीमती सरोजिनी सिंह
09451702105	09415910029	09839043458	09455550616	09415058975

बालक–बालिकाओं की शिक्षा सहायता योजना

भावना ने कक्षा 12 तथा नीचे की कक्षाओं में पढ़ रहे गरीब तथा अति गरीब किन्तु मेधावी छात्रों/छात्राओं के लिए यह अभिनव योजना प्रारम्भ की है। इस योजना के अंतर्गत समिति द्वारा चुने गए कक्षा 8 तक के प्रत्येक छात्र/छात्रा को एक शिक्षा सत्र में अधिकतम 1200 रुपये, कक्षा 9 एवं 10 के प्रत्येक छात्र/छात्रा को अधिकतम 1800 रुपये तथा कक्षा 11 एवं 12 के प्रत्येक छात्र/छात्रा को अधिकतम 2000 रुपये की सहायता स्कूल की फीस तथा पुस्तकों आदि के रूप में सम्बन्धित विद्यालयों के माध्यम से प्रदान की जाती है। विशेष परिस्थितिजन्य अपवादों को छोड़कर सामान्यत: किसी भी छात्र/छात्रा को अथवा उसके माता–पिता/अभिभावक को सहायता राशि नगद नहीं दी जाती है ताकि उसका अपव्यय न होने पाए। इस योजना के भली प्रकार क्रियान्वयन के लिए समिति के अंतर्गत एक विशेष **शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ** का गठन किया गया है। लाभार्थी छात्र/छात्राओं का चुनाव इसी प्रकोष्ठ द्वारा किया जाता है। चुनाव प्रत्येक वर्ष एक शिक्षा सत्र के लिए ही किया जाता है। इस विषय में प्रकोष्ठ का निर्णय ही अंतिम माना जाता है। प्रकोष्ठ द्वारा लाभार्थी छात्र/छात्राओं की शिक्षा सम्बन्धी प्रगति की समीक्षा समय–समय पर की जाती है। शिक्षा सत्र के मध्य यदि प्रकोष्ठ पाता है कि कोई लाभार्थी छात्र/छात्रा पढाई में रुचि नहीं ले रहा है तो शिक्षा सत्र के बीच में ही उसे सहायता देना बंद करने का पूरा अधिकार प्रकोष्ठ को होता है।

इस योजना का शुभारम्भ **भावना** के आठवें स्थापना दिवस समारोह में 26 अगस्त, 2007 को किया गया था। शिक्षा–सत्र 2007–08 से प्रारम्भ करके विगत् सत्र 2014–15 तक लखनऊ नगर तथा आसपास विद्यमान 37 मान्यता प्राप्त विद्यालयों के 642 छात्र/छात्राओं को 8,30,000 रुपए का आर्थिक सहयोग प्रदान किया जा चुका है। वर्तमान सत्र 2015–16 में 20 विद्यालयों के कुल 120 छात्र/छात्राओं को 1,71,000 रुपये का आर्थिक सहयोग प्रदान किया जा रहा है। गत् तीन वर्षों में हमने 31 दृष्टि–बाधित बच्चों को आर्थिक सहायता प्रदान की थी तथा वर्तमान सत्र में ऐसे ही 14 बच्चों को आर्थिक सहयोग प्रदान किया जा रहा है। आगामी सत्र में भी कम से कम 100 बच्चों को ऐसा ही आर्थिक सहयोग प्रदान करने का **भावना** का संकल्प है। वर्तमान सत्र में कक्षा 8, 9, 10 एवं 11 में आर्थिक सहयोग प्राप्त कर रहे जो बच्चे कम से कम 60 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होकर अगली कक्षा में पहुँचेंगे उन्हें भी सत्र 2016–17 में अध्ययन हेतु उपरोक्तानुसार निर्धारित धनराशि का सहयोग प्रदान किया जाएगा। **भावना** से कक्षा 12 में सहयोग प्राप्त जो छात्र/छात्रायें बोर्ड परीक्षा 75 प्रतिशत या अधिक अंकों के साथ उत्तीर्ण होंगे उनमें से अधिकतम अंक प्राप्त करने वाले दो छात्र/छात्राओं को उच्चतर पढ़ाई के लिए फिलहाल एक वर्ष के यथासम्भव आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाएगा। यह सहयोग भावना–सदस्य माननीय श्रीमती अर्चना गोयल तथा श्री जगत बिहारी अग्रवाल के सौजन्य से दिया जाएगा।

संवेदनशील महानुभावों से विशेष अनुरोध – ऐसे मान्यता–प्राप्त विद्यालयों में इस योजना का अधिक से अधिक प्रचार करें जहाँ गरीब तथा अतिगरीब बच्चे अधिक संख्या में पढ़ते हों। उनमें से मेधावी बच्चों को इस योजना का लाभ दिलाने हेतु चुनाव कराने में शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ की सहायता करें। कम से कम एक बच्चे की शिक्षा पर एक सत्र में व्यय होने वाली धनराशि (1200 रु. अथवा 1800 रु. अथवा 2000 रु.) समिति के शिक्षा सहायता कोष में दान करें ताकि आपके सहयोग से कम से कम एक बच्चा शिक्षित हो सके। भावना से कक्षा 12 में सहयोग प्राप्त जो छात्र/छात्रायें बोर्ड परीक्षा 75 प्रतिशत या अधिक अंकों के साथ उत्तीर्ण हो उन्हें उच्चतर पढ़ाई के लिए कम से कम एक वर्ष के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान करने का संकल्प भी लें। अपने अन्य सक्षम परिजनों तथा इष्ट मित्रों को भी इस पुण्य कार्य में यथा–सामर्थ्य सहयोग देने हेतु प्रेरित करें।

आर.टी.आई. प्रकोष्ठ

अपने सातवें वार्षिक महाधिवेशन में लिए गए निर्णय के अनुरूप भावना ने आर.टी.आई. प्रकोष्ठ का गठन किया है। यह प्रकोष्ठ सूचना का अधिकार कानून का सार्थक एवं सकारात्मक उपयोग करके सरकारी तंत्र की उपेक्षा के कारण जनसाधारण को हो रही कठिनाइयों को दूर कराने का गम्भीर प्रयास करता है। यह प्रकोष्ठ सरकारी तंत्र से पीड़ित लोगों की निजी समस्याओं का समाधान कराने का भी प्रयास करता है। सदस्यों से अनुरोध है कि वे आर.टी. आई. प्रकोष्ठ की जानकारी में ऐसे सार्वजनिक हित के मसले लायें जिनका समाधान सूचना का अधिकार कानून का उपयोग करके सम्भव प्रतीत होता हो। इस प्रकोष्ठ के गठन की जानकारी अधिक से अधिक लोगों को दें तथा उन्हें प्रेरित करें कि वे अपने व्यक्तिगत प्रकरण भी प्रकोष्ठ के समक्ष प्रस्तुत करें ताकि उनका समाधान कराने हेतु प्रकोष्ठ प्रयास कर सके। केन्द्र सरकार के अधीनस्थ विभागों से सम्बन्धित प्रकरणों की द्वितीय अपील केन्द्रीय सूचना आयोग, दिल्ली में दायर की जाती है। उसके लिए भावना की एन.सी.आर. शाखा के सचिव, श्री अमरेश चन्द्र माथुर, सहर्ष अपनी ओर से यथासम्भव सहयोग प्रदान करेंगे। उनका सम्पर्क विवरण है : पता–6/104, चिरंजीव विहार, गाजियाबाद –201002 (फोन 0120–2761874, 09868342451) ई–मेल– amresh.mathur1@gmail.com

भावना रसोई प्रकल्प

देखा गया है कि डॉ. राम मनोहर लोहिया चिकित्सालय, गोमती नगर, लखनऊ में इलाज के लिए कम आय–वर्ग के जो मरीज अन्यत्र से आते हैं, वे तथा उनके साथ आने वाले परिजन अपने साथ कच्ची भोजन–सामग्री लाते हैं और भोजन बनाने के लिए चिकित्सालय परिसर में ही उचित स्थान ढूँढ़ते हैं। वे परिसर में ही अथवा परिसर से बाहर निकलकर सड़कों के किनारे फुटपाथ पर कुछ ईटें तथा लकड़ी जमा करके अस्थाई चूल्हा बनाकर आग जलाकर अपना भोजन पका लेते हैं और ईटे, राख तथा अधजली लकड़ियाँ वहीं छोड़ जाते हैं। इससे अव्यवस्था फैलती है और गंदगी भी।

भावना ने चिकित्सालय प्रशासन की सहमति एवं सहयोग से मरीजों की इस ज्वलंत समस्या का निदान करने हेतु चिकित्सालय परिसर में सार्वजनिक उपयोग हेत **भावना रसोई** स्थापित करने का निर्णय लिया है। इस प्रकल्प का स्वरूप निम्नवत् होगा :

(1) रसोई के लिए एक निर्मित हाल चिकित्सालय प्रशासन द्वारा **भावना** को निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा।

(2) उस हाल को सार्वजनिक रसोई का स्वरूप देने हेत उसमें यथावश्यक निर्माण **भावना** द्वारा अपने खर्चे पर कराया जाएगा।

(3) इस भावना रसोई में 10 गैस–चूल्हे, सिलेन्डर सहित, स्थापित किए जायेंगे तथा भोजन बनाने–खाने के लिए आवश्यक बर्तनों के 22 सेटों की उपलब्धता सनिश्चित की जाएगी। रसोई में स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी।

(4) मरीजों के परिजनों को इस रसोई में भोजन बनाने–खाने के लिये एक चूल्हा तथा बर्तनों का एक सेट एक घंटे के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए उनसे मात्र 20 रुपये व्यवस्था शुल्क के रूप में लिए जायेंगे।

(5) इस सम्पूर्ण व्यवस्था के सुचारु संचालन हेत कम से कम एक पर्णकालिक व्यवस्थापक तथा एक पर्णकालिक परिचारक की नियुक्ति भी आवश्यक होगी।

इस भावना रसोई प्रकल्प को मर्त रूप में लाने के लिए प्रारम्भिक व्यवस्थाओं हेत समिति को कम से कम तीन लाख रुपयों की तत्काल आवश्यकता है।

सुधी, सहृदय एवं संवेदनशील महानुभावों से विशेष अनुरोध

भावना के इस जनहितकारी कार्यक्रम के लिए कृपया खुले मन से यथासामर्थ्य अधिक से अधिक आर्थिक सहयोग प्रदान करें। आर्थिक रूप से सम्पन्न एवं समर्थ अपने परिजनों तथा इष्ट–मित्रों को भी इस पुण्य–कार्य में अधिक से अधिक सहयोग देने हेतु प्रेरित करें। जितने शीघ्र इस मद में भावना को प्राप्त सहयोग–राशि तीन लाख रुपये हो जाएगी, उतने ही शीघ्र भावना रसोई का शभारम्भ हो जाएगा।

विनोद कुमार शुक्ल	रामलाल गुप्ता	जगत बिहारी अग्रवाल
अध्यक्ष मो.: 09335902137	प्रमख महासचिव मो.: 09335231118	महासचिव (प्रशासन) मो.: 9450111425

बडा महत्व है

संकलित–सतपाल सिंह. उप–महासचिव. भावना

ससुराल में साली का, बाग़ में माली का
होठों में लाली का, पुलिस में गाली का
मकान में नाली का, कान में बाली का
पूजा में थाली का, खुशी में ताली का
घर में घरवाली का, थकान में चाय की प्याली का
...........बड़ा महत्व है।
फलों में आम का, भगवानों में राम का
मयखाने में जाम का, फैक्ट्री में काम का
सुर्खियों में नाम का, बाज़ारों में दाम का
मोहब्बत में राधे और श्याम का
लाटरी में ईनाम का
...........बड़ा महत्व है।
व्यापार में घाटा का, लड़ाई में चांटा का
रईसों में टाटा का, जूतों में बाटा का,
रसोई में आटा का, नींद में खर्राटा का
...........बड़ा महत्व है।
फिल्म में गाने का, झगड़े में थाने का
प्यार में पाने का, अंधों में काने का
परिंदों में दाने का, मूर्खों में सयाने का
...........बड़ा महत्व है।
ज़िंदगी में मोहब्बत का, परिवार में इज्ज़त का
तरक्की में किस्मत का, दीवानों में हसरत का
बॉडी बिल्डिंग में कसरत का.
...........बड़ा महत्व है।
पंछियों में बसेरे का, दुनिया में सवेरे का
डगर में उजेरे का, शादी में फेरे का
इश्क में अंधेरे का
...........बड़ा महत्व है।
खेलों में क्रिकेट का, विमानों में जेट का
शरीर में पेट का, दरसंचार में नेट का
हॉबी में खेट का
...........बड़ा महत्व है।
मौजों में किनारों का, गुर्बतों में सहारों का
दुनिया में नजारों का. प्यार में इशारों का
रईसों में कारों का
...........बडा महत्व है।

होली–पर्व पर जो सदस्यों के प्रति 'भावना' रहती है. उसी को होली–गीत में व्यक्त किया जा रहा है।

– देवकीनन्दन शान्त

चलो, इकबार फिर से, हम गले लग जाँय होली में!
ना मैं तुमसे ये पूछूँगा कि तुमने साथ क्यूँ छोड़ा;
ना तुम ये सोचना शीशा–ए–दिल कब, किसने क्यँ तोडा।
ना हम चर्चा करेंगे, भूल कर भी तल्ख़ मुद्दों पर;
करें हम शुक्रिया उनका, जिन्होंने हमको फिर जोड़ा।।
चलो इक बार फिर से.......................... ।।1।।
हमारे सोच का हो दायरा, विस्तृत गगन जैसा;
हमारे प्यार की खुशबू का हो झोंका, पवन जैसा।
हम आदर एक दूजे का, सदा से करते आये हैं;
हमारा भाव संबोधन भी हो बिल्कुल, नमन जैसा।।
चलो इक बार फिर से.......................... ।।2।।
क्षमा इक दूसरे को करके माफ़ी माँग लें हम–तुम:
घरों में कब तलक बैठे रहेंगे हम यूँ ही गुम–सुम।
कभी गुस्से से, बेकाबू, कभी जी भर हँसे खुलकर:
हमारे भाल पर होली ने रख दी नेह की कुमकुम।।
चलो इक बार फिर से.......................... ।।3।।
रंगों में 'शान्त' होली के, हर इक चेहरा बदल जाये;
मगर भीतर ही भीतर प्यार से हर दिल पिघल जाये।
ये होली–ईद–दीवाली के मौसम का तक़ाज़ा है;
कि मनुहारों से बहका हर क़दम, खुद ही सँभल जाये।।
चलो इक बार फिर से. हम गले लग जाँय होली में।।4।।

(उक्त गीत फिल्म गुमराह के प्रसिद्ध गाने–चलो इक बार फिर से अजनबी बन जायें हम दोनों––की पैरोडी है)

बन सके न आदमी।

बन चुके तैमूर हिटलर, बन चुके चंगेज, नादिर
बन चुके हम सेठ, नेता, बन चुके ठग, डान, काफिर
योगी, साधु, सिद्ध, महन्त, हम बन चुके भगवान तक
बहुत कुछ हम बन चुके हैं, पर बन सके ना आदमी।
तीर्थो के काटे चक्कर, जंगलों की खाक छानी
घूमकर ब्रह्मांड सारा, पी चुके हर घाट पानी
मिल गए थे देव–किन्नर, दानव, वानर, दैत्य, नाग
मिल गये भगवान भी थे. लेकिन मिला ना आदमी।

– **अमरनाथ**

होली–गीत

इं. अशोक मेहरोत्रा

बह रही फागुन की बयार. मन में लेत हिलोरे प्यार–
कि होरी आयी है...
बाली खेतन में तैय्यार. बन में फल उठी कचनार
कि होरी आयी है...
ऋतु–बसंत में धरती ने शृंगार करो है भारी,
रंग–बिरंगे फूलन की चुनरी हू तन पे धारी,
मानो करने को अभिसार. निकली नई–नवेली नार.
कि होरी आयी है...
बगियन में कोयलिया कुहुकी आम खड़ौ बौरायो,
लाल चटक फूलन ते लद लद कर पलाश मुस्कायो.
कली ने घूँघट दियो उधार. गँजत भौंरन की गंजार
कि होरी आयी है...
ब्रज की कुंज–गलिन में देखो शोर भयो है भारी.
इतते निकसी सुघड़ राधिका, उतते रास बिहारी,
बढ़ी जब दोनों की तकरार तो है गई रंगन की बौछार
कि होरी आयी है...
दशरथ के महलन में देखो लगी भीर पे भीर,
सखा, अनुज संग मिल–मिल होरी खेल रहे रघुबीर.
मारे पिचकारी की धार. मस्ती में सगरे हरियार.
कि होरी आयी है...
भोला हू ने छान के बूटी, तन पे भस्म रमायी,
पार्वती संग होरी खेलन चले जगत सुखदायी,
माँ ने रंग दीन्हों भरतार तो मानो भीज गयो संसार.
कि होरी आयी है...

अबीर : होली गीत (पारम्परिक धुन)

उदय भान पाण्डेय 'भान'

कन्हैया. ना माने रे ,
मोरी अँखियों में डाले अबीर
संवरिया. ना माने रे ,
मोरी अँखियों में डाले अबीर
हो रसिया. ना माने रे ,
मोरी अँखियों में डाले अबीर.
ग्वालन संग मिलि धूम मचावे,
माने न नटखट–वीर
ढपलिया–ढोल बजावे रे,
गावे रे फाग–कबीर
कन्हैया. ना माने रे.........
भरि पिचकारी तन रंग डारी,
मन की न जाने रे पीर
बंसरिया बीन बजावे रे,
सुन हिय होये अधीर
कन्हैया, ना माने रे.......
सखियन संग भरि घट,धरि सिर पर,
लाऊं रे जमुना से नीर
कंकरिया फेंकि के मारे रे,
भींजे रे रेशम–चीर
कन्हैया, ना माने रे......
श्भानश्–दलारी. कान्हा की प्यारी,
कुछ तो करो तदबीर
हो छलिया घात लगावे रे,
छेड़े रे जमना के तीर
कन्हैया. ना माने रे.......

भावना समिति को किसी भी मद में देय धनराशि आयकर की धारा 80जी के अंतर्गत छट

भावना समिति को किसी भी मद में सहयोग नगद या चेक अथवा बैंक डाफ्ट द्वारा दिया जा सकता है। चेक अथवा बैंक डाफ्ट 'भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति '(Bharatiya Varishtha Nagarik Samiti) के नाम लखनऊ स्थित किसी बैंक पर देय होना चाहिए। एक्सिस बैंक की शाखायें जिन स्थानों पर हैं वहाँ की आउट–स्टेशन चेक भी मान्य होगी। भावना को दिये जाने वाले आर्थिक सहयोग पर आयकर अधिनियम की धारा 80जी के अंतर्गत आयकर में छट अनमन्य है।

HELPLINES

Helpage India - 1800 180 1253
Awadh Hospital - 0522-4055222
Astha Hospital - 1800-180-1415
1) Balrampur Hospital- 0522-2624040
Dr. V.K.S. Chauhan-9415101895
2) Civil Hospital - 0522-2239007
Dr. Ashutosh Dubey - 9415117798
3) KGMU Trauma Centre- 0522-2258425
CMO Control Room - 0522-2622080
4) Director Health Deptt.- 18001805145
5) Lohia Hospital, Gomti Nagar- 08004003391
Director Medical Dr. Omkar Yadav - 8765676903
6) RLB, Rajajipuram - 0522-2661370
7) For Ambulance Service - 108 / 102

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति सोलहवां वार्षिक महाधिवेशन–28 फरवरी 2016

प्रमख महासचिव का प्रतिवेदन (समिति की वार्षिक रिपोर्ट)

माननीय मुख्य अतिथि जी एवं अन्य अतिथिगण, माननीय अध्यक्ष जी, मंचस्थ अन्य पदाधिकारीगण, सभा में उपस्थित सभी साथियों, देवियों तथा पत्रकार बन्धुओं। इस सोलहवें वार्षिक महाधिवेशन में भावना की प्रबंधकारिणी की ओर से तथा अपनी ओर से भी आप सभी का हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत करता हूं। आप अपनी निजी व्यस्तता को तिलांजलि देते हए हमें मार्गदर्शन देने हेत उपस्थित हए इसके लिए आप सभी का आभारी हं।

मान्यवर! चिकित्सा–क्षेत्र में हुए निरन्तर अन्वेषणों की वजह से देश तथा प्रदेश में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर उत्तर प्रदेश की आबादी 19.95 करोड़ थी वहीं 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों (वरिष्ठ नागरिकों) की संख्या 1.7 करोड़ (लगभग 8 प्रतिशत) थी। अनुमान है कि वर्ष 2021 तक यह लगभग 15 प्रतिशत से अधिक हो जायेगी। लगभग 75 प्रतिशत बुजुर्ग ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं, जिसमें से 50 प्रतिशत गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों में पलायन व शहरी क्षेत्रों में संयक्त परिवारों के टटने की वजह से वरिष्ठ नागरिकों की समस्यायें लगातार बढ रही है।

भावना द्वारा निरन्तर अपने स्तर से किए गए प्रयासों तथा सहयोगी संस्थाओं के साथ मिलकर किए गए सामूहिक प्रयासों के फलस्वरूप केन्द्र सरकार व राज्य सरकार ने कुछ आदेश पारित किये हैं, जिनका विवरण मैं आगे प्रस्तुत करूंगा। 17 जुलाई, 2000 को गठित यह समिति अपने 17वें वर्ष में प्रवेश करते हुए अपने कर्तव्यों व उत्तरदायित्वों के प्रति पूरी तरह सजग है। हम न केवल वरिष्ठ नागरिकों की विभिन्न समस्याओं के निराकरण हेतु प्रयास कर रहे हैं अपितु सदस्यों को जागरूक भी कर रहे हैं। भावना ने विगत वर्षो में वरिष्ठ नागरिकों के हितार्थ काम कर रही कई प्रादेशिक. राष्टीय तथा अन्तर्राष्टीय संस्थाओं के साथ मिलकर अपने सहयोग के दायरे का विस्तार किया है। हमने WorldU3A, U3A Asia Pacific Alliance, International, HelpAge India, Help Your NGO, Senior Citizens Confederation of Delhi, Senior Citizens Confederation of Nepal, Senior Citizens Association of Daman, Senior Citizens Confederation of Uttarakhand, Senior Citizens Association of Chandigrah, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद आदि संस्थाओं के साथ अंतरंग समन्वय स्थापित किया है। WorldU3A की लंदन से प्रकाशित मासिक इंटरनेट पत्रिका World Sign Post में भावना की गतिविधियों का प्रकाशन भी नियमित रूप से हुआ करता है। हमने Indian Society of Universities of Third Age (ISU3A) की संस्थागत सदस्यता ले रखी है। भावना के सदस्यों में लगभग 125 सदस्य ISU3A के भी सदस्य हैं। भावना देश की सबसे बड़ी राष्ट्रीय संस्था, All India Senior Citizens Confederation (AISCCON) की भी संस्थागत सदस्य हैं। गत् 20 सितम्बर, 2015 को दिल्ली में आयोजित हुए के ISU3A वार्षिक अधिवेशन में हए चनाव में सर्वसम्मति से निर्वाचित हए निम्नलिखित पदाधिकारी भावना के ही सदस्य हैं।

1. श्री अशोक कुमार मल्होत्रा–मध्य क्षेत्र के उपाध्यक्ष, 2. श्री ज्ञानेन्द्र कुमार खरे (इलाहाबाद)–संगठन सचिव, 3. डॉ. प्रदीप कुमार सिन्हा (इलाहाबाद)–संयोजक, स्वास्थ्य एवं पोषाहार, 4. श्री सतपाल सिंह–प्रबंधकारिणी सदस्य. 5. श्री अवधेश प्रताप सिंह (गाजियाबाद)–संयोजक. सामाजिक तथा आर्थिक सरक्षा।

श्री अशोक कुमार मल्होत्रा AISCCON के संयुक्त सचिव व श्री सत्यदेव तिवारी संयुक्त संगठन सचिव हैं इस के अतिरिक्त भावना के अध्यक्ष. माननीय श्री विनोद कमार शक्ला. AISCCON की केन्द्रीय काउन्सिल के सदस्य हैं।

श्री विनोद कुमार शुक्ल अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद के आजीवन सदस्य हैं। श्री विनोद कुमार शुक्ल एवं श्री अशोक कुमार मल्होत्रा वरिष्ठ नागरिक महासमित उत्तर प्रदेश के कार्यकारिणी सदस्य भी हैं। भावना इस महासमिति की संस्थागत सदस्य हैं।

भावना का विस्तार–भावना को स्थापित हुए मात्र 16 वर्ष ही हुए हैं। मात्र 11 सदस्यों के बल पर गठित हुई यह संस्था अब तक 734 वरिष्ठ नागरिकों/संस्थाओं/वालन्टियर्स को अपने साथ जोड चकी है। वरिष्ठ नागरिकों के हितार्थ अलग–अलग

क्षेत्रों में काम कर रही निम्नलिखित स्वैच्छिक संस्थायें भावना की संस्थागत सदस्य हैं।

1. मिरर फाउण्डेशन फॉर सेल्फ इम्प्रूवमेंट एण्ड नेचुरल लिविंग, 2. स्वास्थ्य एवं जड़ी बूटी विकास संस्थान, 3. कामर्शियल टैक्स रिटायर्ड आफीसर्स एसोसिएशन, 4. उ.प्र. वेटरन सहायता समिति, 5. आस्था सेन्टर फॉर जीरियाट्रिक मेडीसिन्स एण्ड पालिएटिव केयर हास्पिटल, हॉस्पाइस एण्ड सोशल वेलफेयर सोसाइटी, 6. विद्युत पेंशनर्स परिषद, उ.प्र., 7. परमहंस योगानंद सोसाइटी फॉर स्पेशल अनफोल्डिंग एण्ड मोल्डिंग 8. भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति (ग्रामीण) भौली, लखनऊ, 9. श्री तारीफ सिंह धर्मार्थ ट्रस्ट जमालपुर, जिला-शामली, उ.प्र., 10. पलाश ग्रामीण वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति, भगवतीपुर लखनऊ, 11. रुद्राक्ष वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति बगहा, लखनऊ।

भावना के सदस्यों में उपरोक्त 11 संस्थागत सदस्यों के अतिरिक्त 450 पुरुष तथा 250 से अधिक महिलाये हैं। 62 सदस्य या तो काल कवलित हो चुके हैं या किसी भी कारणवश उनकी सदस्यता समाप्त हो चुकी है। पुरुष सदस्यों में विभिन्न विभागों तथा प्रतिष्ठानों के निवर्तमान अभियंता तथा व्यापारी, विभिन्न बैंकों व इंश्योरेंस कम्पनियों के निवर्तमान अधिकारी/कर्मचारी, शिक्षाविद्, चिकित्सक, उच्च न्यायालय के निवर्तमान न्यायाधीश, निवर्तमान जनपद न्यायाधीश, निवर्तमान प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी, अधिवक्ता, रक्षा क्षेत्र के निवर्तमान अधिकारी, कृषक तथा कृषि-क्षेत्र से जुड़े निवर्तमान अधिकारी तथा शेष पुरुष सदस्य अन्य क्षेत्रों जुड़े हैं। महिलाओं में निवर्तमान प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षाविद, व्यापारी, अधिवक्ता, निवर्तमान बैंक अधिकारी, चिकित्सक तथा गृहणियां हैं।

भावना केवल लखनऊ में ही सक्रिय नहीं हैं अपितु राष्ट्रीय राजधारी क्षेत्र (एन.सी.आर.) सोनभद्र जनपद एवं उन्नाव जनपद में भी इसकी शाखायें सक्रिय हैं और गुणात्मक कार्य कर रही है। शीघ्र ही हम प्रदेश के अन्य जनपदों के ग्रामीण अंचलों में भी वरिष्ठ नागरिकों की ग्राम समितियां स्थापित कराने की योजना बना रहे हैं। भावना का अपना फोन, वेबसाइट, फेसबुक पेज, ई-मेल आई.डी., तथा गूगल ग्रुप भी है ताकि इस इलेक्ट्रानिक व प्रिंट मीडिया युग में सभी सदस्यों को अद्यतन जानकारी तत्काल दी जा सके। हमारी वेबसाइट की विशेषता यह है कि यह लगभग रोजाना ही अपडेट होती है। **भावना संदेश** के नाम से हम त्रैमासिक पत्रिका के माध्यम से भी सदस्यों को अद्यतन जानकारी देते रहते हैं।

भावना की कार्यशैली – भावना के दो घोषित मूल उद्देश्य हैं। 1. वरिष्ठ नागरिकों के स्वावलम्बन सहयोग एवं सेवा की भावना बलवती करना ताकि वे सम्मान के साथ सुखी वं स्वस्थ जीवन जी सके। 2. समाज के कमजोर वर्गों यथा निराश्रित महिलाओं एवं बच्चों, विकलांगों तथा निर्बल एवं असहाय जनों के कल्याण के लिए कार्य करना। हमें सरकार से किसी भी प्रकार का सहयोग प्राप्त नहीं है। अपने सदस्यों तथा कुछ समर्पित दान-दाताओं द्वारा विभिन्न मदों, में दिए जा रहे दान के बल पर ही हम आगे बढते जा रहे हैं। अपने उद्देश्यों को सफलीभूत करने के लिए हमने निम्नलिखित प्रकोष्ठों का गठन किया हुआ है।

प्रथम उद्देश्य की पूर्ति हेतु – 1. कम्पैनियनशिप तथा हेल्प लाइन प्रकोष्ठ, 2. आर.टी.आई. प्रकोष्ठ, 3. सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ, 4. वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ, 5. सम्पादन प्रकोष्ठ, 6. संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ, 7. बहुउद्देशीय डे सेन्टर प्रबंधन प्रकोष्ठ तथा 8. विधि प्रकोष्ठ।

द्वितीय उद्देश्य की पूर्ति हेतु – 1. शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ, 2. ग्राम्यांचल तथा निर्धनजन सेवा प्रकोष्ठ, 3. महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ, 4. भावना रसोई प्रबंधन प्रकोष्ठ, 5. पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ तथा 6. वैकल्पिक चिकित्सा प्रकोष्ठ।

इन्हीं प्रकोष्ठों के माध्यम से हम अपने उद्देश्यों को पूरा करने का यथाशक्ति प्रयास कर रहे हैं। मैं यहां आपके समक्ष केवल पन्द्रहवें वार्षिक महाधिवेशन के बाद भावना द्वारा किए गए कुछ प्रमुख उल्लेखनीय कार्यों का अत्यंत संक्षिप्त विवरण तथा भविष्य के लिए प्रस्तावित योजनाओं का विवरण ही क्रमवार प्रस्तुत कर रहा हूँ –

1. भावना ने कक्षा 12 तथा नीचे की कक्षाओं में पढ रहे गरीब मेधावी छात्रों/छात्राओं के लिए शिक्षा सहायता योजना प्रारम्भ की

है। इस योजना के अंतर्गत समिति द्वारा चुने गए कक्षा 8 तक के प्रत्येक छात्र/छात्रा को एक शिक्षा सत्र में अधिकतम 1200 रुपये, कक्षा 9 एवं 10 के प्रत्येक छात्र/छात्रा को अधिकतम 1800 रूपये तथा कक्षा 12 एवं 12 के प्रत्येक छात्र/छात्रा को एक शिक्षा सत्र में अधिकतम 2000 रूपये की सहायता स्कूल की फीस तथा पुस्तकों आदि के रूप में प्रदान की जाती है। विशेष परिस्थितिजन्य अपवादों को छोड़कर सामान्यत: किसी भी छात्र/छात्रा को अथवा उसके माता-पिता/अभिभावक को सहायता राशि नगद नहीं दी जाती है ताकि उसका अपव्यय न होने पाए। इस योजना के अन्तर्गत भावना द्वारा शिक्षा सत्र 2007-08 में मात्र 25 छात्रों/छात्राओं को रु. 30000/- की सहायता से प्रारम्भ करके वर्तमान सत्र तक लखनऊ नगर नहीं दी जाती है ताकि उसका अपव्यय न होने पाए। इस योजना के अन्तर्गत भावना द्वारा शिक्षा सत्र 2007-08 में मात्र 25 छात्रों/छात्राआसें को रु. 30000/- की सहायता से प्रारम्भ करके वर्तमान सत्र तक लखनऊ नगर तथा आसपास विद्यमान 37 मान्यता प्राप्त विद्यालयों के 762 छात्र/छात्राओं को 10,01,000 रुपए का आर्थिक सहयोग प्रदान किया जा चुका है। गत् तीन वर्षों में हमने 31 दृष्टि-बाधित बच्चों को आर्थिक सहायता प्रदान की है। वर्तमान सत्र में कक्षा 8, 9, 10 एवं 11 में आर्थिक सहयोग प्राप्त कर रहे जो बच्चे कम से कम 60 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होकर अगली कक्षा में पहुंचेंगे उन्हें भी सत्र 2016-17 में अध्ययन हेतु उपरोक्तानुसार निधारित धनराशि का सहयोग प्रदान किया जाएगा। भावना से कक्षा 12 में सहयोग प्राप्त जो छात्र/छात्रायें बोर्ड परीक्षा 75 प्रतिशपत या अधिक अंकों के साथ उत्तीर्ण होंगे उनमें से अधिकतम अंक प्राप्त करने वाले दो छात्र/छात्राओं को उच्चतर पढाई के लिए भी फिलहाल एक वर्ष के लिए यथासम्भव आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाएगा।

भावना अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र – शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत ही इस वर्ष से हमने अत्यन्त गरीब, बेसहारा एवं लावारिस, झुग्गी झोपड़ी में निवास करने वाले बच्चों के लिए अनौपचारिक शिक्षण केन्द्रों का कार्यक्रम भी प्रारम्भ किया है। इस शृंखला में पहला केन्द्र लखनऊ-बिजनौर मार्ग पर बिजली पासी के किले से आगे औरंगाबाद रेलवे क्रासिंग के निकट झग्गी-झोपडी बस्ती में स्थापित किया गया है। इस केन्द्र में 50 बच्चों को साक्षर एवं संस्कारित किया जा रहा है।

2. भावना के निर्धन जन सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत हम गत् 11 वर्षों से प्रत्येक शीत ऋतु में पूर्व-चिन्हित निर्धन असहाय एवं वृद्ध लोगों में नए ऊनी कम्बल एवं पुराने लेकिन उपयोगी वस्त्र तथा अन्य सामग्री का वितरण करते आ रहे हैं। इस वर्ष भी 20.12.2015 को ग्राम भगवतीपुर, ब्लाक बीकेटी में 100 कम्बल, 27.12.2015 को ग्राम बहरौरा, ब्लाक माल में 94 कम्बल, 29.12.2015 को ग्राम निथारी, जिला नोएडा में 50 कम्बल, 05.01.2016 को ग्राम कनवारी, इन्दिरापुरम, जिला गाजियाबाद में 50 कम्बल 06.01.2016 को प्रियदर्शिनी कालोनी, लखनऊ में 50 कम्बल, 13.01.2016 को ग्राम भौली, ब्लाक बीकेटी में 92 कम्बल, 16.01.2016 को इटौंजा में 50 कम्बल, 23.01.2016 को ग्राम नबीपनाह, ब्लॉक मलिहाबाद में 72 कम्बल, 29.01.2016 को ग्राम अतरौली, ब्लाक भरावन, जिला हरदोई में 100 कम्बल तथा 03.02.2016 को ग्राम बगहा, ब्लाक बीकेटी में 100 कम्बल वितरित किए गए। सभी स्थानों पर पुराने उपयोगी वस्त्र भी उन लोगों को दिए गए जिन्हें कम्बल नहीं मिल सके थे। इस तरह इस वर्ष हमने लगभग 2500 पुराने वस्त्रों तथा 1,94,500 रुपए मूल्य के 758 कम्बलों का वितरण किया है। उक्त के अतिरिक्त गणतंत्र दिवस के अवसर पर भावना अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र में 8800 रुपए मल्य के 44 नए ऊनी स्वेटर भी बच्चों में वितरित किये गये।

3. भावना के विशेषज्ञ सदस्यों द्वारा निर्धन-जन सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत सभी कम्बल वितरण शिविरों में असंयम से बीमारियों व बचाव सूत्र पुस्तिकायें भी वितरित की गई। सभी शिविरों में उपस्थित हुए नागरिकों को स्वयं को स्वच्छ रखने, अपने घर को स्वच्छ रखने, आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने तथा बिना दवा के स्वयं को स्वस्थ के सरल किन्तु कारगर उपाय बताए गए। उन्हें उनके हित की तमाम सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई और उनसे लाभ लेने के उपाय भी सझाए गए। भारतीय संविधान में निहित उनसे संबंधित प्राविधानों के बारे में भी उन्हें जानकारी दी गई।

4. अपने सदस्यों तथा अन्य वरिष्ठ नागरिकों को आपातकालीन मदद पहुंचाने, उनसे समय-समय पर सम्पर्क स्थापित करने, उनकी जन्म व विवाह तिथि, उत्सवों, नववर्ष आदि पर शुभकामनायें व्यक्त करने तथा उनके अकेलेपन के साथी बनने एवं दिवंगत सदस्यों के परिवारों से सम्पर्क बनाये रखने हेत भावना ने कम्पैनियनशिप तथा हेल्पलाइन प्रकोष्ठ का गठन किया हआ

है। पूरे लखनऊ शहर को 10 क्षेत्रों में विभक्त करते हुए प्रत्येक क्षेत्र के लिए एक-एक प्रभारी नियुक्त किया हुआ है। सभी प्रभारियों ने अपने सम्पर्क फोन अपने क्षेत्रों में प्रसारित किए हुए हैं। यह प्रकोष्ठ जहां सदस्यों से जुड़कर उनकी समस्याओं के निराकरण में सहयोग करता है वहीं किसी असहाय वरिष्ठ नागरिक की तत्कालीन आवश्यकताओं की पर्ति में मदद भी करता है। आवश्यकता पडने पर हेल्पेज-इण्डिया एवं आस्था अस्पताल की भी मदद ली जाती है।

5. भावना का महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ महिलाओं में स्वावलम्बन एवं सहयोग की भावना जागृत कराने तथा निर्धन व अनपढ़ महिलाओं व बालिकाओं को स्वच्छता. स्वावलम्बन व आत्मसम्मान के प्रति जागरूक करने के लिए उत्प्रेरक का काम करता है।

6. भावना द्वारा एक चैरिटेबल फिजियोथेरेपी क्लीनिक तीरथ-लीला निवास, 109/76, मॉडल हाउस, लखनऊ में स्थापित किया गया है, जिसका संचालन 'नो प्रॉफिट नो लॉस' के आधार पर किया जा रहा है। इस क्लीनिक में सभी प्रकार के उपकरण स्थापित हैं. यथा Shortwave Diathermy, Interferencial Therapy, Ultrasound Therapy, Muscle Stimulator, Combo Therapy, Traction Unit, Wax Bath, Quadrieceps Chair & Shoulder Wheel. क्लिनिक में स्थापित सभी उपकरण भावना को हेल्पेज इन्डिया से नि:शुल्क प्राप्त हुए हैं तथा क्लीनिक का परिसर भावना के ही सम्मानित सदस्य, माननीय श्री सुमेर अग्रवाल जी के सौजन्य से उनके माता-पिता स्व. तीरथराम अग्रवाल तथा श्रीमती लीलावती अग्रवाल स्मारक के रूप में नि:शल्क प्राप्त हआ है।

7. भावना तथा वरिष्ठ नागरिकों का हित-चिंतन करने वाली अन्य संस्थाओं के सामहिक प्रयासों के फलस्वरूप उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लिये गये कछ महत्वपर्ण निर्णय निम्नवत हैं :-

1. जीवन्त प्रमाण पत्र एक वर्ष में कभी भी - स्थाई रूप से विकलांग व मानसिक रूप से विक्षिप्त जो पेंशनर्स कोषागार में उपस्थित होने में असमर्थ हैं, उनके घर जाकर प्रमाण पत्र प्राप्त करना कोषागार के अधिकारियों का दायित्व होगा। जो पेंशनर्स प्रदेश के बाहर निवास कर रहे हैं वह अपना जीवन्त प्रमाण पत्र अपने रहने के स्थान पर स्थित उस बैंक जिसमें पेंशन खाता खुला है, की किसी भी शाखा के प्रबन्धक से प्रमाणित कराकर मल बैंक जहां उनकी पेंशन आहरित होती है के माध्यम से कोषागार को उपलब्ध करा सकते हैं।

2. माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम/नियमावली के अंतर्गत प्रदेश के सभी जिलों में सुलह कमेटी गठित करने के निर्देश जारी हो चुके हैं। जिला स्तर पर जिलाधिकारी तथा तहसील स्तर पर उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में भरण-पोषण अधिकारी भी नामित किए जा चके हैं। अन्य व्यवस्थायें भी शनै: शनै: हो रही हैं।

3. 01 अप्रैल 2016 से वृद्धावस्था पेंशन रू. 300 प्रतिमाह से बढकर रु 400 प्रतिमाह कर दी गई है. जिससे लाखों वद्ध जो गरीबी रेखा से नीचे यापन करते हैं उनको लाभ होगा।

4. आवास विकास परिषद व विभिन्न शहरों के विकास प्राधिकरणों द्वारा निर्मित आवासों में वरिष्ठ नागरिकों को 5 प्रतिशत का आरक्षण दिया जायेगा।

5. स्वैच्छिक संस्थाओं को वृद्धाश्रम बनाने के लिए रियायती दर पर जमीन उपलब्ध कराई जाएगी। राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक जिले में जो भी वद्ध आश्रम बनाये जायेंगे. उनको परिचालन हेत स्वैच्छिक संस्थाओं को ही दिया जायेगा।

6. उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिक कल्याण कोष का गठन किया जाएगा जिसके लिए पांच करोड़ की धनराशि राज्य सरकार कॉरपस के रूप में जमा करेगी। इस कोष में निजी संस्थाओं. स्वैच्छिक संस्थाओं तथा चैरिटेबिल टस्टों द्वारा जो भी धनराशि दान के रूप में दी जायेगी वह आयकर से मक्त होगी।

7. महिला हेल्पलाइन 1090 की तरह ही वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा हेतु एक पृथक टेलीफोन हेल्पलाइन स्थापित की जायेगी। हर पलिस थाने को अपने-अपने क्षेत्र में रहने वाले वरिष्ठ. नागरिकों का विवरण रखना होगा।

8. प्रदेश में राज्य स्तरीय वरिष्ठ नागरिक सरक्षा परिष्द का गठन किया जायेगा जिसका संचालन मख्यमंत्री की देखरेख में

होगा। यह परिषद राज्य सरकार के विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रमों. नीतियों. सझावों का अनश्रवण करेंगी। इसकी बैठक वर्ष में कम से कम एक बार अवश्य होगी।

9. प्रदेश में राज्य वद्ध नीति बनाने की प्रक्रिया भी प्रारम्भ हो चकी है।

8. भावना का सोलहवां स्थापना दिवस समारोह 23 अगस्त 2015 को राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह, लखनऊ में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर समिति द्वारा प्रायोजित एवं वित्त पोषित शिक्षा सहायता योजना के अन्तर्गत 30 विद्यालयों के 120 गरीब एवं अति गरीब किन्तु मेधावी छात्रों/छात्राओं को सहयोग राशि की पहली किश्त वितरित की गई। पहली किश्त के चेक लाभार्थी छात्रों/छात्राओं की एवं उनके अभिभावकों की उपस्थिति में विद्यालयों के प्रधानाचार्यों अथवा उनके प्रतिनिधियों को प्रदान किए गए। दूसरी तथा अन्तिम किश्त जनवरी/फरवरी 2016 में बच्चों के छमाही परीक्षा के नतीजे उत्तम पाए जाने पर दी गई। समारोह में कई प्रतिष्ठित समाजसेवी संस्थाओं के प्रमुख विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में सहयोग राशि के अतिरिक्त कक्षा 11 एवं 12 के बच्चों को कुछ सदस्यों के सौजन्य से कलाई घडी. कक्षा-9 एवं 10 के बच्चों को पेनसेट तथा कक्षा-8 तक के बच्चों को स्टील के टिफिन बाक्स दिये गये।

9. भावना के पहले बहुउद्देश्यीय वरिष्ठ नागरिक दिवसीय क्लब (डे सेन्टर) की स्थापना तीरथ-लीला निवास, 109/76, मॉडल हाउस, लखनऊ में की गई है। अभी इस क्लब में मलभत व्यवस्थायें ही उपलब्ध हैं। संसाधनों की उपलब्धता के अनरूप इस क्लब को विचार दिया जाएगा।

10. भावना के तत्वावधान में 12 मार्च, 2015 को वरिष्ठ नागरिकों का सामूहिक होली-मिलन अत्यंत उल्लासपूर्वक मनाया गया। समिति के सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ द्वारा यह कार्यक्रम डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ भवन, महात्मा गांधी मार्ग, लखनऊ में आयोजित किया गया। खचाखच भरे सभागार में श्री देवकी नन्दन 'शांत' तथा श्री उदय भान पाण्डेय, श्री अशोक कुमार मेहरोत्रा, डॉ. वीरेन्द्र बहादुर सिंह, श्री विनोद कुमार शुक्ल, श्री अमरनाथ द्वारा स्वरचित गीत-संगीत एवं हास-परिहास के कार्यक्रमों ने सभी को बारम्बार वाह-वाह कहने को मजबूर कर दिया। इस कार्यक्रम में भावना की महिला सदस्यों द्वारा बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया गया। श्रीमती विजय लक्ष्मी माथुर द्वारा प्रस्तुत गीत जमुना तट श्याम खेलत होली सुनकर श्रोता मुग्ध हो गये। श्री अमरनाथ द्वारा सम्पादित हास्य-व्यंग्य से भरपूर आठ पृष्ठीय होली बुलेटिन **भावना संदेश टाइम्स** भी सदस्यों में वितरित किया गया। आयोजन की विशेषता यह थी कि सभी प्रस्तुतियों के कलाकार. भावना-सदस्य ही थे। होली-मिलन का यह रंगारंग आयोजन सामहिक रात्रि-भोज के साथ सम्पन्न हआ।

11. हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी लखनऊ नगर के सभी आयु के स्त्रियों, पुरुषों तथा बच्चों के लिए रविवार, 13 दिसम्बर, 2015 को बंधा रोड, त्रिवेणी नगर-3 में एक विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया जिसका शुभारम्भ उ.प्र. महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती जरीना उसमानी तथा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल के निदेशक, प्रो. संदीप कुमार द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। तमाम स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रमुख विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समारोह में 93 वर्षीय वयोवृद्ध राजनेत्री एवं पूर्व विधायक श्रीमती स्वरूप कुमारी बख्शी का अभिनन्दन किया जाना था, परन्तु अचानक अस्वस्थ हो जाने के कारण उनकी अनुपस्थिति में उनकी पुत्री डॉ. ऊषा मालवीय ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को पूर्णता प्रदान की। इस शिविर में आए बच्चों, स्त्रियों तथा बुजुर्गों के विशिष्ट रोगों एवं सामान्य लोगों को होने वाले अन्य रोगों का विभिन्न चिकित्सा के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा विधिवत परीक्षण किया गया तथा आवश्यकतानुसार उनकी तत्काल चिकित्सा की गयी अथवा परिस्थिति के अनुसार उन्हें चिकित्सा परामर्श दिया गया। शिविर में 1200 से अधिक रोगी उपस्थित हुए। इन रोगियों को लगभग 10 लाख रुपये मूल्य की सेवायें बिल्कुल नि:शुल्क उपलब्ध करायी गयी। शिविर में होम्योपैथी, नैचुरोपैथी योग, प्राणायाम, ध्यान, एक्यूप्रेशर, रेकी, फिजियोथेरैपी एवं डाइट काउन्सलिंग आदि वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों की व्यवस्था भी की गयी थी। शिविर में आने वाले हर बुजुर्ग के रक्त में हीमोग्लोबिन की जांच की गयी तथा ब्लड ग्रुप की भी जांच की गयी। हड्डियों के रोगों से पीड़ित लोगों का बी.एम.डी. टेस्ट भी किया गया। डायबेटिक फट. पी.एफ.टी.. ओबेसिटी. ई.सी.जी. आदि जांचें भी की गई। इस शिविर का आयोजन भावना

तथा आस्था वृद्धरोग चिकित्सालय एवं एस.सी. त्रिवेदी मेमोरियल बाल-महिला चिकित्सालय द्वारा संयक्त रूप से किया गया। (विस्तत रपट भावना संदेश जनवरी-2016 अंक में पढें-संपादक)

12. नववर्ष मिलन समारोह इस वर्ष 03 जनवरी 2016 को जनेश्वरमिश्र पार्क, गोमती नगर में आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में भावना के महिला एवं पुरूष सदस्यों ने दिल खोलकर आनन्द लिया। दोनों वर्गों के एक साथ मिलकर पार्टी-गेम्स हुए तथा संगीत के कार्यक्रम भी हए। कार्यक्रम दोपहर भोज के साथ समाप्त हआ। (विस्तत रपट इसी अंक के पष्ठ....10. पर पढ लें। - सम्पादक)

13. अपने सदस्यों तथा उनके परिजनों को विभिन्न प्रकार की व्यक्तिगत समस्याओं को सुलझाना भावना की पहली प्राथमिकता है। ऐसे प्रकरण अनेकों हैं जिनका त्वरित समाधान भावना के प्रभावी हस्तक्षेप के कारण ही सम्भव हो सका।

14. भावना ने लखनऊ में अपने सदस्यों को सभी प्रकार की चिकित्सा सुविधायें नगण्य दरों पर उपलब्ध कराने हेतु **आस्था वृद्ध रोग चिकित्सालय, अवध मल्टी-स्पेशियेलिटी हॉस्पिटल, सुधा डेन्टल क्लीनिक** तथा **स्वास्थ्य एवं जड़ी बूटी विकास संस्थान** के साथ दीर्घकालीन अनबंध किए हए हैं। भावना के लखनऊ निवासी अधिकतर सदस्य इन सविधाओं का लाभ उठा रहे हैं।

15. भावना अपने सदस्यों को एक सूत्र में पिरोये रखने के लिए एवं उनमें सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से **भावना संदेश** नामक त्रैमासिक पत्रिका का भी नियमित प्रकाशन पिछले पन्द्रह वर्षो से कर रही है।

16. भावना ने अपने संस्थागत सदस्य कॉमर्शियल टैक्स रिटायर्ड आफिसर्स एसोसिएशन, उ.प्र. के महासचिव डॉ. वीरेन्द्र बहादुर सिंह, एडवोकेट को विधि प्रकोष्ठ के संयोजक का दायित्व सौंपा हुआ है जिसका निर्वहन वे भली प्रकार कर रहे हैं। नवम्बर 2013 में भावना द्वारा आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन के सिलसिले में लखनऊ विकास प्राधिकरण ने जो अनैतिक वसूली हम से की थी तथा जिस प्रकार ऐन वक्त पर प्रेक्षागृह के आवंटन में फेरबदल की थी उस बारे में भावना ने डॉ. सिंह के माध्यम से ही जिला उपभोक्ता फोरम के वाद दायर किया था जिसका निर्णय माननीय फोरम में 12 जनवरी, 2016 को भावना के पक्ष में देते हुए लखनऊ विकास प्राधिकरण को निर्देशित किया है कि वह भावना को दो माह में 571232 रुपए का भुगतान करें। डॉ. सिंह के अकाटय तर्कों तथा अथक प्रयासों से ही यह सम्भव हो सका है। वे प्रशंसा एवं धन्यवाद के पात्र हैं।

17. लखनऊ स्थित लोहिया अस्पताल में उमड़ती भारी भीड़ और उसमें आए मरीजों के तीमारदारों के वहां रुकने पर भोजन हासिल करने में होने वाली परेशानियों को देखते हुए भावना का वहां एक सार्वजनिक रसोई-घर बनाने तथा संचालित करने का निर्णय काफी समय से लम्बित है। कारण अस्पताल प्रशासन से सैद्धान्तिक अनुमति तो मिल चुकी है लेकिन वे अभी तक रसोई घर के लिए चिन्हित भवन खाली कराकर हमें उपलब्ध नहीं करा पाये हैं। भवन उपलब्ध होते ही यह स्वप्न मर्तरूप ले लेगा।

18. भावना के हर महाधिवेशन में 80 वर्ष तथा अधिक आयु प्राप्त कर चुके सदस्यों को विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता है तथा उपस्थित सदस्यों का सार्वजनिक अभिनन्दन करते हुए उनके स्वस्थ एवं चैतन्य रहते हुए दीर्घ जीवन की कामना की जाती है। इस महाधिवेशन में भी ऐसे 24 सदस्यों को आमंत्रित किया गया है। आज उपस्थित हए अतिवरिष्ठ अतिसम्मानित सदस्यों का अभिनन्दन करते हए हमें अपार हर्ष एवं संतोष का अनभव हो रहा है।

विगत महाधिवेशन में लिए निर्णयों की कार्यान्वयन आख्या तथा आगामी वर्ष के लिए प्रस्तावित कार्य योजना

1. उत्तर प्रदेश में माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम 2007 तथा उत्तर प्रदेश माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण तथा कल्याण नियमावली 2014 के प्राविधानों को येन केन प्रकारेण यथाशीघ्र पर्णता में लाग कराना हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता का कार्य था और रहेगा।

2. उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों के हित के कुछ अन्य निर्णय भी हम प्रदेश सरकार तथा केन्द्र सरकार से कराना चाहते हैं। विगत महाधिवेशन में पारित तत्संबंधी प्रस्तावों के अनरूप हमने माननीय प्रधानमंत्री जी, माननीय मख्यमंत्री जी, केन्द्र तथा

राज्य सरकारों के सभी संबंधित माननीय मंत्रियों एवं विभागाध्यक्षों से पचाचार किए थे किन्त सभी पत्राचार निरूत्तर रहे। हम इस हेत पन: गम्भीरता से भरपर प्रयास करेंगे।

3. जाति, धर्म, वर्ण, लिंग अथवा आर्थिक स्थिति का भेद किये बिना हमने सभी शहरी तथा ग्रामीण बुजुर्गों को जागरूक एवं संगठित करने के प्रयास अपने निर्धन–जन सेवा शिविरों के माध्यम से किए हैं तथा आगे भी करेंगे ताकि वे उन सुविधाओं से वंचित न रहें जो शासन से उन्हें अनमन्य हैं तथा उन सविधाओं का साधिकार मांग कर सहें जो उन्हें मिलनी चाहिए।

4. भावना द्वारा कक्षा 12 तथा नीचे की कक्षाओं में पढ रहे गरीब मेधावी छात्रों/छात्राओं के लिए प्रारम्भ की गई शिक्षा सहायता योजना को जारी रखा जाएगा।

5. शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत अब हम अत्यंत गरीब लावारिस बच्चों को साक्षर बनाने एवं उन्हें संस्कारित करने की दिशा में अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों का उपलब्ध संसाधनों की सीमा तक और विस्तार करने का प्रयास करेंगे।

6. निर्धन–जन–सेवा शिविरों के आयोजन जारी रखे जायेंगे।

7. **भावना–संदेश** पत्रिका का प्रकाशन जारी रखा जायेगा।

8. भावना के तत्वावधान में हम यदा कदा समसामयिक विषयों पर सेमिनार आयोजित करने का सिलसिला जारी रखेंगे।

9. जिन वरिष्ठ नागरिकों के पुत्र/पुत्रियां उनसे दूर विदेश में या देश में ही अन्यत्र रह रहे हैं उनसे हम सम्पर्क करेंगे तथा आवश्यकतानसार उनकी देखभाल की व्यवस्था सनिश्चित करेंगे।

10. हम उत्तर प्रदेश शासन से पुन: अनुरोध करेंगे कि जब भी किसी नगर का मास्टर प्लान बनाया अथवा पुनरीक्षित किया जाए तो उसमें नगर के विस्तार के अनुरूप उचित संख्या में वरिष्ठ नागरिक आवासों तथा वरिष्ठ नागरिक दिवसीय मनोरंजन केन्द्रों का प्राविधान अवश्य रखा जाए।

11. मान्यवर, अपने लक्ष्य में कामयाब होने के लिए समिति के पास पर्याप्त जनशक्ति तथा पर्याप्त धनशक्ति होनी आवश्यक है। अत: भावना की आजीवन तथा विशिष्ट सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर विशेष बल दिया जायेगा। प्रत्येक वर्तमान सदस्य यदि अपने सौजन्य से परे वर्ष भर में दो मात्र दो आजीवन सदस्य भी बनवा दे तो भी पर्याप्त होगा।

12. अभी तक हम FCRA के अंतर्गत अपना पंजीकरण नहीं करा सके हैं। इस सत्र में हम अवश्य ही FCRA के अंतर्गत पंजीकरण कराकर अपनी जनहितकारी योजनाओं के कार्यान्वयन हेत विदेशों से विदेशी मद्रा में भी सहयोग प्राप्त करने का प्रयास करेंगे।

13. हम कुछ ऐसे कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाकर उन्हें कार्यान्वित करने पर भी विचार कर रहे हैं जिनसे जनकल्याण के साथ–साथ समिति की पंजी में भी बढोत्तरी हो सके।

14. हम सदस्यों तथा अन्य संवेदनशील नागरिकों को प्रेरित करने का प्रयास करेंगे कि वे अपने पूर्वजों की स्मृति एवं सम्मान में गरीब किन्त अत्यंत मेधावी छात्राओं तथा छात्रों के लिए विशेष वार्षिक छात्रवत्ति तथा मेडल भावना के तत्वावधान में देना प्रारम्भ करें।

15. सदस्यों को एक्यूप्रेशर चिकित्सा का व्यावहारिक ज्ञान अवश्य होना चाहिए। उन्हें यह ज्ञान अर्जित करने हेतु प्रेरित करने के प्रयास किए जायेंगे। इस विधा के विशेषज्ञ. डॉ. नरेन्द्र देव इच्छक सदस्यों को इसका प्रशिक्षण नि:शल्क देते आ रहे हैं और भविष्य में भी देते रहेंगे।

16. हम व्यक्तिगत सम्पर्क करके निष्क्रिय सदस्यों को समिति के कार्यक्रमों के प्रति सक्रिय बनाने का प्रयास करेंगे।

17. हम अपने सदस्यों के जन्मदिन, विवाह की वर्षगांठ आदि के विवरण भावना संदेश में नियमित रूप से प्रकाशित कर रहे हैं, और उन्हें शुभकामना संदेश भी भेजते हैं। वैवाहिक जीवन के 50 वर्ष सफलतापर्वक परे कर चके सदस्य–दम्पत्तियों का सार्वजनिक अभिनन्दन भी हम कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।

संवैधानिक दायित्व – भावना का अपना स्वीकृत संविधान है जिसका अनुपालन पूरे अनुशासन के साथ किया जाता है। संवैधानिक स्तर पर भावना की प्रबंधकारिणी की चार बैठकें प्रतिवर्ष होनी चाहिए। पिछले वार्षिक महाधिवेशन के पश्चात प्रबंधकारिणी की पांच बैठकें क्रमानुसार 16 मार्च 2015 15 मई 2015, 6 जुलाई 2015, 8 अक्टूबर 2015 तथा 10 जनवरी 2016 को आयोजित की गई। 23 अगस्त 2015 को भावना का **स्थापना दिवस** भी सोल्लास मनाया गया। भावना अपने संविधान में समय की मांग तथा परिस्थितियों के अनुरूप अपने वार्षिक महाधिवेशनों में सदन द्वारा अनुमोदित कराकर वांछित संशोधन भी करती आई है। आज भी कछ संशोधन प्रस्तावित हैं जिन्हें समिति के आंतरिक सत्र में आपके समक्ष विचारार्थ प्रस्तत किया जाएगा।

वित्त संबंधी आख्या – भावना की वित्तीय–आख्या आंतरिक सत्र में माननीय कोषाध्यक्ष जी विस्तार से आपके समक्ष विचारार्थ रखेंगे और वे ही आगामी वर्ष के लिए बजट भी आपके सम्मख प्रस्तत करेंगे।

मान्यवर, विगत दिनों भावना ने अपने सम्मानित सदस्य श्री नवीन चन्द मित्तल, श्री मूलचन्द्र सिंह (ओबरा), श्री सुरेश चन्द्र सक्सेना, श्री राजनारायण अवस्थी तथा संस्थापक सदस्य श्री आनन्द अग्रवाल जी को खो दिया। भावना के लिए यह अपरणीय क्षति है। फिर भी इसे नियति का चक्र मानकर तसल्ली करने के अलावा हमारे पास कोई अन्य विकल्प नहीं है।

भावना के सदस्यों द्वारा अर्जित विशिष्ट उपलब्धियां व अनकरणीय कार्य :–

अपने प्रतिवेदन को समाप्त करने से पूर्व यदि मैं संक्षिप्त में इन उपलब्धियों के बारे में चर्चा नहीं करता हूं तो मेरा प्रतिवेदन अधूरा रह जायेगा। भावना–सदस्यों की निम्नलिखित उपलब्धियां न केवल अनकरणीय व प्रेरणादायक हैं अपित भावना के संकल्प गीत को पर्णत: चरितार्थ भी करती है :

1. भावना के आजीवन सदस्य श्री पाल प्रवीण को सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय विकलांग जन संस्थान नई दिल्ली, भारत विकास परिषद, मेरठ, कल्याणं करोति तथा अमर उजाला के संयुक्त तत्वावधान में 17 मार्च, 2015 को मवाना में विकलांगों की विशिष्ट सेवा में योगदान हेतु सम्मानित किया गया। श्री पाल प्रवीण यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया के अधिकारी पद से मई, 1995 में सेवानिवृत्त होने के पश्चात् ही समाजसेवा में जुट गये जिसमें उन्हें विकलांग सेवा यज्ञ की तरह करना अधिक श्रेयस्कर लगा। वैसे वह पर्यावरण संरक्षण, वक्षारोपण में भी विशेष रुचि रखते हैं। श्री पाल प्रवीण भावना के पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ के सचिव भी हैं।

2. भावना की एन.सी.आर. शाखा के आजीवन सदस्य श्री कृष्ण कुमार दीक्षित को न्यू जर्सी अमेरिका में हिन्दू छात्र परिषद द्वारा आयोजित ग्लोबल धर्म कान्फ्रेन्स में विशिष्ट अतिथि के रूप में व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया। श्री दीक्षित को शिकागो में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस में स्वामी विवेकानन्द संस्थान के जिस प्रेक्षागह में स्वामी विवेकानन्द ने सितम्बर 1883 में ऐतिहासिक व्याख्यान दिया था. उसी प्रेक्षागह में Teachings of Swami Ram Krishna Paramhans and Swami Vivekanand to solve First & Third World Countries problems विषय पर व्याख्यान देने एवं पत्रकार वार्ता में भाग लेने का सम्मान भी मिला। श्री दीक्षित को 19 सितम्बर, 2015 को भावना की एन. सी.आर. शाखा की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विनोद कुमार शुक्ल ने पुष्पगुच्छ देकर व सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि से श्री दीक्षित को बधाई दी व सम्मानित किया। श्री दीक्षित पुन: 23 सितम्बर 2015 को गोवा सरकार के कला एवं संस्कृति विभाग के तत्वावधान में आयोजित सर्वभाषा सम्मेलन में प्रतिनिधि के रूप में भाग लेने गये, जिसमें उन्हें देश भर से आये देश की लगभग सभी विभिन्न भाषाओं के वरिष्ठतम साहित्यकारों का मंच से परिचय देने, सम्मान करने तथा समालोचना करने का गुरुतर दायित्व सौंपा गया था। श्री दीक्षित को गोवा की राज्यपाल डॉ. मृदुला सिन्हा, जो एक प्रसिद्ध हिन्दी साहित्यकार भी हैं, ने दो बार राजभवन में भोज हेत आमंत्रित किया। अधिवेशन के समापन पर गोवा के मख्यमंत्री ने भी उन्हें भोज पर आमंत्रित किया।

3. भावना के आजीवन सदस्य डॉ. सुशील कुमार मित्तल को भारत सरकार द्वारा दिसम्बर 2015 में भारत विभूति सम्मान से विभूषित किया गया। डॉ. मित्तल जाने माने आध्यात्मिक चिकित्सक-रेकी ग्रेण्ड मास्टर हैं। इसी रूप में उनके द्वारा समाज को दी गई सेवाओं के लिए उन्हें अलंकरण से सम्मानित किया गया है।

4. जी.बी. पंत विश्वविद्यालय, पंतनगर ने डॉ. शिव सागर सिंह के कृषि-प्रसार में किए गए उल्लेखनीय कार्यों को महत्व देते हुए उनके सम्मान में डॉ. शिव सागर सिंह उत्कृष्ठ प्रसार वैज्ञानिक पुरस्कार स्थापित किया है। इसके अंतर्गत प्रति वर्ष कृषि-प्रसार में उत्कृष्ठ कार्य करने वाले किसी एक वैज्ञानिक को 25000 नगद, स्मृति-चिन्ह तथा प्रमाण पत्र नवम्बर में आयोजित होने वाले स्थापना समारोह में दिया जाने लगा है। डॉ. सिंह ने अमेरिका के नेब्रास्का विश्वविद्यालय से Agriculture Agronomy में पी.एचडी. की थी। उन्होंने जी.बी. पंत विश्वविद्यालय में वर्ष 1962 से 1990 तक सेवारत रहते हुए कृषि प्रसार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए। **बिहार के दरभंगा विश्वविद्यालय द्वारा भी डॉ. शिव सागर सिंह को Honoris Causa नामक सम्मान से अलंकृत किया जा चका है।** डॉ. शिव शिव सागर सिंह भावना के अतिसम्मानित अतिविशिष्ट आजीवन सदस्य हैं।

अंत में सभी माननीय सदस्यों, शुभचिन्तकों, अतिथियों से मेरा विनम्र निवेदन है कि वे भावना को और अधिक गतिशील बनाने हेतु अपने निजी स्तर से जितना और जिस प्रकार का भी सहयोग दे सकते हैं उसे पूरे मन से भावना को अर्पित करने में संकोच न करें। 16 फरवरी 2015 से 25 फरवरी, 2016 तक हमें सहयोग राशि के रूप में लगभग रु. 545000 ही प्राप्त हुए हैं। यह **आप की ही संस्था है, आप के लिए आप के द्वारा ही संचालित हैं।** इसके उत्थान और गतिशीलता से जहां आपका ही कुछ न कुछ भला होने वाला है वहीं पर आने वाली नई बुजुर्ग पीढ़ी भी लाभान्वित होगी। मैं भावना की ओर से तथा अपनी ओर से भी उन सभी दानदाताओं का हृदय से आभारी हूं जिनके आर्थिक सम्बल के कारण ही हम अपने लक्ष्यों को किसी सीमा तक पूरा करने में समर्थ हो सके। मैं अपने पूर्ण संरक्षक मण्डल का भी पूरे सम्मान के साथ आभार व्यक्त करता हूं जिनके मार्गदर्शन से ही भावना की प्रगति सम्भव हो सकी है। भावना के माननीय अध्यक्ष श्री विनोद कुमार शुक्ल जी, आज के मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति श्री विष्णु सहाय जी, सदन में उपस्थित अन्य अतिथिगण. भावना के सभी माननीय सदस्यगण एवं पदाधिकारीगण और भावना परिवार की देवियों के प्रति भी मैं आभारी हं।

जय भावना ! जय भारत !

जितेन्द्र नाथ सरीन
प्रमख महासचिव।

होली में

रीता रंग गलाल कहीं पिचकारी झोरी में,
चितवन का रस भरा रह गया आंख कटोरी में।
या चितचोरी की हरकत बदली मुंहचोरी में,
अंगड़ाई रह गयी बंधी अंगिया की डोरी में।
हार गये खद कान्ह सींकिया या बरजोरी में,
उड़े उमड़ते भाव उसांसों की झकझोरी में।
कैसे कोरी-कोरी रह गयी गोरी होरी में,
कैसे कोरी-कोरी रह गयी गोरी होरी में।

रामावतार 'चेतन'

भावना द्वारा प्रायोजित एवं वित्तपोषित जन–हित के विभिन्न कार्यक्रमों हेत आर्थिक सहयोग

दाताओं की सची (3 दिसम्बर. 2015 से 20 फरवरी. 2016 तक)

क्र0 सं0	दाता का नाम	सदस्यता संख्या	प्राप्त सहयोग रुपयों में					
			शिक्षा सहायता	निर्धन जन सेवा	भावना रसोई हेतु	साक्षरता अभियान सहायता	अन्य कार्यक्रम	योग
1	Jh dynhi dekj JhokLro	xj InL;	1500.00					1500.00
2	Jh ejkjh yky vxoky	M-34/643		1500.00				1500.00
3	Jh ,u- Ih-ik.M;	xj InL;		250.00				250.00
4	Jh i:"kkRre d'kokuh	P-26/422	1200.00					1200.00
5	Jherh Lugyrk	S-55/276		1000.00				1000.00
6	Jherh I"kek yFkjk	S-131/594		1000.00				1000.00
7	Jh rxi ukFk dukft;k	T-3/106		1500.00				1500.00
8	Jh vkfnR; idk'k fIg	A-40/444		2500.00				2500.00
9	Jh je'k iIkn tk;loky	R-79/633		2500.00				2500.00
10	Jh ;xy fd'kkj xIrk	Y-7/603		2500.00				2500.00
11	Jh gjh'k pUn 'kDyk	H-13/629		2500.00				2500.00
12	Jh ân;'k pUn 'kek	xj InL;		2500.00				2500.00
13	Jh tx ekgu yky o';	J-16/448		5000.00				5000.00
14	Jh jktUn iIkn ddDM	R-76/595		500.00				500.00
15	Jh c'tUn ukFk	xj InL;		500.00				500.00
16	Jh vk- ih- JhokLro	xj InL;		500.00				500.00
17	Jh vkj-ih-xIrk	xj InL;		500.00				500.00
18	Jh ekgu yky	xj InL;		500.00				500.00
19	Jh ih-d- feRry	xj InL;		1000.00				1000.00
20	Jh Jh 'kj.k feJk	S-98/474		2500.00				2500.00
21	Jh fo'o ukFk fIg	V-28/362		1250.00				1250.00
22	Jh foukn dekj feJk	V-3/17		1250.00				1250.00
23	Jh I'khy 'kdj IDIuk	S-1/2		2500.00				2500.00
24	fo|r i'kujI ifj"kn	V-37/472		5000.00				5000.00
25	Jh Ij'k pUn jLrkxh	xj InL;		2500.00				2500.00
26	Jh d".k no dkfy;k	K-2/11		2500.00				2500.00
27	Jh gjh'k pUnk	H-11/493		2500.00				2500.00
28	Jherh ujUn xjk	N-16/212	1200.00	500.00				1700.00
29	Jh IHkk"k pUn fo|kFkh	S-80/412		2500.00				2500.00
30	Jherh uhye p?k	N-26/429		1100.00				1100.00

31	Jh txr fcgkjh vxzoky	**J-10/204**		2500.00				2500.00
32	Jh vkj-d-vxzoky	xj InL;		2500.00				2500.00
33	Jh vrqy d".kk	xj InL;		500.00				500.00
34	Jh ,e- d- xqIrk	xj InL;		1000.00				1000.00
35	Jh ize 'kdj xkSre			2500.00				2500.00
36	Jh ekgu yky	xj InL;		500.00				500.00
37	Jh c`tUnz ukFk	xj InL;		500.00				500.00
38	Jh vk- ih- JhokLro	xj InL;		500.00				500.00
39	Jh vkj-ih-xqIrk	xj InL;		500.00				500.00
40	Jh ih-d- feRry	xj InL;		1000.00				1000.00
41	Jh ch-d-[kjs	xj InL;		2500.00				2500.00
42	Jh dkyh pj.k oekZ	xj InL;		1000.00				1000.00
43	Jh f'ko ukFk flag	xj InL;		250.00				250.00
44	Jh vkj-ch-okf"kZu;	**R-68/542**		2500.00				2500.00
45	Mk- lrhi dqekj						11000.00	11000.00
46	ljLorh f'k'kq efUnj bUVj dkyst	xj InL;				1577.00		1577.00
योग			**3900.00**	**68600.00**	**0.00**	**1577.00**	**11000.00**	**85077.00**

Resolutions from Page 55

12. Observing that there are large sums of money lying idle as Unitilized Funds/Unclaimed amounts with Institutions like Nationalized Banks, dividends on Stocks, Income Tax refunds, EPF, LIC, PPF, Post Office Savings Accounts, etc, which are mostly out of investments belonging to senior citizens, and the total amount of this accumulation is estimated to be over Rs. 20000 crores, this Convention resolves to urge the **Ministry of Finance** to utilize this amount as corpus for setting up a **Senior Citizens Welfare Fund** and that this Fund augmented periodically by levying a surcharge welfare ta on the creamier layers of the society.

13. Considering that majority of senior citizens suffer progressively on account of inflation, this convention resolves to request Reserves to request Reserve Bank of India to introduce "Inflation Indexed Bonds" @ 12% to mitigate the suffering of elderly community against inflationary pressures.

14. This convention also resolves to urge Ministry of Finance and Ministry of Social Justice & Empoerment to cover all projects related to welfare of senior citizens for funding by big corporate houses under the head "Corporate houses under the head "Corporate Social Responsibility".

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति

वर्ष 2014–15 का प्रस्तावित/वास्तविक आय–व्यय का तलनात्मक विवरण

आय (रुपये में) — व्यय (रुपये में)

क्र.	विवरण	बजट प्राविधान	वास्तविक व्यय	क्र.	विवरण	बजट प्राविधान	वास्तविक व्यय
1	100 नये आजीवन सदस्य	150000.00	37000.00	1.	कार्यालय स्टेशनरी	80000.00	27392.00
2	50 नये आजीवन स्पाउस सदस्य	25000.00		2.	टाईप/फोटोकापी	70000.00	19396.00
3	25 नये आजीवन विशिष्ट सदस्य	125000.00	140000.00	3.	डाक टिकट/कोरियर/फैक्स	70000.00	14563.00
4	10 नये आजीवन विशिष्ट स्पाउस सदस्य	10000.00		4.	प्रचार–प्रसार सामग्री	70000.00	
5.	10 नये वॉलन्टियर सदस्य	5000.00		5.	टेलीफोन किराया	9000.00	
6	भावना संदेश शुल्क एवं विज्ञापन	200000.00	40150.00	6.	डाक रनर/चपरासी (पर्णकालिक)	60000.00	67600.00
7	समिति के विभिन्न कार्यक्रमों के लिए सम्भावित दान	500000.00	559304.00	7.	कार्यालय सहायक (पर्णकालिक)	60000.00	
8.	शिक्षा सहायता योजना के लिए सम्भावित दान	200000.00		8.	वार्षिक अधिवेशन पर व्यय	80000.00	12133.00
9.	आस्था एवं अवध अस्पताल हेत फीस		10900.00	9.	भावना–संदेश का प्रकाशन	75000.00	95180.00
10.	पंजीकरण शल्क		11200.00	10.	मासिक विचार गोष्ठियों पर व्यय	20000.00	
11.	AISCCON Conference		29125.00	11.	चार्टर्ड अकाउण्टेट की फीस	20000.00	14045.00
12.	ब्याज से आय		41781.48	12	वेबसाइट का रख–रखाव	20000.00	
13.	TDS की कटौती		8573.00	13	स्थापना दिवस समारोह पर व्यय	40000.00	60640.00
14.	डे–केयर सेन्टर से आय	120000.00		14	शिक्षा सहायता राशि वितरण पर व्यय	40000.00	
15.	अधिवेशन में आये सदस्यों का पंजीकरण शल्क	25000.00		15.	अन्य प्रकीर्ण व्यय	40000.00	1000.00
				17.	भावना हेल्पलाइन	5000.00	
				18.	भावना सेकेण्ड कैरियर	2000.00	
				19.	भावना सोशल सर्विस	200000.00	131460.00

				20.	भावना आध्यात्मिक सेवायें	15000.00	
				21.	भावना स्वास्थ्य सेवायें	100000.00	86460.00
				22.	भावना एजूकेशन एण्ड लिटरेसी सेवायें	160000.00	143000.00
				23.	डे-केयर सेन्टर से व्यय	240000.00	
				24.	भावना कम्पैनियनशिप	5000.00	
				25.	भावना सांस्कृतिक प्रकोष्ट	10000.00	
				26.	भावना महिला प्रकोष्ट	10000.00	
				27.	AISCCON Conference Exp.		64770.00
	योग	**1360000.00**	**878033.48**		**योग**	**1501000.00**	**737639.00**
	Opening Balances :				Closing Balances :		
1.	Cash in Hand at Lko.	60000.00	11801.35	1.	Cash in hand at Lko.		10604.35
2.	Cash in Hand at Obra		7295.00	2.	Cash inhand at Obra		7295.00
3.	Balance in Asis Bank, Lko		19657.35	3.	Balance in Axix Bank, Lko.		40463.83
5.	Balance in HDFC, Lko		68173.90	4.	Balance in HDFC, Lko		3380.90
6.	Balance in B.O.B., Obra		27059.00	5.	Balance in B.O.B., Obra		28152.00
7.	Fixed Deposit at Obra	77322.00	84312.00	6.	Fixed Deposit at Lko		328492.00
8.	Fixed Deposit at Lko.	171418.00	160235.00	7.	Fixed Deposit at Obra		100540.00
	Total	**308440.00**	**378533.60**		**Total**		**518928.08**
	Grand Total	**1668740.00**	**1256567.08**		**Grand Total**	**1501000.00**	**1256567.08**

मूँगफली-अल्जाइमर से बचाने में मददगार

गरीबों का काजू कही जाने वाली मूंगफली स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद है। कई शोधों के मुताबिक, मूंगफली याददाश्त को दुरुस्त रखती है। इसके सेवन से अल्जाइमर जैसे रोगों से बचा जा सकता है। जर्नल ऑफ न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी एंड साइकिएट्री में प्रकाशित शोध के मुताबिक मूंगफली विटामिन, खनिज तत्व पोषक तत्व और इंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है। 22 मिलीग्राम मूंगफली रोज खाने से 70 फीसदी अल्जाइमर का खतरा कम होता है। 16 मिलीग्राम मूंगफली पुरुषों और 14 ग्राम महिलाओं को रोज खाना चाहिए अच्छी सेहत के लिए। 13 मिलीग्राम मूंगफली रोज खाना वृद्धावस्था में याददाश्त के लिए लाभदायक है। इसमें मौजूद इंटीऑक्सीडेंट और कॉमरिक एसिड पेट के कैंसर के खतरे को कम करते हैं। इसमें पोटेशियम, मैगनीज, कॉपर, कैल्शियम, ऑयरन जिंक जैसे पोषक तत्व भी पाये जाते हैं जो बेहद लाभदायक हैं। हफ्ते में कम से कम दो बार मूंगफली खाने से वजन बढ़ने की संभावना काफी कम हो जाती है। हृदय रोग में लाभदायक :शरीर में बुरे कोलेस्ट्राल को कम करती है और अच्छे कोलेस्ट्राल को बढ़ाती है। इसमें मौजूद मोनोअनसैचुरेटेड फैटी एसिड दिल संबंधी बीमारियों में है लाभदायक। हफ्ते में एक बार मूंगफली का सेवन करने से हृदय रोगों में 11 प्रतिशत की कमी। विटामिन से भरपर : इसमें मौजद प्रोटीन बच्चों के लिए बहत लाभकारी हैं। इसमें मौजद ए. बी1. ई भरपर पाए जाते हैं। इसमें अमीनों एसिड शारीरिक बढत में सहायता होता है।

BHAVANA NEWS UPDATE

A.K. Malhotra

1. STATE POLICY OF SENIOR CITIZENS U.P. APPROVED BY CABINET.

Lucknow : Among key proposals, the cabinet gave a thumbs up to the government's Senior Citizen Policy, as a part of which the government has planned initiatives to safeguard the interests of the elderly in the state. Key measures include setting up a fund corpus by the name of the Senior Citizen Welfare Fund to which the state government has contributed Rs 5 crore as intitial contribution. The government said the corpus will also seek donations from private companies, trusts, religious bodies and private individuals, and all contributions will be tax-free.

Government measures to help UP's elderly will also include setting up a dedicated senior citizens' helpline, an increase in state's contribution to elderly pension from Rs 100 per month to Rs 400 per month, creating infrastructure to secure the lives and properties of the senior citizens, running adult literacy classes, free legal assistance for elders, especially the women among them, at their doorsteps, and ensuring the celebration of 'Grand Parents Day' in schools. As part of the elderly initiatives, the government will also set up elderly homes in which at least 25% seats are reserved for BPL families, entertainment centres, multi-purpose centres, day-care centres, and short-stay centres in local bodies. The government will also give grants to NGOs working in the area of elderly welfare and help set up old age homes across the state as a part of the state's Parents and Senior Citizens Maintenance Guidelines, 2014. [Source Report of" The Times of India" Mar 15, 2016].

2- Indian Society of U3As- Central Zone, Uttar Pradesh State conference.

ISU3A Central Zone held Uttar Pradesh State Conference on 11th and 12th March'2016 at Allahabad. Conference was jointly organized by Lucknow and Allahabad centers under the auspices of U P State Coordinator Dr P K Sinha and ISU3A Organising Secretary Sh G K Khare by Allahabad U3A center. This was hosted jointly by Sangam U3A and Prayag U3A & Dr P K Sinha's Old age home "VIKALP". Program was spread over 2 days.

A) 11th March'2016- VISIT TO ALLAHABAD BY DELEGATES;

Lucknow Delegation on arrival at Allahabad in A/N was accorded grand reception and were treated to welcome drinks and Lunch. It was followed up by Site seeing trip to important places- CS Azad Park, Anand Bhavan, Sangam and Bade hanuman Ji temple .Delegation arrived in evening at venue- Dr P K Sinha' Old age home 'Vikalp' to a musical welcome, followed by an Entertaining musical Evening and Sumptuous Dinner. Personal touch by Dr Sinha made all the difference ..

B) 12th march'2016; CONFERENCE:-

Large number of delegates (Over 60, both Ladies and Gents) from Lucknow, Ghaziabad, Sultanpur and above all from Sangam City of Allahabad Participated. Shri S.K.Sinha, President, Sangam U3A welcomed the guests and delegates. Conference was chaired by A K Malhotra Vice Chairperson Central Zone and graced by dignitaries among them prominent were Sh V K Shukla President Bhavana Lucknow, Sh G K Khare organizing Secretary ISU3A, Dr P K

Sinha U P Coordinator , Sh A P Singh, Sh S K Sinha, Sh H C Singh & Sh S B Bhargava .

C) Seminar on "BUILDING A BETTER SOCIETY" - was jointly organised by Allahabad and Lucknow units of U3A.

i) "Social harmony and caste factor"

Sri G K Khare spoke about the ill effects of Caste System on social harmony, and how these got accentuated after adopting the "Caste Based Reservation System", and specially after a new category of OBC got created, with separate quota for them. This led to not only increased inter-caste acrimony and conflicts, but also a series of violent and destructive agitations. Sri Khare emphasised the urgent need to delink quotas from caste, and base it on economic condition, specially as caste has no religious sanctity nor rational basis in the present context. And, in any case, real empowerment of any group will come only through education and not quotas. As politicians will avoid touching this issue for fear of losing vote banks, it is the civil society which has to take the lead in this case.

ii) " Corporate Social Responsibility"

Sri A K Malhotra in his presentation on "CORPORATE SOCIAL RESPONSIBILITY" gave details of extant laws in this regard, and pointed out that most of the companies spent much less on social welfare works than the mandatory 2% of their average profits. And even out of this reduced amount, an extremely tiny fraction was used for elders' issues. He added that even if just 1% of CSR funds are used for elders' welfare, it would be a sizable sum, and can support many projects for Senior Citizens like Old Age Homes, Day Care Centres and geriatric wards in hospitals, etc.

iii) " Needs of Elders v/s Deeds of Care givers"

Dr. P K Sinha in his presentation emphasised the useful role of "Care Givers" in providing basic nursing services to the elderly in their homes, and that a positive attitude can greatly help in countering the older age problems. He also spoke about his scheme of training of care givers under Govt.'s Skill India Programme.

iv) Institutes and Organisations for Building a Better society"

Prof. Sunit Singh(GB Pant Institute of Social Sciences) explained the role of "Institutions and Organisations" in addressing the problems of the underprivileged. He gave an account of the path breaking work, he and his team have been doing to transform the lives of "Stone Crushers" in Allahabad district, who had been earlier living almost like bonded labour.

v) " Role of U3A in dealing with Problems of Elders".

Sri D P Pant (Prayag U3A)spoke about the rapid growth in elderly population, specially of the "super olds" of 80+ age. He said that such people who do not have the privilege of Govt. pension, have to depend on their life time's savings as FD's in banks. They are having a raw deal , because on one hand their money is losing value due to inflation, and on the other the return on their deposits is falling due to falling interest rates.

vi) "How to Remain Healthy and Happy with Advancing Age"

Smt Preeti Kapoor spoke on How elders can Remain Healthy and Happy with Advanc-

ing Age by making simple changes in their food habits and life styles.

Seminar was followed up by an interactive session. All the talks & presentations were very educational &informative and were applauded by audience.

D) OPEN SESSION;

i)Representation of Women in E C;

There was a general consensus that Central Zone EC should have women members too.

Following three distinguished women were nominated to E C of ISU3A Central Zone;

1. Dr. Meena Darbari (Retd Prof Allahabad University-Allahabad).
2. Smt Anu Bhargawa (Social Activist - Allahabad.).
3. Prof .Ms. Dr Avneesh Agarwal (Rashtriya Sanskrit Sansthan-Lucknow).

ii) Volunteer Members;

It was felt that some young members too need to be inducted in U3A organisation to make it more active. In order to get around the rule of 50 years as minimum age limit, such members can be admitted as "Volunteer Members" at a concessional rate of Rs.550. They can be grated full member status after attaining the age of 50 years and paying the difference of membership fee.

iii) Spouse Members; In order to enhance representation of women in ISU3A programs, a similar concessional rate of Rs550/ was mooted for Members' spouses in central zone

iv) Provisional Clearance to POINT iii) & iv);-Since there is no provision in ISU3A bye laws for Volunteer and Spouse members, Central Zone can provisionally start enrolling such members and meanwhile refer this proposal to HQ for approval by EC/ General Body and make suitable amendments in Bye laws, if needed.

v) U3A Chapters;

Allahabad Chapter;Delegates from Allahabad (Sangam & Paryag U3As) were keen for opening U3A Allahabad Chapter. However as per Bye laws a center having minimum 50 members can start a Chapter. In order to Motivate members it was decided to grant provisional clearance for U3A Allahabad Chapter, with a proviso that Chapter will meet the requirement of min 50 members (including Volunteer and Spouse members by March2017.

Lucknow Chapter; Since Lucknow has over 100 members it can start U3A Chapter, if members so desire.

vi) GROWTH OF U3A;

An open session was conducted to discuss various measures, including those suggested by Chief Patron Sh R N Mital.

a) Enrolling New Members; Members felt that poor strength of ISU3A is mainly due to lack of Activities and non identification with its objectives. In past strength swelled at the time U3A conferences only.While all members should make efforts to enroll new members, two more categories of members for Central zone were proposed i.e Volunter members and Spouse members at Fee of Rs550/ only for larger participation. It was also decided that besides "life long learning" U3A in India should enter into other welfare measures , social and service activities to

garner interest.

b) IMAGE;- It was decided to widely publicise U3A events in house journals and Media also. A Report on U P Conference prominently appeared in Time sof India, Allahabad edition with a photograph of meeting. Two U3A banners were put up at venue. It was recommended that all programs should display a U3A banner also in future.

c) PERIODICAL MEETINGS; There should be a Monthly Meeting at each Center/ Chapter with a pre decided date and time to avoid communication difficulties. Allahabad and Lucknow centers agreed to make a beginning with at least quarterly meetings.

E) ISU3A -CZ E C MEETING; As part of Conference an Executive Committee Meeting of ISU3A central zone was also conducted , whose Minutes are being circulated separately.

F) VALEDICTORY SESSION ; Due to large scale persuasion by members an instant entertainment singing and dancing program of one hour was organized by Dr P K Sinha. It concluded with a devotional Bhajan and vote of Thanks by Shri H.C.Singh,Secy .Prayag U3A . EVENT was conducted by Sh S.B.Bhargava and concluded with sumptuous Community lunch and Group photogarphs of Delegates, Hosts & staff members for preserving rare memories of Allahabad.

3. U3A JAPAN INTERNATIONAL CONFERENCE:

Combined U3A Asia Pacific Alliance and AIUTA International Conference is scheduled to be held in the Asia Pacific Trade Center, Osaka, on **11th and 12th October 2016**.

Conference Theme: "U3As Linking the World"

Sub-themes: "Active & Healthy Ageing" and "Intergenerational Cooperation"

For further details and Regn form etc Pl log on to; http://u3a-osakainternationalconference2016.org, or visit www.bhavanaindia.org Bhavana news section.There will be a special tour to Kyoto after the two days' conference. It will be accompanied by Mrs. Akiko Tsukatani and Age Concern Japan staff members.

National Executive Committee of ISU3A

(After filling up the vacant post as of 27th February 2016)

CHIEF PATRON
Sh. R N Mital
Former President, AISSCON
Mob: 09052004913
Email: rnmital@gmail.com

CHAIRPERSON
Dr. Sajjan Singh
Mob: 09425185661
Email: drsajjansingh@gmail.com

EXECUTIVE CHAIRPERSON
Shri. J.R. Gupta
Mob: 09810488059
Email: guptajr2005@gmail.com

SECRETARY GENERAL
Dr P Vyasamoorthy
LL: 040-27846631 Mob: 09420804278
Email: vyasamoorthy@gmail.com

NATIONAL COORDINATOR
Shri Anil Kaskhedikar
LL: 0220-25634715 Mob: 09969128678
Email: anil.kaskhedikar@rediffmail.com

VICE CHAIRPERSON - West
CA DC Babel,

LL: 022-27883222 Mob: 09820818812
Email: cadb2307@gmail.com

VICE CHAIRPERSON-CENTRAL
Shri A.K. Malhotra
LL: 0522-2357738 Mob: 09451133617
Email: akmalhotra123@rediffmail.com

VICE CHAIRPERSON - North
Sh LR Garg
LL: 011-26164609 Mob: 09313203760
Email: garglr@yahoo.com

VICE CHAIRPERSON - South
Dr Capt Singaraja
LL: 044-28231388 Mob: 09444127704
Email: singaraja@gmail.com

VICE CHAIRPERSON - East
Dr Indrani Chakravarty
LL: 033-23701437 Mob: 09830398184
Email: cmig@rediffmail.com
Email: chakraindrani@gmail.com

DEPUTY SECRETARY GENERAL
Dr RK Garg
Ph: 0294-245095009414164950
Email: rk_garg10@yahoo.com

ORGANISING SECRETARY
Shri. G. K. Khare
Mob: 09335157680
Email: kharegk.ald@gmail.com

SECRETARY FINANCE
Shri. S L Bhandari
LL: 0294-2413684 Mob: 09352526094
Email: sarjuindian@hotmail.com

SECRETARY, ADVOCACY
Sh Suryanarayana, Ambadipudi
Mob: 09502327634
Email: sn.ambadipudi@gmail.com

CONVENER(EDUCATION & LIFELONG LEARNING)
Sh. M K Raina
Mob: 09760002072
Email: mkrainas@gmail.com

CONVENER (HEALTH & NUTRITION)
Dr. P K Sinha
LL: 0532-2400328 Mob: 09415214503
Email: sinhadeep2002@yahoo.co.in

CONVENER (SOCIAL & ECONOMIC SECURITY)
Sh. A P Singh
Mob: 09870115334 Mob: 09515289454
Email: apsingh13@gmail.com

CONVENER (Resource Mobilization)
Sh Avinash Mahadeo Lakare
Mob: 09860643439
Email: avi.lakare@gmail.com

MEMBER
Sh. Pratap Singh Thakurala
Mob: 09899966053

MEMBER
Sh. V S Gupta
LL: 011-26963113 Mob: 09971801009
Email: gupta_vs@yahoo.com

MEMBER
Sh. Satpal Singh
Mob: 09399043458
Email: satpalsingh@yahoo.com

MEMBER
Shri A.K Khan
LL: 07662-254785 Mob: 09827091584
Email: makmedlabs@rediffmail.com

EX-OFFICIO (Secretary General)
Dr TM Dak
LL: 0294-2461079 mob: 09460822834
Email: isdu2001@yahoo.co.in

EXECUTIVE COMMITTEE OF ISU3A- CENTRAL ZONE.

(A) DISTINGUISHED MEMBERS;

SL	NAME	POST	Contact	Email ID	State/City
1	G. K.Khare	PATRON	9335157680	kharegk.ald@gmail.com	U.P./ Allahabad
2	V.K. SHUKLA	Institutional Member, "BHAVANA"	9335902137	Vk_shukla@hotmail.com	U.P./ Lucknow

(B) MEMBERS;

SL	NAME	POST	Contact	Email ID	State/City
1	A.K. MALHOTRA	VICE CHAIRPERSON	9451133617	akmalhotra123@rediffmail.com	U.P./ LUCKNOW
2	SATPAL SINGH	ZONAL SECRETARY	9839043458	satpalsngh@yahoo.com	U.P./ LUCKNOW
3	S.C. VIDYARTHI	TREASURER	9415151323	subhashchandravidyarthi@gmail.com	U.P./ LUCKNOW
4	Purshottam KESWANI	Auditor	9450021082	Purshottam.keswani@gmail.com,	U.P./ Lucknow
5	Dr P.K. SINHA	State Coordinator U.P.(except NCR)	9415214503	drpradeepsinha49@gmail.com,	U.P./ ALLAHABAD
6	A.P. SINGH	State Coordinator NCR only (U.P.)	9871015334	apsingh13@gmail.com,	U.P./N.C.R. GHAZIABAD
7	M. K. RAINA	State Coordinator (Uttarakhand)	9760002072	mkrainas@gmail.com,	UTTARAKHAND/ HARIDWAR
8	A.K. KHAN	State Coordinator (M.P.)	9827091584	makmedlabs@rediffmail.com,	M.P./ REWA
9	H.N. MISHRA	Member (Media&Press)	9838521170	mishrah.icommtele@gmail.com	U.P./ Lucknow
10	S.D. TEWARI	Member	9005601992	satyadeo1948@gmail..com,	U.P./ LUCKNOW
11	AMAR NATH	Member I/C-Publications.	9451702105	N/A	U.P./ Lucknow
12	T.P. SINGH	Member	9984267755,	tpsingh.alld@gmail.com,	U.P. / Allahabad
13	S.K. SINHA	Member	9415317779	Sksinha37@hotmail.com,	U.P. / Allahabad
14	H. C. SINGH	Member	9415613925	chinmayaprayag@gmail.com ,	U.P. / Allahabad
15	Dr HARSH SINGH Parihar	Member	. 9425874588	N/A	M.P./ REWA
16	SARVESH GUPTA	Member	9759008400	sarvesh1948@yahoo.com,	UTTARAKHAND/ HARIDWAR

जस्टिस सधीर चन्द्र वर्मा

आपका जन्म 02 फरवरी 1938 को इलाहाबाद में हआ था। आपके पिताश्री सालिकराम वर्मा तथा माता जी श्रीमती रूपदेवी वर्मा थी। Ewing Christian College, Allahabad से इण्टरमीडिएट किया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से 1955 में बी.एससी. तथा 1959 में विधि-स्नातक की डिग्री हासिल करने के बाद कुछ समय तक प्रकाशन व मुद्रण का पारिवारिक कार्य सम्हाला। लेकिन 1963 में बार कौंसिल से पंजीकरण कराकर वकालत शुरू की। 1971 से 1981 तक उ.प्र. सरकार के Sate Counsel रहे। पुनः निजी वकालत प्रारम्भ की, विशेष तौर से दीवानी, संविधान तथा टैक्स के क्षेत्र में आपने काफी ख्याति अर्जित की। विभिन्न राज्य निगमों, स्थानीय निकायों, विश्वविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थाओं के वरिष्ठ एडवोकेट रहे। उ.प्र. राज्य विद्युत परिषद, उ.प्र. आवास विकास परिषद, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, उ.प्र. औद्योगिक विकास निगम में वरिष्ठ एडवोकेट रहे। 1990 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के जज नियुक्त हुए जहां से वर्ष 2000 में सेवानिवृत्त हए। 16 मार्च 2000 से 15 मार्च 2006 तक उ.प्र. के लोकायक्त का दायित्व सम्हाला। लोक प्रशासन में सधार पर आपने All India Management Association Delhi, IC Centre for Public Governance Delhi, Indian Institute of Public Administration, Delhi व्याख्यान दिए। आपने दक्षिण अफ्रीका, कनाडा, चीन, जापान, हांगकांग, फ्रांस, दक्षिण कोरिया जैसे देशों के लोकपाल सम्मेलनों में भाग लिया तथा फ्रांस, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड, इंग्लैण्ड, इटली, स्वीटजरलैण्ड, नीदरलैण्ड, मलेशिया, सिंगापुर, इण्डोनेशिया जैसे देशों का भ्रमण किया। आप विभिन्न सामाजिक संगठनों जैसे लखनऊ मैनेजमेंट एसोसिएशन, कबीर शान्ति मिशन, ऑल इंडिया सीनियर सिटीजन सोसायटी, गायत्री परिवार, भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति, इलैक्सन वाच, मेडीटेशन सेन्टर इलाहाबाद हाईकोर्ट, यू.पी. गवर्नमेंट पेंशनर्स एसो., क्लब ऑफ लखनऊ, गुड गवर्नेंस फोरम से भी सक्रिय रूप से जुड़े हैं। आपको समाज में मंद बद्धि एवं विकलांग बच्चों की सेवा में लगी संस्थाओं को आर्थिक एवं हर प्रकार की सहायता करने में विशेष रुचि है।

1962 में आपकी शादी एक प्रख्यात महिला डाक्टर से हुई जिनसे आपको दो पत्री रत्न प्राप्त हए। इनमें से एक IAS होकर गजरात राज्य में प्रमख सचिव हैं तथा दसरी इलाहाबाद में वरिष्ठ एडवोकेट हैं।

दिनांक 14 फरवरी 2016 को भावना का सम्पादक मण्डल श्री एन.के. रस्तोगी जी के साथ आपके साक्षात्कार के लिए आपके आवास पर गया। बडे ही आत्मीय वातावरण में आपसे वार्ता शरु हई।

01 प्रश्न :- भारत वर्ष में न्यायिक सेवाओं की स्वतंत्रता पर कितना राजनीतिक हस्तक्षेप है?

उत्तर :- दिन-प्रतिदिन हस्तक्षेप बढता जा रहा है।

02 प्रश्न :- न्यायिक सेवाओं में भ्रष्टाचार सनने में आ रहा है। यह किस सीमा तक सही माना जा सकता है?

उत्तर :- न्यायिक सेवाओं को पारदर्शिता तो कम हई है लेकिन जहां तक भ्रष्टाचार की बात है अब भी अधिकांश जज ईमानदार व दक्ष हैं।

03 प्रश्न :- भारत के छोटे बडे न्यायालयों में मकदमों की भरमार है। आम वादकारी त्रस्त हैं। इसका क्या समाधान है?

उत्तर :- वकीलों व जजों को प्रत्येक मुकदमें के लिए टाइमबाउण्ड निर्णय लेना होगा। प्रत्येक जज की प्रत्येक त्रैमास पर उसके द्वारा निस्तारित मकदमों की समीक्षा होनी चाहिए कि उसने कितने औरे कैसे निर्णय दिए।

04 प्रश्न :- क्या आपने अपने न्यायिक कार्यकाल में कभी किसी भी प्रकार का हस्ताक्षेप अथवा दबाव महसस किया था?

उत्तर :- कभी नहीं!

05 प्रश्न :- अभी भारत के कुछ हिस्सों में कुछ समाज सेवियों ने न्याययात्रा निकालते हुए त्वरित न्याय की मांग की है। कोर्ट द्वारा तारीख पर तारीख देने की आलोचना की है। इससे आप कहां तक सहमत हैं? इस समस्या को किस प्रकार सलझाया जा सकता है?

उत्तर :- यह जनता द्वारा उठाई गई समय की जायज मांग है। इसके लिए अच्छे. योग्य और ईमानदार जजों की नियक्ति हो। सरकारी तंत्र कशासन-मक्त हो।

06 प्रश्न: - भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति के आप संरक्षक हैं। आप इसके क्रियाकलापों से कहां तक सहमत हैं?

उत्तर :- यह समिति अच्छा काम कर रही है। लेकिन इसे और अधिक व्यापकता के साथ काम करना चाहिए। कोई ऐसा विशेष कार्य इसे करना चाहिए जो जनमानस में अपनी छाप छोड़ सके। इसे जो भी धन, चन्दा अथवा दान द्वारा प्राप्त होता है उसका मितव्ययता के साथ उपभोग करना चाहिए। धन बचाकर अन्य सामाजिक कार्यों में लगाया जा सकता है।

07 प्रश्न :- भावना समिति में छह न्यायाधीश इसके संरक्षक के रूप में इसका मार्गदर्शन कर रहे हैं। क्या आप छहों न्यायाधीश मिलकर भावना के एक विधि पैनल के रूप में वरिष्ठ नागरिकों को नि:शल्क काननी सलाह देने को सहमत हैं?

उत्तर :- बिल्कल सहमत हं. बल्कि मझे खशी ही होगी कि मैं योग्यतानसार समाज की सेवा करके किसी काम आ सकं।

08 प्रश्न :- भारत में वरिष्ठ नागरिकों की सामान्य स्थिति अच्छी नहीं है। वर्तमान और बुजुर्गों की पीढ़ियों में काफी अन्तर आ चुका है। लगभग 70-80 प्रतिशत बुजुर्ग अवसादग्रस्त हैं या अकेलेपन के शिकार हैं क्योंकि उनकी सन्तानें किसी भी कारणवश उनकी समचित देखभाल नहीं कर पा रही हैं। इस समस्या का आपकी नजरों में क्या समाधान हो सकता है?

उत्तर :- इस समस्या की जड़ में सामाजिक व नैतिक परिवर्तन है। दोनों पीढ़ियों के बीच में संवादहीनता बढ़ती जा रही है। भौतिकता, पाश्चात्य संस्कृति का बढ़ता हुआ असर, भारतीय संस्कृति का धीरे-धीरे विलुप्तीकरण, शिक्षा का व्यवसायीकरण तथा फर्जी डिग्री के सहारे रोजगार की तलाश, वास्तविक ज्ञान की कमी, चारित्रिक मूल्यों का ह्रास, भ्रष्टाचार, माता-पिता के पास अपने बच्चों के पालन-पोषण के लिए समुचित समय का अभाव, बेरोजगारी, बढ़ती हुई जनसंख्या तथा लगभग सभी में नेता बनने की होड. आदि अनेक कारण हैं। नैतिक शिक्षा अब कहीं नहीं दी जाती. न तो घर पर ही और न स्कलों में।

09 प्रश्न :- वरिष्ठ नागरिकों को सरकार उचित संरक्षण नहीं दे पा रही है। सरकार द्वारा न्याय एवं व्यवस्था की बहुत कमी है। आए दिन इनकी हत्याएं हो रही हैं। परिवार टूट रहे हैं। ओल्ड ऐज होम्स की बहुत भारी कमी है। आर्थिक रूप से विपन्न बुजुर्ग असहाय स्थिति में है। अगर सभी सेवानिवृत्त जज, मजिस्टेट. IAS. बद्धिजीवी तथा सम्पन्न वर्ग मिलकर इस समस्या के प्रति गंभीर हो जायें तो क्या कछ नहीं किया जा सकता?

उत्तर :- नि:संदेह अगर सभी बद्धिजीवी तथा सम्पन्न वर्ग मिलकर गंभीरतापर्वक इसके निदान में जट जायें तो काफी बदलाव आ सकता है।

10 प्रश्न :- अधिकतर बुजुर्ग स्वास्थ्य सम्बन्धित समस्याओं से ग्रसित हैं। सरकारी अस्पतालों में या तो भीड़ बहुत है या असुविधायें। बुजुर्ग वहां घंटों लाइन में खड़े होकर इलाज कराने और डाक्टरों द्वारा बार-बार दौडाये जाने से कतराते हैं। प्राइवेट अस्पताल महंगे बहत हैं। इस समस्या का क्या निदान हो सकता है?

उत्तर :- नागरिकों को सचेत होना पड़ेगा। अस्पतालों से कुशासन हटे। सभी कर्मचारी और अधिकारियों को अपने सेवाकाल में इस भावना से काम करना चाहिए कि उन्हें भी कभी रिटायर होना है और वे भी उसी समस्या का सामना कर सकते हैं जिसे लेकर कोई बजर्ग सामने लाइन में खडा है। यही सोच कछ बदलाव ला सकती है।

हेल्पलाइन

श्री वाई.पी. सिंह ने 89 वर्षीय श्रीमती राज देवी, (केशवनगर) जो उठने-चलने में असमर्थ हैं तथा पारिवारिक पेंशन भोगी हैं। जीवंतता प्रमाणीकरण न हो पाने के कारण पेंशन में अवरोध हो रहा था। इनको अपनी कार द्वारा बैंक ले जाकर सत्यापन करवाया तथा पेंशन सनिश्चित करवाई।

सीतापुर रोड, आई.आई.एम. रोड तथा केशव नगर. प्रियदर्शिनी कालोनी के लोगों को नई जीवंतता सत्यापन व्यवस्था के बारे में भी बताया गया।

वेतनभोगियों को टैक्स से मुक्ति दें।

उ.प्र. के विभिन्न कर्मचारी संगठनों की राय

काम 12 महीने और तनख्वाह 11 महीने की। मतलब यह कि पूरे महीने भर की तनख्वाह इनकम टैक्स में चली जा रही है। यह स्थिति तब है जबकि सरकार खुद मानती है कि वेतन तो केवल जीविकोपार्जन के लिए दिया जाता है। ऐसे में टैक्स लगाना भी कहां तक उचित है। इस आयकर ने तो बच्चों के लालन-पालन तक को मुश्किल बना दिया है।

हालत यह है कि जब तक कर्मचारी अपने वाजिब हक के लिये सड़कों पर नहीं उतरता तब तक वेतन तक के लाले रहते हैं। आगामी आम बजट को लेकर 8 फरवरी को 'हिन्दुस्तान' कार्यालय में आयोजित 'बजट चौपाल' में केन्द्र व राज्य सरकार के कर्मचारी व उनके नेताओं का यह दर्द उभर कर आया।

सभी कर्मचारी नेताओं का कहना था कि किसी भी हालत में उनका वेतन इनकम टैस के दायरे में नहीं आना चाहिए। उनकी दलील थी कि छोटा धंधा करने वाले लोग भी लगभग पांच लाख के आसपास कमा लेते हैं लेकिन कोई ऐसी व्यवस्था नहीं है जिससे उनकी कमाई की सही-सही जानकारी नीति निर्धारकों तक पहंच सके। केवल वेतनभागी वर्ग जिस पर सरकार खुल कर मनमानी करती है।

ऑल इंडिया पोस्टल इम्पलाइज यूनियन और कंफेडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट इम्पलाइज एण्ड वर्कर्स के अध्यक्ष वीरेन्द्र तिवारी का कहना था सातवें वेतन आयोग में कर्मचारियों के कुल 52 भत्तों को समाप्त करने की सिफारिश की है। आवास भत्ते को कम कर दिया गया है अब केन्द्र सरकार को यह कौन समझाये कि आवास का किराया लगातार बढ़ता ही है। इसी प्रकार से सातवें वेतन आयोग ने मात्र 14.3 फीसदी वेतन वृद्धि को मंजूर किया है जबकि बैंक कर्मचारियों तक की वेतन वद्धि 16 प्रतिशत से अधिक है। वह भी तब जबकि बैंकों में वेतन वृद्धि पांच वर्ष पर होती है और हमारा 10 वर्षो के बाद।

कर्मचारियों ने की स्थाई पे-कमीशन बनाने की मांग- सातवें वेतन आयोग में कैबिनेट सचिव और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के बीच में बढ़े अंतर को पूरा करने के लिए भी एक सुझाव आया। राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों में विसंगतियों को लेकर जो बवाल मचा है उसे स्थाई पे-कमीशन बनाकर दूर किया जा सकता है। उनका सुझाव था कि राष्ट्रपति, सांसद से लेकर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का वेतन निर्धारण एक ही मंच से हो।

बढ़नी चाहिए वरिष्ठ नागरिकों की सुविधाएं - जिन वरिष्ठ नागरिकों को पेंशन नहीं मिल रही है उन्हें एफडी पर साढ़े सात की बजाय नौ फीसदी ब्याज मिलना चाहिए। जिससे वे अपना खर्च आसानी से चला सकें। यह बात पीएनबी के कर्मचारी नेता ने कही। उन्होंने कहा कि आयकर में छूट पाने के लिए जो निवेश किया जाता है उसकी सीमा डेढ़ लाख से बढ़ाकर ढाई लाख होनी चाहिए। एक कर्मचारी नेता ने कहा कि कर्मचारियों के वद्ध माता-पिता पर जो खर्चा आए उस पर आयकर की छट मिलनी चाहिए।

पेंशनरों के साथ न्याय नहीं - सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष का कहना है कि सातवें वेतन आयोग में वेतन और पेंशन निर्धारण का जो फैक्टर 2.57 का दिया गया है वह न्यायपूर्ण नहीं है। भारत सरकार के राजपत्र में है कि मूल्य सूचकांत में विकृति आ गई है। क्योंकि इंडेक्स बास्केट अपूर्ण है। इसे दूर किया जाना चाहिए। मैंने वित्त मंत्री को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि 2.87 फैक्टर के साथ सातवें वेतन आयोग की रिपोर्ट लागू कराने की बजट में व्यवस्था की जाए।

पिछले वेतन आयोगों में वेतन वृद्धि : द्वितीय वेतन आयोग-14.2 प्रतिशत, तीसरा वेतन आयोग-20.6 प्रतिशत, चौथा वेतन आयोग-27.6 प्रतिशत, पांचवां वेतन आयोग-31 प्रतिशत, छठा वेतन आयोग-54 प्रतिशत, सातवां वेतन आयोग-14.3 प्रतिशत। **कर्मचारी नेताओं के सुझाव** - वरिष्ठ नागरिकों के इलाज का खर्चा इनकम टैक्स से बाहर किया जाय। - एकल महिलाओं को टैक्स की श्रेणी में अलग से छूट दी जानी चाहिए। - एनएससी, किसान विकास पत्रों और छोटी बचत पर ब्याज बढ़ाना चाहिए। - महिलाओं के लिए चाइल्ड केयर तीव की सविधा दी जानी चाहिए। - अवकाश नगदीकरण में 300 की जगह पांच सौ दिनों की बढोत्तरी की जाए।

फल और कर्म

कर्ता तो तू है नहीं, कर्ता तो करतार
फिर फल की क्यों कामना. करता त हर बार? — **अमरनाथ**

सहज. सरल एवं निर्दोष उपचार – ऐक्यप्रेशर

आहार-विहार, दिनचर्या, ब्रह्मचर्य, श्रम-विभाग आदि से सम्बन्धित प्राकृतिक नियमों एवं व्यवस्थाओं का अनुपालन किया जाये, तो मानव-शरीर जो एक पूर्ण यंत्र है, अपनी देखभाल स्वयं कर सकता है। प्रदूषित वातावरण, पीने योग्य पानी की अनुपलब्धता, केमिकल युक्त खाद्य एवं अखाद्य पदार्थो का दैनिक जीवन में सेवन तथा पश्चिमी सभ्यता का अनुकरण आदि शरीर में क्रियाएं करते हैं। प्रतिक्रिया स्वरूप. शरीर विजातीय द्रव्य उत्पन्न करता है। शरीर द्वारा इन्हें निकालने का प्रयास रोग के रूप में जाना जाता है।

वर्तैमान चिकित्सा प्रणाली विशेषत: एलोपैथी खर्चीली होने के कारण आम व्यक्ति की पहुंच से बाहर होती जा रही है. उसके आफ्टर इफ्केटस भी बहत हैं। आयर्वेद एवं होम्योपैथी भी भी अपना मल स्वरूप खोते जा रहे हैं।

ऐलोपैथिक उपचार, दुर्घटना एवं मोतियाबिन्दु में शल्य चिकित्सा को छोड़कर रोग नियंत्रक दवाओं के सहारे हैं। जीवन पर्यन्त दवाओं एवं टेस्टों के सहारे चलने वाली यह पद्धति बहुत अधिक खर्चीली एवं व्यावसायिक है। जनसामान्य की आर्थिक सीमाओं से परे है। इस उपचार में रोगी के एक बार फंसने पर उसका आर्थिक शोषण तथा उसे निर्धन एवं कर्जे में डुबा देने वाली यह व्यवस्था है। अन्य उपचार भी इसकी होड में व्यवसायिक बन गये हैं। ऐसे उपचारों से जनसामान्य का विश्वास भी उठ गया है।

आज तन और मन की अस्वस्थता, जन समस्या बन गयी है। इनके रोगोपचारों को जटिल से जटिल बना दिया गया है। वैसे प्रत्येक प्राणी के लिये मृत्यु अवश्यंभावी है फिर भी अंतिम श्वास तक हम शरीर की देखभाल करें और स्वस्थ रहें, यह आवश्यक है। प्रकृति प्रदत्त स्वास्थ्य पर हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है, लेकिन इसकी प्राप्ति प्रकृति के नियमों और ऋषि-मुनियों की स्वास्थ्य सम्बन्धी शिक्षाओं को व्यवहारिक रूप से पालन करने पर ही हो सकती है। इस क्रम में प्रकति की देन ऐक्यप्रेशर उपचार. जो सहज. सरल एवं निर्दोष है. के प्रारम्भिक ज्ञान को जानना सभी के लिये आवश्यक है।

मानव शरीर के किसी अंग-अवयव का वाह्य उत्पादन सम्भव नहीं है। शरीर में लगे अंग-अवयवों की स्वत: प्रक्रियाओं से शरीर का विकास होता है। रोगों से लड़ने की सशक्त रक्षा प्रणाली उसके पास सदैव तैयार रहती है। दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हड्डियों को जोड़ने तथा तंतुओं की मरम्मत करने की अद्‌भुत क्षमता शरीर में है। प्रकृति सहयोग से चलने वाली शरीर की उक्त क्षमताओं में जब-जब कोई कमी आने लगती है, तो उनकी पूर्ति में प्रकृति स्वत: समस्त संरजाम जुटा देती है। शरीर की इन क्षमताओं को हमारे ऋषि-मुनियों ने, बिना किन्हीं यंत्रों के सूक्ष्म दृष्टि से पहिचाना था। प्रकृति एवं शरीर के इन कार्यो को गुण-दोषों के आधार पर हमने दो भागों में सूत्रबद्ध किया है। प्रथम भाग में आहार-विहार एवं आचार-विचार के स्वस्थता प्रदान करने वाले नियमों को विज्ञान सम्मत रचनाओं से सूत्रबद्ध किया है। ये नियम तन-मन को निरोगी रखने में सहायक है। इन नियमों का पालन स्वयं एवं पलि से आरम्भ कर, वर्ष 1998 से हजारों रोगियों पर काउन्सलिंग द्वारा कराया जा चुका है। परिणाम उत्साहवर्द्धक रहे हैं। निष्कर्ष में हम कह सकते हैं कि इनके पालन बिना निरोगी नहीं बन सकते। द्वितीय भाग (ऐक्यूप्रेशर उपचार पद्धति) में शरीर द्वारा किये गये अभ्यास किस प्रकार उसे निरोगी रखने में सहायक हैं, का अध्ययन है। यह सहज, सरल एवं निर्दोष है। इसका आविष्कार शल्य चिकित्सा के जनक महर्षि सुश्रुत ने किया था। उन्होंने प्रतिपादित किया था कि हथेलियों एवं पैरों के तलुवों के विभिन्न बिन्दुओं पर पड़ने वाला दबाव 'रोगोपचार' में सहायक है। प्राचीन काल में इस उपचार को 'गहरी मालिश' या दर्द के स्थान पर दबाव देने की क्रिया से जाना जाता था। वर्तमान में भारत की लगभग 5000 वर्ष परानी यह उपचार पद्धति. जापान से घमती हई 'ऐक्यप्रेशर' के नाम जानी जाती है।

ऐक्युप्रेशर का शाब्दिक अर्थ **ऐक्यु** अर्थात सुई और **प्रेशर** को दबाव कहते हैं। शरीर के अंग-अवयवों के स्विच हाथ एवं पैरों में लगे हैं। जब स्विच बिन्दुओं या अंगूठे, उंगली अथवा किसी ककुंद साधन से, दबाव दिया जाता है, तब इस विज्ञान के अनुसार हमारी 'प्राणऊर्जा' आवश्यकतानुसार - उस रोगी अंग-अवयव पर पहुंचकर निरोगी बनाती है। अंग-अवयवों में आकस्मिक हए दर्द में. यह उपचार पद्धत बिना किसी दवा के आश्चर्यजनक परिणाम देती है। इस विज्ञान को समझना बहत ही सरल है।

जापान में इसके प्रशिक्षण केन्द्र हैं, लेकिन भारत में इसकी कमी है। भारत में विगत चार दशकों में स्वयं बने ऐक्युप्रेशर विशेषज्ञों ने, इस उपचार पद्धति को फैलाने के प्रयास तरह-तरह के संयंत्रों को बेचकर किये हैं। प्रशिक्षण के अभाव में उनके प्रयास सफल नहीं हो सकते हैं। जापान के घर-घर में यह पद्धति प्रचलित है। वर्तमान में भारत में ऐक्युप्रेशर उपचारक कम, उनके यंत्र (प्लास्टिक से बने) विक्रेता अधिक मिलेंगे। रोगियों ने आकर्षक विज्ञापनों याकैम्पों से, तरह-तरह के ऐक्युप्रेशर यंत्र खरीदकर, उनका कितना प्रयोग किया है या उनसे कितना लाभ मिला आदि का ज्ञान-यंत्र विक्रेताओं से नहीं मिलेगा।

लेखक, विगत वर्षो से सप्ताह के रविवार व गुरुवार को अपने आवासीय कैम्प में रोगियों को निःशुल्क काउन्सलिंग द्वारा विभिन्न रोगों से मुक्ति दिलाने में सहायता कर चुका/कर रहा है। लखनऊ सीतापर रोड स्थित IIM से पर्व सजल श्रद्धा आरोग्य धाम में वर्ष में चार बार तीन दिवसीय प्रशिक्षण भी हमारे द्वारा दिया जाता है।

जैसा कहा ज चुका है कि ऐक्युप्रेशर एक सहज सरल एवं निर्दोष उपचार पद्धति है। आकस्मिक उपचार में आश्चर्यजनक परिणाम देती है। इसका लकड़ी से बने (तीन यंत्र) यंत्रों से 10 मिनट का अभ्यास रोगी को निरोगी एवं निरोगी को रोगी न होने देने में सहायक है। छोटे-छोटे रोगों में जहां हजारों रुपये व्यय होने के बाद भी ठीक होने का नाम नहीं लेते वहां ऐक्युप्रेशर के प्रतिदिन के अभ्यास से तन-मन को स्वस्थ रखने हेत मात्र एक पैसे से भी कम व्यय होता है। स्वस्थ निश्चित रूप से प्राप्त होती है।

डॉ. नरेन्द्र देव
18/175, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016 मो. 9451402349

सजल श्रद्धा आरोग्य धाम

सीतापर-हरदोई बाईपास रोड, निकट भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM), लखनऊ

अप्रैल से जून 2016 तक आमजन के लिए आयोजित कार्यक्रम

2-3 अप्रैल- 2 दिवसीय प्राण हीलिंग प्रशिक्षण-सहयोग राशि-500/-

23-24 अप्रैल, 14-15 मई, 2 दिवसीय योग चिकित्सा प्रशिक्षण-सहयोग राशि-300/- समय प्रातः 7 बजे से 9.30 बजे तक।

21 जून- विश्वयोग दिवस -विशेष योग प्रशिक्षण प्रातः 6. 30 से 8 बजे तक

28-29 मई- 2 दिवसीय Yoga for Excellence (विद्यार्थियों के लिए योग प्रशिक्षण कार्यशाला-सहयोग राशि-150/- (आय-8 से 18 वर्ष तक) समय 6.30 बजे से 9.00 बजे प्रातः

25-26 जून - 2 दिवसीय योग चिकित्सा प्रशिक्षण-समय 7.00 से 9.30 बजे प्रातः सहयोग राशि 300/-

20 से 22 मई- 3 दिवसीय एक्यूप्रेशर चिकित्सा प्रशिक्षण-सहयोग राशि 600/- समय 9.30 से शाम 4.30

10-12 जून-3 दिवसीय होम्योपैथिक चिकित्सा प्रशिक्षण-सहयोग राशि- 750/- समय 9.30 से 4.30 बजे

सम्पर्क : 9335213776, 9415935800, 9451402349, 9453028500, 9415113453, 7275075377

दैनिक गतिविधियाँ - सेवायें

होम्यो चिकित्सा सेवा प्रतिदिन - सबह 10.00 बजे से 2.00 बजे

एक्यूप्रेशर चिकित्सा - प्रत्येक मंगलवार सबह 10.30 से 12.00 बजे तक

ग्रामीण हीलिंग एवं योग चिकित्सा - प्रत्येक रविवार-अपराहन 3.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक

योगासन एवं प्राणायाम - प्रतिदिन प्रातः 6.30 से 7.30 बजे

गायत्री यज्ञ हवन - प्रतिदिन प्रातः 7.30 बजे से 9.00 बजे

समग्र स्वास्थ्य-समग्र चिकित्सा सेवा-असाध्य रोगियों हेत - प्रत्येक रविवार-अपरान्ह 3 से 5 बजे तक

गौ सेवा- सुबह 5 बजे से शाम 8 बजे तक

विचार क्रान्ति केन्द्र - जीवन उपयोगी साहित्य, पूजन, हवन सामग्री एवं आयुर्वेदिक औषधियां उपलब्ध हैं। सबह 9 बजे से शाम 6.30 बजे तक।

विभिन्न संस्कार निःशुल्क सम्पन्न कराये जाते हैं।

सत्संग एवं समह साधना - प्रत्येक गरुवार अपरान्ह 2.30 बजे से 3.30 ।

सुन्दर काण्ड का पाठ - प्रत्येक माह के अन्तिम रविवार अपरान्ह 3 बजे से 5 बजे ।

संतलित भोजन एक बेजोड औषधि

– अनोखी लाल कोठारी. उदयपर (राज.)

भारतीय संस्कृति में आयुर्वेद को महत्वपूर्ण माना है। आयुर्वेद में संतुलित भोजन अपने आप में एक बेजोड़ औषधि है। जरूरत से कम खाना स्वास्थ्य और शारीरिक सौन्दर्य दोनों पर ही प्रभाव डालता है। कम खाना शरीर को दुर्बल और त्वचा को बेजान बनाता है और अधिक खाना शरीर को बेडौल बनाता है। संतुलित भोजन ही व्यक्ति को अच्छा स्वास्थ्य और लंबी आयु दे सकता है। संतुलित भोजन शरीर को निखारता है और रोग प्रतिरोधक शक्ति में भी वृद्धि करता है। खाते समय पेट को कडादान नहीं समझें भख से थोडा कम ही खायें। नाश्ते में अंकरित दालें एवं दलिया लें लेकिन सबह का नाश्ता अवश्य लें।

भोजन में तेल का उपयोग कम करें। दालें, हरी सब्जी, दही व सलाद को नियमित भोजन का अंग बनायें। शांतमन से बैठकर भोजन चबाकर खायें। समय पर खाना खायें और बार-बार खाने से बचें। भोजन में वसा की मात्रा स्वास्थ्य के अनुरूप ही होनी चाहिए। वयस्कों को 20 ग्राम, बड़े बच्चों को 22 ग्राम व छोटे बच्चों को 25 ग्राम वसा की जरूरत होती है। किसी भी अवस्था में भोजन में वसा से प्राप्त कैलोरी का योगदान 30 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। उत्तम होगा कि 20 प्रतिशत के आसपास ही रहे। अधिक वसा वाला भोजन व्यक्ति के लिए जानलेवा साबित होता है। यह मोटापे के लिए जिम्मेदार है जो शरीर को बेडोल बनाने के साथ अनेक रोगों का कारण भी होता है। अत्यधिक वसा के सेवन से कोरोनरी हृदय रोग, एंजाइना, हार्ट अटैक, पक्षाघात, मधुमेह, उच्च रक्त चापन आदि भयंकर रोग उत्पन्न होते हैं। अधिक वसा सेवन से प्रोस्टेर ग्रंथि, महिलाओं में गर्भाशय. अंडाशय. स्तन कैंसर आदि रोग उत्पन्न होते हैं। वसा का स्वास्थ्य से गहरा संबंध है अत: इसकी मात्रा पर नियंत्रण रखें।

आहार की पाचन क्रिया विटामिन ए की कमी के कारण पूरी तरह से नहीं हो पाती है। ऐसे में हरे पत्तों वाले साग-सब्जी खूब खानी चाहिए। विटामिन बी में अनेक दूसरे विटामिन भी होते हैं। अपने भोजन में अंकुरित गेहूं, चावल, दूध, दालें सोयाबीन तथा हरे पत्तेदार सब्जियों को खूब खायें इसमें विटामिन बी होता है। विटामिन बी-2 शारीरिक विकास और रोग प्रतिरोधक शक्ति के लिए बहुत आवश्यक होता है। यह प्रौढ़ावस्था आने से रोकता है। विटामिन सी की पूर्ति के लिए खट्टे फल, नींबू, संतरा मौसमी, आंवला, टमाटर, पत्तेदार सब्जियां, अंकुरित अनाजों का सेवन करे। एक आंवला भोजन के बाद अवश्य खायें। विटामिन डी की पूर्ति के लिए शुद्ध घी, सूर्य की किरणें, बच्चों को दूध, मक्खन, स्तनपान बेहतर है। विटामिन डी दांतों व हड्डियों के लिए जरूरी है। विटामीन बी-6 प्रतिदिन मुट्ठी भर पिश्ता खाने से प्राप्त होता है। विटामिन 'के' हरी सब्जियां, टमाटर, पत्ता गोभी, फूल गोभी में पर्याप्त होती है। विटामिन 'पी' से संबंधित खट्टे, मीठे फलों और हरी सब्जियों में उपलब्ध होता है। क्षार शरीर के कोषों की संरचना को मदद करते हैं। हड्डियों, दांतों और नाखूनों को शक्तिशाली बनाने तथा उनकी सुंदरता व बालों की सुन्दरता को भी बढ़ाते हैं। राजमा, लोबिया तथा ब्लेक बीन्स सप्ताह में एक या दो बार अवश्य लेवें। ये खाद्य पदार्थ कैंसर जैसी घातक बीमारी से दूर रखते हैं। विटामिन 'इ' युक्त भोजन अवश्य करना चाहिए। (क्यों आयु बढ़ाने के साथ-साथ रक्त वाहिनियां में चर्बी जमा होने लगती है।) जिससे वसा जमा नहीं होती। पालक और मूंगफली 'इ' विटामिन काफी मात्रा में होता है। सूखे फल, गुणों का खजाना है। अत: पिश्तों का सेवन खून में मौजूद अनावश्यक कोलेस्ट्रोल को कम करता है। इस वजह से रक्तचाप पर भी नियंत्रण बन जाता है। हमें न तो किसी दवा की जरूरत पड़ती है और न हीं हम कभी अस्वस्थ ही होंगे। कैल्शियम फास्फोरस पोटैशियम, मैग्जीन. लोह आदि रासायनिक तत्वों का भोजन में समचित मात्रा में शामिल होना अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहत ही आवश्यक है।

हेल्पेज इण्डिया द्वारा नि:शल्क व्हील चेयर उपलब्ध कराई गई

लखनऊ में 27 जनवरी से 7 फरवरी, 2016 तक सम्पन्न लखनऊ महोत्सव में वद्ध व अशक्त जनों के महोत्सव भ्रमण हेत व्हील चेयर्स की नि:शल्क सेवायें उपलब्ध कराई गई।

कबीर पद

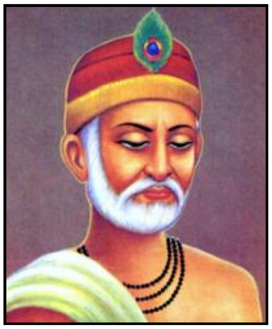

जै पै करता वरण बिचारै, तौ जनमत तीनि डाँडि किन सारै।
उतपति व्यंद कहाँ थैं आया, तो धरी अरु लागी माया।
नहीं को ऊँचा, नहीं को नीचा, जाका प्यंड ताही का सींचा।
जे तूँ बाभन बभनी आया, तो आँनबाट ह्व काहै न आया ?
जे तूँ तुरक तुरकनी जाया, तो भीतरि खतनाँ क्यूँ न कराया ?
कहै कबीर मधिम नहीं कोई. सो मधिम. जा मखि राम न होई।। (पद सं. 41)

शब्दार्थ : तीनि डाँड़ि – भस्म रोली या सिन्दूर की माथे पर तीन लकीरें (त्रिपुण्ड)
व्यंद – वीर्य. प्यंड – शरीर. जाया – उत्पन्न. आँन – अन्य. मधिम –छोटा

भावार्थ – ईश्वर के यहाँ वर्ण व्यवस्था नहीं है। अगर ईश्वर ने वर्ण व्यवस्था बनाई होती तो द्विजों (ब्राह्मण) के माथे पर जन्म से ही तीन रेखाऐं (त्रिपुण्ड; का तिलक होता। जिस वीर्य से मनुष्य की उत्पत्ति होती है वह कहाँ से आया ? उसमें माया का प्रवेश कैसे हुआ ? न कोई नीचा है, न कोई ऊँचा। सभी शरीर ईश्वर के वीर्य से सिंचित हैं, क्योंकि सारे शरीर उसी के हें। अगर ब्राह्मण, ब्रह्मणी से उत्पन्न हैं तो वह भी वैसे ही पैदा हुआ है जैसे दूसरी जातियाँ। इसी प्रकार मुसलमान जन्म से होता तो उसका खतना गर्भ में ही हो जाता। संसार में कोई छोटा नहीं है। छोटा वह है जिसके मुँह में राम–राम का उच्चारण नहीं है।

महामृत्युंजय मन्त्र

ॐ हौं जूं स:, ॐ भूर्भुव: स्व:, ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
ऊर्वारुकमिव बन्धनान्मत्योर्मक्षीय मामतात। स्व: भव: भ: ॐ। स: जं. हौं ॐ।। (ऋक 7/59/13)

मैं ब्रह्मा, विष्णु एवं रुद्र–इन तीनों के उत्पादक पिता, उन परब्रह्म परमात्मा की वन्दना करता हूँ जिनका यश तीनों लोक, सम्पूर्ण विश्व में फैला हुआ है और जो विश्व के बीज एवं उपासकों के अणिमादि ऐश्वर्यो के वर्धक हैं। वे अपने मूल से पथक हए ककडी या खरबजे के फल की तरह मझे मत्य या मर्त्यलोक से मक्त कर अमतत्व (सायज्य मोक्ष) प्रदान करें।

बधाई

भावना की सम्मानित सदस्य, श्रीमती मंजुश्री त्रिवेदी दिसम्बर, 2015 में सम्पन्न हुए ग्राम–प्रधान चुनाव में जिला सीतापुर की ग्राम–सभा कौरोना की ग्राम–प्रधान निर्वाचित हुई है। भावना तथा भावना–संदेश की ओर से उन्हें बधाई। अपने ग्राम की महिलाओं के उत्थान के लिए श्रीमती मंजूश्री त्रिवेदी ने बहुत काम किया है और अब भी कर रहीं है। वे पहले भी वर्ष 2000 में इसी ग्राम–सभा की प्रधान रहीं थीं। तब उन्होंने महसूस किया था कि उनके क्षेत्र की अधिकतर महिलायें अशिक्षित हैं तथा आर्थिक रूप से विपन्न हैं। उन्होंने तभी संकल्प ले लिया था कि वे अपने क्षेत्र की अधिकतर महिलाओं को साक्षर बनाने तथा उनके योग्य रोजगार के सृजन का बन्दोबस्त करेंगी। उन्होंने अपने संकल्प के अनुरूप काम भी किया। उन्होंने प्रौढ़–शिक्षा के कार्यक्रम चलाकर महिलाओं को साक्षर बनाया। उन्हें सिलाई मशीनें दिलाईं तथा सिलाई की विधा में उन्हें प्रशिक्षित भी कराया। उन्हें चिकन तथा ज़रदोज़ी की कढ़ाई में भी प्रशिक्षित कराया तथा उनके उत्पाद की बिक्री का भी उचित बंदोबस्त कराया। श्रीमती मंजश्री त्रिवेदी के इन प्रयासों से क्षेत्र की महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक स्तर में कल्पनातीत सुधार आया है।

श्रीमती मंजूश्री त्रिवेदी को अपने ग्राम–वासियों की सेवा करने का अवसर फिर प्राप्त हुआ है। उम्मीद है कि वे अपने इस कार्य–काल में अपने ग्राम तथा ग्रामवासियों के हित की योजनायें कार्यान्वित करके उनका समग्र विकास अवश्य ही सुनिश्चित करेंगी। बुजुर्गों की राष्टीय संख्या AISCCON द्वारा वर्ष 2013 के श्रीमती सुमन अण्णा साहेब ग्वाने अवार्ड से उन्हें विभषित करते हए Best Senior Citizen (Female) (Rural Area-2013) घोषित किया गया था।

वीर बंदा बैरागी

ज्यों की त्यों धर दीनी चदरिया

मुगल बादशाह औरंगजेब के पौत्र अजीमुश्शान का पुत्र फर्रुखसियर 1713 में गद्दी पर बैठा। उसके शासनकाल में भी सिक्खों का आजादी-आन्दोलन जारी था। वीर बहादुर बंदा बैरागी अपने रण कौशल से मुगलों की नाक में दम किए थे। एक दिन बंदा बैरागी जी अपने सैनिकों सहित पकड़ लिए गए। फर्रुखसियर ने चिढ़कर हुक्म दिया कि सौ सैनिक रोज कत्ल किए जाएँ और उनके कटे हुए सिर नेजों पर टाँग दिए जाएं। 07 मार्च 1917 को सौ सैनिकों का जत्था दिल्ली के चाँदनी चौक में लाया गया और जल्लादों ने उनके सिर काटकर नेजो की नोक पर बाँध दिए। जिस स्थान पर बंदा जी कैद थे उसी के पास उन कटे हुए सिरों को लटका दिया गया। आठ दिन तक वह कत्लगाह खून से लबरेज होती रही और इस प्रकार 740 सैनिकों के कटे हुए सिर आठ दिन तक नेजों पर बिंधते-टंगते रहे। और बंदा जी के इर्द-गिर्द छिन्न मस्तकों का एक मण्डप सा बन गया जैसे **माँ छिन्नमस्ता** साकार रूप धरकर अपने वीर पुत्र की रखवाली कर रही हो। फिर बारी आई बैरागी जी की, वीर बहादुर बंदा जी की। उन्हें तो तड़पा-तड़पाकर मारना था। अतः 90 दिनों तक उन्हें तरह-तरह से सताया गया। हर बार उन्हें मुसलमान बनने के लिए कहा जाता। बन्दा हर बार 'नहीं' ही कहता रहा। तब एक दिन उनका नन्हां बेटा लाया गया। उसको मारकर उसका कलेजा बन्दा के मुँह में ठूँसने की कोशिश की गई। उस बच्चे का खून उनके चेहरे पर पोता गया। बन्दा बहादुर अडिग रहा, अविचलित। जैसे वह युग उनके वैराग्य की परीक्षा ले रहा हो। और वह सच्चे वैरागी सिद्ध हुए भी। फर्रुखसियर रोज-रोज उनकी दृढ़ता से चिढ़ता चला गया। बन्दा की आँखें निकलवा ली गई। तब भी वह चुप रहा। फिर उनके शरीर में तपती संडसियों और सलाकें भोंक-भोंक कर उनका माँस नोचा गया। बन्दा फिर भी मौन रहा। अगले दिन उनके दोनों हाथ और पैर काट दिए गए। बन्दा फिर भी मौन। उसके आस-पास टँगी 740 साथियों की खोपड़ियाँ जैसे फर्रुखसियर के उस क्रूरतम कृत्य पर अट्टहास कर रही हो। और फिर अन्तिम दिन फर्रुखसियर ने उस आत्मलीन योगी का मस्तक धड़ से अलग करवा दिया। काश्मीर की केसर क्यारियों ने उस दिन अपने उस वीर बेटे को श्रद्धांजलि देने के लिए कितनी देर तक केसर उछाली थी। काश्मीर घाटी के फूल उस दिशा में उड़ते हुए देखे गए। राजौरी अपनी उस अनोखी औलाद के लिए जार-जार रोई थी। उसकी याद में आज भी वहाँ कुछ सुर्ख फूल उगते हैं रक्तवर्णी पुष्प, क्योंकि उस वीर बहादुर बेटे ने अपनी देहरूपी चादर उस घोर दमन और दासता के काल में भी कभी मैली नहीं होने दी. एक भी दाग उस पर नहीं पडने दिया। बेदाग उतार कर रख दी थी उसने वह चादर। ज्यों की त्यों धर दीनी चदरिया।

गुरु तेगबहादुर

अन्याय के विरुद्ध

सिक्खों के नवम् पातशाह **गुरु तेगबहादुर** जी कश्मीरी पंडितों को धर्मरक्षा का आश्वासन देते हुए अपने शिष्यों सहित दिल्ली की ओर कूँच कर गए। लेकिन रास्ते में ही पकड़ लिए गए। जंजीरों से जकड़े, पिंजरे में बंद, गुरु जी को उनके तीन परम शिष्यों सहित औरंगजेब के सामने पेश किया गया। इस्लाम अस्वीकार करने पर औरंगजेब ने उन्हें मौत का भय दिखाया, तो गुरु जी ने कहा-**भय काहू को देत नहीं, नहीं भय मानत आन, कह नानक सुन रे मना, ज्ञानी ताहि पछान।** तब उन्हें विचलित करने के लिए उनके तीन परम शिष्य भाई मतिदास, भाई सती दास और भाई दयाल दास को एक ही दिन दिल्ली की चाँदनी चौक में ऐसी क्रर यातना दी गई कि स्वयं क्रूरता भी कराह उठी।

भाई मतिदास को सिर के बीचों-बीच आरे से धीरे-धीरे चीरते हुए दो टुकड़ों में काट दिया गया। मतिदास तो हँसते-हँसते मृत्यु की गोद में समा गए लेकिन हजारों नर-नारी हाहाकार कर उठे। जैसे-जैसे आरा चलता जाता लोगों में प्रतिहिंसा की आग भड़कती जाती। भाई सती दास के सम्पूर्ण शरीर को रूई में लपेटा गया और फिर आग जलाकर जिन्दा ही जला दिया गया। चमड़ी जलने से चट-चट की आवाज करती धधकती आग आसमान छूने लगी। कैसा भयानक और दारुण दृश्य था वह? स्वयं मौत भी घबड़ा जाए। पर वाह रे गुरु के शिष्य! जरा भी कराह नहीं निकली। और भाई दयाल दास को खौलते पानी में जिन्दा ही उबाल कर रेशा-रेशा अलग कर दिया। पर वे भी तडपे नहीं। शांत निर्विकार अमर हो गए।

गुरु तेगबहादुर जी अपने इस परम शिष्यों का आत्मबलिदान और अद्भुत आत्मसमर्पण सहज, समदृष्टि से देख रहे थे। निर्भयी-निश्चयी शांत भाव चेहरे पर झलकता रहा। 11 नवम्बर 1675 को उसी स्थान पर, उसी बलि बेदी पर, उसी क्रूरता के साथ, शांत-सस्मित, अटल, अविनाशी गुरु जी की गर्दन को धड़ से अलग कर दिया गया। यह सामूहिक शहादत संसार में न केवल सम्मानित हुई बल्कि इतिहास में अमरता की नई परिभाषा लिखवा गई। गरु जी हिंद दी चादर के नाम से अमर हो गए। औरंगजेब अत्याचारी. अपमानित तथा धिक्कत हआ।

सोचिए!

1. आप जवान हैं, स्वस्थ हैं, माँ लक्ष्मी की आप पर बृहद कृपा है, जवानी का ज्वार आपका शरीर सम्हाल नहीं पा रहा है लेकिन आप करती क्या हैं? न तो आप खाना पकाती हैं, न बर्तन साफ करती हैं, न झाड़ू पोंछा, न कपड़े धोना, और न घर की साफ-सफाई ही। सोने के बिस्तर तक आप नहीं बिछाती-उठातीं। अर्थात कोई भी शारीरिक श्रम का कार्य करना आपको अच्छा नहीं लगता। शारीरिक श्रम करना आप अपने स्टेट्स के खिलाफ मानती हैं। सारे काम करने के लिए अलग-अलग नौकर-चाकर लगे हुए हैं। तो फिर आप करती क्या हैं दिन भर? हर समय कुछ न कुछ खाते रहना, टीवी देखना, गप्पे लड़ाना, क्लब या किटी पार्टी, अथवा बिस्तर पर पड़े रहना? नौकरों या बेचारे पति को डाँटते रहना? सास-ससुर को झिड़कते रहना? या कभी-कभी पर्स ढीला करने के लिए मार्केटिंग? तो स्पष्ट समझ लीजिए कि आप स्वयं मोटापे और अन्य ढेर सारी बीमारियों को खुला निमंत्रण दे रही है। आप पर मां लक्ष्मी की कृपा-दृष्टि नहीं बल्कि कोप-दृष्टि है। ये आपके परिवार की सारी कमाई नौकरों और डाक्टरों के नाम लिख चुकी हैं और आपका बढापा बरबाद करने पर आमादा है। सोचिए! और बार-बार सोचिए! इतनी आरामतलबी से आपको क्या मिल रहा है?

2. हाथ में पानी का पाइप लिए फर्श, आंगन, द्वार, पर पानी की बौछार लगाते हुए, पड़ोसन से बतियाते हुए या पति अथवा नौकरों को डांटते हुए आप धुलाई करती/कराती जा रही है। क्या वास्तव में उस स्थान की सही धुलाई हो रही है? केवल धूल को पानी के साथ बहा रही है। असली गंदगी तो अभी तक जमी हुई है, वहीं की वहीं। जिस धूल को आपने सैकड़ों लीटर पानी बहाकर, बहाया है वह तो मात्र सुखी झाड़ू लगाने से भी साफ हो जाती है और साथ में यह जमी हुई गंदगी भी जिसे आप इतना पानी बहाकर भी हटा नहीं सकी। साथ में आपकी शारीरिक मेहनत भी होती और उस कार्य में लगे नौकर का वेतन भी बचता। पर झूठी शान क्या करवा रही है आपसे? पहले झाड़ू से ऊपरी धूल साफ करने के बाद जो धुलाई केवल 5-10 लीटर पानी में हो सकती थी उसके लिए आपने सैकड़ों लीटर पेयजल बरबाद कर दिया। सोचिए! एक बार फिर से सोचिए! क्या यह उचित है? अगर आपके घर की केवल एक दिन के लिए ही जल आपूर्ति बंद कर दी जाये तब? जहां पानी की किल्लत है और लोग तालाब तक का पानी पीने को मजबूर हैं वहां आपको एक दिन के लिए ही सही, रहने के लिए भी भेज दिया जाये तब? उस समय आपसे पूछा जाय शुद्ध पेयजल की कीमत या उसका महत्व? क्या आप उस समय भी उसी पेयजल से अपने घर-आंगन की धूल को बहाना पसंद करेंगी? उन लोगों से पूछिए पेयजल क्या होता है, किस प्रकार मिलता है, जो जोहड़ो के पानी को कपड़े से छानकर पीने को मजबूर हैं। आप अपने घर आंगन को पहले सूखी झाड़ू से क्यों नहीं साफ करती/करातीं? अधिकांश गंदगी तो झाड़ू से ही साफ हो जाएगी। उसके बाद पोंछा लगवाइए। फिर भी अगर धुलाई की आवश्यकता है तब उसकी कम से कम आवश्यक पानी से धुलाई कराइए। इससे फर्श भी पहले से अधिक साफ होगा और पानी की भी न्यूनतम बरबादी होगी। हां! शारीरिक श्रम थोड़ा ज्यादा अवश्य करना पड़ेगा। लेकिन इससे आपकी सेहत ही न ज्यादा अच्छी रहेगी बल्कि आप हमेशा 'लिन व थिन' भी बनी रहेंगी और दिखेगी भी ज्यादा स्मार्ट! पानी की कीमत पहचानिए। उसे बर्बाद मत करिए। पानी बचाइए और साथ में अपनी सेहत भी।

महिलाएं करें झाड़ू पोंछा

बुढ़ापे में मूत्राशय को मजबूत रखना है तो झाड़ू-पोछा के साथ ही अपने को मोटा होने से बचाएं, क्योंकि महिलाओं के लिए मोटापा बुढ़ापे में पेशाब पर अनियंत्रण की परेशानी खड़ी कर सकता है। इसे डाक्टरी भाषा यूरनरी इंकाटीनेंश कहते हैं जिसमें जरा सी छींक या खांसी आने पर पेशाब टपक जाता है। प्रो. अनीस श्रीवास्तव ने बताया कि सर्जरी से बचने के लिए पेशाब रोकने की (पेल्विस) एक्सरसाइज करनी चाहिए। दोनों जांघ के बीच तकिया लगाकर दबाना चाहिए इससे पेल्विस फ्लोर की मांसपेशी मजबत होती है। (दैनिक जागरण-5.3.2016)

जल की मौत

किसी पहाड़ी चोटी पर शीत ऋतु में झरते हुए तुषारकण धीरे-धीरे जमते हुए एक बृहत अण्डे के रूप में ग्लेशियर बनते हैं। जिस प्रकार एक इनक्यूबेटर में रखा अण्डा 'जीवन' बनता है उसी प्रकार ग्लेशियर में जमा जल का यह अण्डा जरा सी गरमी पाते ही जल के रूप में परिवर्तित होकर बह निकल पडता है और जैसे-जैसे उसमें गतिज ऊर्जा बढती जाती है वैसे-वैसे उसमें

जीवन का जोश बढ़ता जाता है।

जल जितने वेग से आगे बढ़ता है उतनी ही गतिज ऊर्जा उसमें भरती चली जाती है। बड़े से बड़े पहाड़ भी उसे रोक नहीं पाते। वह उनके सिर पर कूदता-फाँदता, निर्झर बनकर बह निकलता है। परन्तु जब यही जल, शहरों की नालियों में बहता है तो सड़े-गले पत्ते, पॉलीथीन की थैलियाँ तक उसका रास्ता रोकने पर आमादा हो जाती हैं। यही जल जब गति शून्य हो जाता है तो पोखर/तालाब में सड़ता हुआ अपने शरीर से उठती हुई सड़ाँध को स्वयं पीने को मजबूर होता है। तब वह स्वयं भी सड़ता है और वातावरण को भी सड़ाता है। धीरे-धीरे जमीन उसे सोखती चली जाती है। शरीर काला पड़ता चला जाता है। जल की मौत हो जाती है और अंत में बचती है उसकी अवशेष, काली मिट्टी के रूप में। काली मिट्टी ही मृत्यु को प्राप्त जल के फॉसिल्स है। गति हीनता का यही अंजाम होता है, सड़न और मौत। जल प्रकृति का जीवन है और गति, जल की जीवन है। गति न हो तो सब कछ समाप्त। अत: जल हमें सिखाता है कि चलते रहिए जब तक जीवन है। रुकिये कभी नहीं। कहीं नहीं।

होली

भंग चकाचक पिसी हुई का, निगला जब भी गोला।
ऐसा चढ़े सुरूर हमें तब, होली लगती होला।
बमबम भोला, बोलो भोला।
जैसे भंग उतरती नीचे, अपना रंग जमाती
जितना नीचे उतरे, उतना, ऊपर चढ़ती जाती
जैसे लेकर आलिंगन में, स्वर्ग परी दुलराती
जैसे सागर की लहरों पर, दुनिया तैरी जाती
स्वर्ग हथेली में ज्यों अपने, मुट्ठी में भूगोला।
ऐसा चढ़े सुरूर हमें तब, होली लगती होला।
बमबम भोला, बोलो भोला।
घरवाली भी साली लगती, साली भी घरवाली
दोनों लगती घुटी भंग सी, क्या गोरी, क्या काली
शरमाती, कंगन खनकाती, जब वे देती गाली
होती तबियत हरी हरी, वे, लगती मधु की प्याली
भर पिचकारी अँखियन मारें, भीगे मनवा चोला।
ऐसा चढे सरूर हमें तब. होली लगती होला।
बमबम भोला, बोलो भोला।
रंग से भरी बाल्टी लातीं, रहरह कमर लचकती
फिर मुस्काती, लजियाती सी, हम पर रंग छिड़कतीं
एक पकड़ती हाथ हमारे, दूजी गाल चुटकती
हमसे बचने को फिर दोनों, नीचे मेज दुबकती
हाथ पकड़ आ जाती जब वे, मचता हल्ला-होला।
ऐसा चढ़े सुरूर हमें तब, होली लगती होला।
बमबम भोला, बोलो भोला।
पकड़ कलाई साली की जब, रंग गाल पर मलते
उतरे धरती पर ऋतुराजा, रक्त कमल से खिलते
मन के सब संगीत-वाद्य तब, सातों सुर में बजते
मस्ती उनकी देख देख कर, झूम झूम हम नचते।
जली-भुनी सी तब घरवाली, बन जाती है शोला।
ऐसा चढ़े सुरूर हमें तब, होली लगती होला।
बमबम भोला. बोलो भोला।

अमर नाथ

भावना-अध्यक्ष का संदेश

भावना-संदेश के गत् अंक के बाद से उत्तर प्रदेश सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। ''माता पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम'' के प्राविधानों को लागू करने का काम पूरे प्रदेश में तेजी से चल रहा है। 14 मार्च, 2016 को राज्य की मंत्रिपरिषद ने वरिष्ठ नागरिकों के सम्यक कल्याण हेतु ''राज्य-नीति'' भी अनुमोदित कर दी है। उसी दिन मासिक वृद्धावस्था पेंशन में 100 रुपए की बढ़ोतरी भी घोषित कर दी गई। यह सब इसीलिए सम्भव हो सका है क्योंकि सरकार को पर्याप्त संकेत मिल गए हैं कि प्रदेश के वरिष्ठ नागरिक अब संगठित हैं। यह उपलब्धि आपकी है। आपको बधाई।

आपको. आपके परिजनों को एवं आपके इष्ट-मित्रों को होली की हार्दिक शभकामनायें एवं बधाई।

विनोद कमार शक्ल

An Expert Legal Advice

Col R N Kalra (Retd.)

Wanted to highlight one very important aspect. In ordinary course we keep issuing and submitting our KYC documents (identity and residential proofs..such as PAN card, electricity bill etc.) to various people. For housing or car or other loans, bank accounts,or even for buying new sim card we submit these documents...

At almost all these places they ask for self certification on these documents. We immediately sign those documents and hand over. Just imagine your self certified copies are freely available in the hands of such persons & those documents can be used by him for EVERYTHING!!!

Its really serious and its been seen that in most of the terrorist activities, KYC documents are sourced from the SIM card sellers.

Hence, please inculcate a 'HABIT' of writing the date and purpose for which you are submitting the self certified KYC Documents so that those documents cannot be used again.

Please share this as much as possible Forwarded as I felt it's very important to write the date and purpose, which we never do while submitting KYC documents...

Here after wards sign as
1..........signature
2..........Date
3.........Purpose
4.........and not to be used for other purpose

Most of us may be aware of it. You may however like to keep your friends apprised as well.

केन्द्र सरकार द्वारा जारी की गई नई योजनाएँ

सुकन्या समृद्धि योजना

खाते का खोला जाना : खाता नैसर्गिक या विधिक संरक्षक द्वारा बालिका के नाम से उसके जन्म लेने से 10 वर्ष तक की आयु प्राप्त करने तक खोला जा सकता है।

दस्तावेजों की आवश्यकता : 1) बालिका का जन्म प्रमाण पत्र। 2) नैसर्गिक या विधिक संरक्षक का पहचान पत्र।

मुख्य विशेषता

◦ प्रारम्भिक जमा रकम रु. 1000/- । ◦ एक वित्त वर्ष में न्यूनतम रु 1000/- के अधिकतम रु 15000/- की राशि रु. 100/- के गुणक में जमा की जा सकती है। ◦ खाते में राशि इसे खोलने की तारीख से 14 वर्ष पूर्ण होने तक जमा की जा सकती है। ◦ आयकर में छूट का प्रावधान। ◦ बालिका के शिक्षा एवं शादी हेतु उसके 18 वर्ष की अवस्था के बाद 50 प्रतिशत आंशिक निकासी की सुविधा। ◦ खाते को भारत के किसी भी डाकघर में अंतरण करवाया जा सकता है। ◦ खाते पर 9.1 प्रतिशत की उच्च दर से वार्षिक ब्याज।

परिपक्वता : खाता खोलने की तारीख से 21 वर्ष बाद या बालिका के विवाहोपरान्त बंद किया जा सकता है। ◦ रु. 1000/- प्रतिमाह के दर से 14 वर्ष में जमा राशि रु 168000/- व 21 वर्ष पर्ण होने पर परिपक्वता की अनमानित राशि रु. 642091/- होगी

शर्ते : एक बालिका के नाम पूरे भारतवर्ष में केवल एक ही खाता खुलवाया जा सकता है।

◦ एक माता-पिता/वैधानिक संरक्षक द्वारा अधिकतम दो बालिकाओं का खाता खलवाया जा सकता है।

Hkkouk d 16o okf"kZd vf/kos'ku dh dN >yfd;k vkj fy, x, fo'ks"k fu.k;A

Hkkouk dk 160k okf"kZd vf/kos'ku 28 Qjojh&2016 dk Lefr Hkou i{kkxg] vkj&6@7 foiy [k.M] xkerhuxj] y[kuÅ e lEiUu gvkA Hkkouk d v/;{k Jh foukn dekj 'kDyk] e[; vfrfFk U;k;efr Jh fo".k lgk; th]Hkkouk d lj{kd U;k;efr dju yky 'kek th rFkk 80$vk; ikIr ekuuh; fof'k"V lnL; Jh je'kpUnz 'kek] vkthou lnL; Jh fot;dekj ekFkj] Jh jtuhdkr th] ,o Jh [ktku pUnz th u ep ij vkluxg.k dju d ckn nhi iTTofyr djd lnu dh dk;okgh ikjEHk dh xbA epklhu O;fDr;k dk Lokxr ,o ekY;ki.k dju d ckn Hkkouk d ldYixhr dk lkefgd lLoj xk;u fd;k x;kA ie[k egklfpo th dh vuifLFkfr d dkj.k mud }kjk r;kj dh xbl fefr dh okf"kZd fjikV dk okpu miegklfpo Jh noUn Lo:lk 'kDy th }kjk fd;k x;kA lfefr d 80$ vk; ikIr ekuuh; lnL; Jh;r Jh je'kpUnz 'kek] Jh fot; dekj ekFkj] Jh jtuhdkr th] ,o Jh [ktku pUnz th dk e[; vfrfFk th }kjk ekyk ,o 'kky igukdj lkotfud vfHkuUnu fd;k x;kA Jherh mek 'kf'k feJ ,o Jh f'ko ilkn vxoky th fdUgh dkj.kk o'k ugh vk ld Fk yfdu mUdk Hkh lEekfur fd;k tkuk FkkA rnuUrj fuEufyf[kr inkf/kdkfj;k dk mud }kjk fd, x, mRd"B dk;k gr lEekfur fd;k x;kA

1- Jh vjfoUn dekj xk;y mik/;{k dk lokÙke dk; grA

2- Jh vfuy dekj 'kek v/;{k ,u-lh-vkj-'kk[kk dk vf/kdre 28 fof'k"V rFkk 2 vkthou lnL; cuoku grA

3- Jh foukn dekj 'kDy v/;{k dk vf/kdre nkujkf'k 1]39100 ,df=r dju d fy,A

4- Jh txr fcgkjh vxoky egklfpo i'kklu dk 64000 #i; nkujkf'k ,df=r dju d fy,] rFkk l;ktd f'k{kk lgk;rk idk"B dh gfl;r l vfr mÙke dk; gr vyx&vyx nk ijLdkj fn, x,A

5- Jh vejukFk] lEiknd Hkkouk idk'ku] l;ktd vukipkfjd f'k{k.kdUn rFkk lnL; gYiykbu idk"B dh gfl;r l vfr mÙke dk; grA

6- Jh rxukFk dukft;k miegklfpo dk l;ktd fu/ku tu lok idk"B e vfrmÙke dk; grA

7- Mk-ohjUn cgknj flg l;ktd fof/k idk"B dh gfl;r l vfr mÙke dk; grA

8- Jh nodhuUnu 'kkUr dk lkLdfrd dk; idk"B d l;ktd rFkk ie[k dk;Øek d d'ky lpkyu grA

mDr d vfrfjDr fuEu fyf[kr inkf/kdkfj;k d dk;k dh lkotfud ljkguk Hkh dh xb&

nkujkf'k ikIr dju d fy,& Jh txekguyky o'; ¼#-36400½ Jh vjfoUn dekj xk;y ¼#-33600½] vkLFkk o) jkx fpfdRlky; ¼#-25000½-Jh euktdekj xk;y¼#-21410½] U;k;efr l/khjpUn oek ¼#-20000½] Jh lej vxoky ¼#-18200½]Jh ujUndekj jLrkxh ¼#-17130½] Jh je'kpUn frokjh ¼#-16200½] U;k;efr dey'ojukFk ¼#-11000½] ik-lnhi dekj¼#-11000½] Jh ftrUn ukFk ljhu¼#-10000½] Jh l'khydekj vxoky ¼#-10000½] rFkk ,l-lh-eekfj;y VLV ¼#-10000½

u, lnL; cuoku d fy,& Jh foukn dekj 'kDy ¼8 fof'k"V rFkk2 vkthou½-Jh noUnLo:lk'kDy¼4 fof'k"V½-Jh foukn pUn xx ¼2 fof'k"V½-Jh jkd'kdekj tu¼2 fof'kV½-Jh lR;no frokjh¼2 fof'k"V½-Mk-ujUn no¼2 fof'k"V½-Mk-ohjUn cgknj flg¼2 fof'k"V½-Jh ;kxUn irki flg¼2 xkeh.k lLFkkxr rFkk 3 vkthou½-Jhfo'oukFk flg¼1 xkeh.k lLFkkxr rFkk 3 vkthou½-Jh/keohj flg¼1xkeh.k lLFkkxr½-Jhvejukfk¼3vkthou½-Jh vkfnR;idk'k flg ¼2vkthou½- Jh ie'kdj xkre ¼1vkthou½-Jh f'ko'kdj ilkn 'kDy¼1vkthou½-

ic/kdkfj.kh cBdk rFkk gkyh feyu lekjksg dk 0;;Hkkj ogu dju d fy,& Jh foukn dekj 'kDy] Jh ie'kdj xkre] Jh v#.kdekj] Jh jktno Lo.kdkj] Mk-l'khy dekj feÙky] Jh txekguyky tk;loky] Jh ;kxUn irki flg] Jh je'kilkn tk;loky] Jh fo'oiky fuxe] Jh fefFky'k dekj >k] Jh iHkkrfdj.k pkjfl;k] Jh nodh uUnu 'kkUr] Jh mn;Hkku ik.M;] Jh l'khy dekj 'kek]Jh v'kkd dekj]Jh iekn dekj xlrk] Jh v'kkd dekj eYgk=k] Mk-;nukFk flg Hknkfj;k]Jh lj'k pUn cãpkjh] Mk-Nnkyky oek] Jh v'kkddekj vjkjk] Jh lriky flg] Jh lR;ukjk;.k xk;y] Jh'kyUn frokjh] duy jktUn ukFk dkyMk] Jh vkfnR;idk'k flg] Jh lejpUn vxoky

fQft;kFkih dUn rFkk M&d;j lUnj dk Hkou miyC/k djku d fy,& Jh lej vxoky th }kjk viu ird edku dk Hkry mDr dk; gr fu'kYd miyC/k djk;k x;k gA

e[; vfrfFk ekuuh; U;k;efr Jh fo".k lgk; th dk mnck/ku& e ;g n[kdj vR;Ur vk'p; pfdr g fd Hkkouk dk ;g okfÔd vf/ko'ku fu/kkfjr le; ij gh ikjEHk gk x;k gA le; dh bruh ifrc)rk de gh vk;ktuk e n[ku dk feyrh gA Hkkouk viu lnL;k d ek/;e l lekt lok dj jgh gA blI mudk eu lr"B ,o iQfYyr gkrk gkxk rFkk fujk'kkoknh fopkj mud ikl vk Hkh ugh ikr gkxA blh fy, bl lLFkk l tM ctxk e bruk mRlkg rFkk bruh rktxh n[ku dk fey jgh gA Hkkouk d lnL; nljk dh ihMk dk viuh ihMk le>dj dke djr g blhfy, bud vUnj bruk vf/kd lokHkko gA

vf/ko'ku d vkUrfjd l= e Hkkouk d 150 vf/ko'ku dh dk;okgh fooj.k vuekfnr fd;k rFkk oÔ 2016&17 gr ctViLrko ,o pkVM ,dkmUVV }kjk fujh{kr cyUl 'khV rFkk vk;0;; y[kk ikfjr fd;kA¼dk;k n[k i"B l[;k 56& Hkkouk d lfo/kku dh fu;ekofy e ckjgok l'kk/ku Lohdkj fd, x;kA ¼dk;k n[k i"B l[;k&57 ½

[ky l= e& ie[k egklfpo d ifronu e fufgr lHkh fcUnvk ,o iLrkok dk vuekfnr fd;k x;kA

Hkkjrh; ofj"B ukxfjd lfefr dh ub ic/kdkfj.kh gr puko vf/kdkjh Jh uj'kpUn jLrkxh }kjk u, inkf/kdkfj;k d fufojk/k fuokpu dh ?kkÔ.kk dhA uo fuokfpr inkf/kdkjh bl idkj g&

v/;{k&Jh foukndekj'kDy] ofj"B mik/;{k&Jh l'khy'kdj lDluk] mik/;{k&Jh vjfoUn dekj xk;y] ie[k egklfpo& Jh jkeyky xlrk] egklfpo i'kklu& Jh txrfcgkjh vxoky] egklfpo dk;kUo;u& Jh ;kxUnirki flg] egklfpo ,Mokdlh& Jh v'kkddekj eYgk=k] pkj mi egklfpo& Jh lrikyflg] Jh noUnLo:lk 'kDy] Jh jekdkr ik.M; ,o Jh txekgu yky tk;lokyA dkÔk/;{k&Jh ie'kdj xkre] lgdkÔk/;{k&Jh vkfnR;idk'k flg] lEi{kd &Jh euktdekj xk;y] rFkk Ng ic/kdkfj.kh lnL;& Jh lHkkÔpUn fo|kFkh] Mk-ujUn no] Mk-Nnkyky oek] Jh jktno Lo.kdkj] Jh l'khydekj 'kek] Mk-ohjUn cgknj flgA

16o vf/ko'ku d [ky l= d e[; vfrfFk dk lf{klr ifjp;

U;k;efr Jh fo".k lgk; th

tUe&30-12 1942

fof/k Lukrd cudj 21 vxLr1968 dk ,MokdV d :i e ithdr g,A

bykgkckn mPp U;k;ky; dh y[kuÅ cp e fdfeuy yk rFkk eMj vihy d tt d :lk e dke fd;kA

01 Qjojh 1994 dk bykgkckn mPp U;k;ky; d LFkk;h tt d :i e fu;Dr fd, x,A rFkk 21 Qjojh 1994 dk ckEc gkb dkV dk LFkkukUrfjr fd, x, tgk l 08 viy 2002 dk bykgkckn mPp U;k;ky; e iu% fu;Dr fd, x,A 28 uoEcj&2004 dk dk;okgd e[; U;k;k/kh'k cuk; x; vkj blh in jgr g,29 fnlEcj 2004 dk lokfuoÙk g,A

Resolutions Passed in BHAVANA's 16th Annual Convention

1. Considering that the number of senior citizens (age 60+) inthe country is increasing fast that will grow to 32.6 crores in 2025 and that 2/3rd of the country's elderly population is financially weak and 11% very old (age 80+) who need economic and healthcare support, and that the interests of present 10 crore senior citizens population in the country need to be loooked after better both at the Centre and the States, the convention requests the **Honorable Prime Minister of India to create an cxclusive Ministry for Senior Citizens and to appoint a National Commission on Older Persons. Similar organizational structure should be replicated at the state level too.**

2. Noting that one of the important reasons for State governments not implementing the welfare schemes meant for senior citizens is the absence of a clear cut communication channel between the governments [both Central and State], and the beneficiaries, and considering the inability to fully mobilize senior citizens particularly at the grass root level and thus build effective pressure groups which is a healthy requirement in a democratic environment, and considering that very often many politicians, bureaucrats and even senior citizens themselves are not fully aware of the policies and programmes for their welfare due to their inadequate dissemination, and considering that BHAVANA is the largest and most vibrant registered representative the important problems of senior citizens in U.P., and considering that it has held regular annual conventions during the last sixteen years in Lucknow, the capital of U.P. to create awareness among senior citizens, the Convention requests the **Honorable Minister for Social Welfare, U.P. to recognize BHAVANA as the State Level Association of Older Persons** as recommended in para 96 of NPOP 1999 to mobilize senior citizens, articulate their interests, promote and undertake programmes and activities for their well being and to advise the state government on all matters relating to senior citizens.

3. Considering that Senior Citizens are prone to many health problems and their financial resources anre on the decline day by day due to inflation, the convention resolves that both state and central governments should be urged to provide Health Insurance to all senior citizens as mandated in NPOP adopted by government of India in 1999.

a) Any **Health Insurance** Scheme that may be implemented must confirm to minimum requirements given below :

• Premium must be very modest and should not go on increasing with age.

• There should be no entr [at least for the first 3 to 5 years] or exit restrictions.

• There should be no restriction for pre-existing diseases.

• This should be fully subsidized for BPL and on graded premium sharing basis to APL senior citizens.

• There should be no restriction of family size.

• Coverage should be reasonable amount say Rs. five lakhs on a floater basis.

• **Aarogyasri** of Andhra Pradesh meets all the requirements mentioned above and this scheme should be replicated in all states, failing which, is RSBY is expanded to all states then the coverage should be raised from Rs. 30000 to 1 Lakh and the restriction on family size should be removed.

b) To urge GO1 to come up with a comprehensive scheme to take care of senior citizens belonging to BPL category, suffering from terminal illness lile; Alzhimer's disease, Cancer etc by providing palliative care, reservation of beds, home care financing etc.

c) To implement **National Program of Healthcare** for the Elderly (NPHCE) fully in letter and spirit and in all districts of the Country.

4. Considering that senior citizens are physically weak and financially not sound due to high costs of inflation, the Convention rquests the Honorable Minister for Railways to;

• Allow **50% concession in TOTAL** train fare to male senior citizens also as has been already done in the case of women senior citizens.

• Extend the Concession for Tickets bought under Tatkal Quota also.

• Consider Very Old Persons (age 80+) as disabled and therefore allow the facility of one accompanying free assistant/attendant.

• Provide, in suburban trains, special compartments for senior citizens (similar to ladies, disabled etc.)

• Provide at all major railway stations amenities like : lifts, elevators, ramps, porters, wheel chairs etc.

• Provide for separate Qs with seating arrangements for senior citizens while booking tickets at railway tickets booking windows.

• Railway Reservation charges while booking tickets must be removed for senior citizens.

• Under-passes should be built at all railway stations having two or more platforms. At Lucknow(NR) station, the already existing under-pass should be extended to platforms nos. 6 & 7 also.

. Considering that senior citizens are physically weak and financially not sound due to high costs of inflation, the convention request the Honorable **Minister for Raod Transport, U.P.** to Allow 50% concession in Total bus fare to senior citizens (age 60+)

• Consider Very Old person (age 80+) as disabled and therefore allow the facility of one accompanying free asssistant/attendant.

• All seats in buses shouls be treated as reserved for senior citizens. Bus conductors and drivers must get seats vacated to get senior citizens properly seated.

6. Considering the inflationary pressure faced by the senior citizens, high cost of medicines forming a major part of health expenditure, this convention unanimously resolved and requests the **Union Minister for Chemicals and Fertilizers** to promote the availability of low cost **generic medicines** of essential drugs by

• Promoting Generic medicines outlets in all States.

• Insisting on doctors prespcpribing generic medicines only where-ever available.

• Insisting on printing reasonable/affordable MRP on generic medicine packages.

• Implement "Free medicines distribution through government hospitals" scheme recently announced by the GOI, fully in letter and spirit throughout India.

• Bring all the 348 drugs identified as the essential drugs under the price control regime.

7. Considering that most senior citizens up to the age of 75 remain healthy and active, their experience and knowledge are assets to the society, this convention resolves and requests the **Ministry of HRD and Ministry of Labour** to consider raising the retirement age of government employees to 65 years.

8. Considering that, even after seven years of

enactment by the parliament many state governments are yet to notify (accept), the Maintenance and **Welfare of Parents and Senior Citizens Act 2007** or to fully operationalize the Act, by framing Rules under the Act, Setting up Tribunals. Announcing Maintenance officers etc., this convention resolves and requests the **Ministry of Social Justice and Empowerment** to vigorously **pursue all state government to fully implement the Act** in all respect expeditiously and give the provisions in the Act adequate publicity both in print and electronic media.

9. Considering that financial resources of senior citizes keepdepleting day by day on account of inflation and that their major sources of income are only pensions or lifelong savings during low cost economy yeaers. the convention resolves to urge the **Ministry of Finance** to make the following changes in **Direct Taxes Code** ;

a) Income Tax Exemption for Senior Citizens should be at least Rs. 5.00 Lakhs for the age group of 60 to 80 years and complete tax exemption for 80+

b) Senior citizens should be fully exempted from the purview of **Tax Deduction at Source** for interest Income on Deposits.

c) Persons who take care of senior citizens should be given concession in Income Tax.

10. Considering that a large number of senior citizen retirees are pensioners from central/state governments and from PSUs and that there are a number of perennial unsolved issues relating to their pensions and post retirement benefits, this convention resolves to request the **Ministry of HRD, Ministry of Finance, Ministry of Defence and Ministry of Labour and Emloyment and other relevant ministers to seek remedial measures as follows :**

(b) In line with **Universal Pension** Principle promoted by Aruna Roy and others, grant **Minimum Universal Pension of Rs. 2000/- or 50% of minimum wage** (whichever is more) per month per person, to all 60+ senior citizens in both unorganized & organized sectors with the provision of automatic revision of the quantum corresponding to minimum wage & inflation.

(b) Removal of disparities : • Remove disparities in revision of pension within the homogenouce groups of pre 2006.

• Remove among defence pensioners, disparities between uniformed sector and civilian sector.

(c) Restore **Commuted Portion of Pension** of all Central/State/PSU pensioners in 12 years as was recommended by 5th CPC instead of present 15 years.

(d) Additional old age pension to all supernnuated Central/State/PSU pensioners in 12 years as was recommended by 5th CPC instead of present 15 years.

11. Noting that the working Group on Social Welfare has made extensive recommendations to the then **planning Commission** with specific reference to senior citizens welfare for 12th Five Year Plan including clear budget proposals for Old Age Homes, RSBY, Old Age Pension, National Institute of Ageing, Helplines, National Council of Senior Citizens, separate department for senior citizens etc and appreciating the efforts taken by the working group regarding senior citizens welfare for the first time. This convention resolves to request the **Neeti Ayog NOT To DILUTE the recommendations of the working group** in any way but to push the agenda forcefully with concerned ministers for complete implementation of all recomendations.

(Remaining on Page 31)

वर्ष 2016-17 के बजट प्रस्ताव

प्रस्तावित बजट में 100 नए आजीवन सदस्य, 50 आजीवन स्पाउस सदस्य, 25 विशिष्ट सदस्य, 25 विशिष्ट स्पाउस सदस्य. 2 संस्थागत सदस्य, 5 ग्रामीण संस्थागत सदस्य तथा 10 वॉलन्टियर सदस्य बनाए जाने का संकल्प है।

प्रस्तावित आय रुपए में :

1.	वर्ष 2015-16 का अवशेष		579032.00
	अ. बैंक में फिक्स डिपाजिट - लखनऊ में	328492.00	
	- ओबरा में	100540.00	
	ब. बचत खाते में एवं नगद अवशेष (अनमानित)	150000.00	
2.	100 नये आजीवन सदस्य	100 x 2500.00	250000.00
3.	50 नये आजीवन स्पाउस सदस्य	50 x 500.00	25000.00
4.	25 नये आजीवन विशिष्ट सदस्य	25 x 6000.00	150000.00
5.	25 नये आजीवन विशिष्ट स्पाउस सदस्य	25 x 1000.00	25000.00
6.	2 नये संस्थागत सदस्य	2 x 6000.00	12000.00
7.	5 नये ग्रामीण संस्थागत सदस्य	5 x 2000.00	10000.00
8.	10 नये वॉलन्टियर सदस्य	10 x 1500.00	15000.00
9.	भावना संदेश शुल्क एवं विज्ञापन		200000.00
10.	समिति के विभिन्न कार्यक्रमों के लिए सम्भावित दान		500000.00
11.	शिक्षा सहायता योजना के लिए सम्भावित दान		300000.00
12.	डे-केयर केन्द्र में आने वाले सदस्यों से प्राप्त शुल्क	(12 x 250 x 50)	150000.00
13.	स्थापना दिवस एवं वार्षिक अधिवेशन से प्राप्त पंजीकरण शल्क	(100 x 300)	30000.00
		कल सम्भावित आय	**2246032.00**

प्रस्तावित व्यय रुपए में

1.	कार्यालय स्टेशनरी	70000.00
2.	टाईप/फोटोकापी	70000.00
3.	डाक टिकट/कोरियर/फैक्स	70000.00
4.	प्रचार-प्रसार सामग्री	60000.00
5.	टेलीफोन किराया	9000.00
6.	डाक रनर /चपरासी (पूर्णकालिक)	60000.00
7.	कार्यालय सहायक (पूर्णकालिक)	60000.00
8.	वार्षिक अधिवेशन पर व्यय	60000.00
9.	भावना-संदेश का प्रकाशन	60000.00
10.	मासिक विचार गोष्ठियों पर व्यय	25000.00
11.	चार्टर्ड एकाउन्टेण्ट की फीस	20000.00
12.	वेबसाइट का रख-रखाव	20000.00
13.	स्थापना दिवस एवं शिक्षा सहायता राशि वितरण समारोह पर व्यय	60000.00
14.	कार्यालय भवन किराया	0.00
15.	कार्यालय हेतु विद्युत व्यवस्था	0.00
16.	डे-केयर केन्द्र की सज्जा पर होने वाला व्यय:	120000.00
	अ. फर्नीचर	25000.00
	ब. टी.वी. एवं डी. वी. डी. प्लेयर	40000.00
	स. ए.सी.	30000.00
	द. कारपेट,परदे आदि	25000.00
17.	डे-केयर केन्द्र के संचालन पर होने वाला व्यय:	150000.00
	अ. केयर टेकर कम कम्पयटर आपरेटर	72000.00
	ब. चपरासी/अटेन्डेण्ट	60000.00
	स. समाचार पत्र तथा पठनीय सामग्री	12000.00
	द. विद्युत व्यय तथा अन्य आवश्यक रखरखाव के व्यय	6000.00
18.	अन्य प्रकीर्ण व्यय	25000.00
	कल व्यय	**939000.00**

विभिन्न सेवा कार्यक्रमों पर व्यय

1.	भावना कम्पेनियनशिप	5000.00
2.	भावना हेल्पलाइन	5000.00
3.	भावना सेकेण्ड कैरियर	2000.00
4.	भावना सांस्तिक कार्य प्रकोष्ठ	15000.00
5.	भावना महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ट	10000.00
6.	भावना सोशल सर्विस	200000.00
7.	भावना आध्यात्मिक सेवायें	15000.00
8.	भावना स्वास्थ्य सेवायें	80000.00
9.	भावना एजूकेशन एण्ड लिटरेसी सेवायें	30000000
	योग	632000.00
	कुल प्रस्ताविक व्यय	1571000.00

कल अनमानित बचत (22.46032.00–1571000.00)

= 675032.00

विशेष:-

1. व्यय आवश्यकतानुसार वास्तविक आय के अनरूप कम से कम किया जायेगा।
2. प्रबंधकारिणी की बैठकों का व्यय गत वर्षो की भाँति समिति के पदाधिकारियों द्वारा ही बारी-बारी से वहन किया जाना प्रस्तावित है।
3. नए प्रस्तावित कार्यक्रमों के लिये आय के अनरूप अतिरिक्त व्यय किया जाना भी प्रस्तावित है।

विचारोपरान्त सभा ने सर्वसम्मति से इन बजट प्रस्तावों को अनुमोदित कर दिया।

भावना के संविधान में नियमावली संशोधन

अध्यक्ष महोदय की अनुमति से महासचिव (प्रशासन) ने सभा के समक्ष समिति की नियमावली के बारहवें संशोधन का प्रस्ताव प्रस्तुत किया तथा सभा से अनुरोध किया कि प्रस्तावित संशोधनों पर विचारोपरान्त कृपया स्वीकृति प्रदान करने की अनुकम्पा करें। विचारोपरान्त सभा ने निम्नलिखित संशोधनों सहित सम्पूर्ण यथा-संशोधित नियमावली की स्वीकृति सर्वसम्मति से प्रदान कर दी :-

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति नियमावली. बारहवाँ संशोधन (2/2016)

नियमावली के अधोलिखित नियमों को निम्नानसार संशोधित कर दिया गया –

उपनियम 7.2 आजीवन सदस्य : जो पात्र व्यक्ति संस्था को दो हजार पाँच सौ रुपये का एक मश्त. अथवा प्रबंधकारिणी द्वारा अनुमोदित किश्तों में, भुगतान करेगा वह संस्था का आजीवन सदस्य होगा। आजीवन सदस्य की मृत्यु होने पर उसकी पत्नी अथवा उसका पति स्वत: ही संस्था का आजीवन सदस्य हो जायेगा। उस पर नियम 5 में वर्णित आय-सीमा का प्रतिबन्ध लागू नहीं होगा।

सदस्य के जीवित रहते हुए यदि उसकी पत्नी (अथवा पति) भी संस्था का आजीवन सदस्य बनना चाहे तो उसे इस हेतु आजीवन सदस्यता शुल्क के रूप में मात्र पाँच सौ रुपये का ही भुगतान करना होगा। उस पर नियम 5 में वर्णित आयु सीमा का प्रतिबंध लागू होगा।

उपनियम 7.3 विशिष्ट सदस्य : जो पात्र व्यक्ति संस्था को छ: हजार रुपये अथवा उससे अधिक धनराशि का भुगतान आजीवन सदस्यता हेतु एक मुश्त, अथवा प्रबंधकारिणी द्वारा अनुमोदित किश्तों में, करेगा वह संस्था का विशिष्ट सदस्य बनाया जायेगा। विशिष्ट सदस्य की मृत्यु होने पर उसकी पत्नी (अथवा उसका पति) स्वत: ही संस्था की विशिष्ट सदस्य हो जायेगी। उस पर नियम 5 में वर्णित आय-सीमा का प्रतिबंध लागू नहीं होगा।

सदस्य के जीवित रहते हुए यदि उसकी पत्नी (अथवा पति) भी संस्था का सदस्य बनना चाहे तो उसे विशिष्ट सदस्य बनने के लिए मात्र एक हजार रूपये तथा आजीवन सदस्य बनने के लिए मात्र पाँच सौ रुपये का भुगतान सदस्यता शुल्क के रूप में करना होगा। उस पर नियम 5 में वर्णित आयु-सीमा का प्रतिबंध लागू होगा।

उपनियम 7.5.2 – गैरसरकारी समाजसेवी संस्थाओं के लिये संस्थागत सदस्यता हेतु निर्धारित आजीवन शुल्क उनके द्वारा संस्था की साधारण सभा में उनका प्रतिनिधित्व करने हेतु नामित किए जाने वाले प्रतिनिधियों की संख्या पर आधारित होगा। भारत में जिला मुख्यालयों पर विद्यमान संस्थाओं के एक प्रतिनिधि के लिए यह शुल्क छ: हजार रुपये होगा, दो प्रतिनिधियों के लिए यह शुल्क बारह हजार रुपये होगा, तीन प्रतिनिधियों के लिए यह शुल्क अठारह हजार रुपये होगा, चार प्रतिनिधियों के लिए यह शुल्क चौबीस हजार रुपये होगा तथा पांच प्रतिनिधियों के लिए यह शुल्क तीस हजार रुपये होगा। जिला मुख्यालयों से भिन्न स्थानों पर विद्यमान संस्थाओं को ग्रामीण माना जाएगा। ग्रामीण संस्थाओं के लिए निर्धारित आजीवन सदस्यता शुल्क भी उपरोक्तानुसार प्रतिनिधियों की संख्या के आधार पर ही क्रमश: दो हजार रुपए. चार हजार

रुपए, छः हजार रुपए, आठ हजार रुपए तथा दस हजार रुपए होगा। विदेशी संस्थाओं के लिए सभी शुल्क भारत में जिला मुख्यालयों पर विद्यमान संस्थाओं के लिए लागू शुल्क के दुगने होंगे। कोई भी संस्थागत सदस्य संस्था की साधारण सभा में उसका प्रतिनिधित्व करने हेतु पांच से अधिक प्रतिनिधियों को मनोनीत नहीं कर सकेगा। मनोनीत प्रतिनिधि संस्था की साधारण सभा के सदस्य माने जायेंगे। उनके अधिकार तथा कर्तव्य संस्था के आजीवन तथा विशिष्ट सदस्यों के समान होंगे।

उपनियम 7.6 वॉलन्टियर सदस्य : संस्था के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु समय दान देने अथवा किसी भी अन्य वैध प्रकार से सहयोग देने का इच्छुक पचास वर्ष से कम आयु का जो पात्र व्यक्ति संस्था को एक हजार पाँच सौ रुपए का एक मुश्त, अथवा प्रबंधकारिणी द्वारा अनुमोदित किश्तों में, भुगतान करेगा वह संस्था का वॉलन्टियर सदस्य बन जाएगा। ऐसे सदस्य की सदस्यता पचास वर्ष की आयु पूरी होते ही स्वतः समाप्त हो जाएगी। तब उसके समक्ष एक माह के भीतर अवशेष सदस्यता शुल्क का भुगतान करके आजीवन सदस्य अथवा विशिष्ट सदस्य बन जाने का विकल्प उपलब्ध रहेगा।

उपनियम 11.1 गठन : प्रबंधकारिणी का गठन संस्था के उपनियम 7.1, 7.2, 7.3, 7.5.1 तथा 7.5.2 में परिभाषित सदस्यों में से ही साधारण सभा के बहुमत के आधार पर होगा। प्रबंधकारिणी के सदस्य संस्था के पदाधिकारी कहलायेंगे। साधारण सभा द्वारा चुने जाने वाले पदाधिकारियों की संख्या बीस होगी। इनके पदनाम निम्नवत् होंगे-

अध्यक्ष- एक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष- एक, उपाध्यक्ष- एक, प्रमुख महासचिव- एक, महासचिव(प्रशासन)- एक, महासचिव (कार्यान्वयन)- एक, महासचिव (एडवोकेसी)-एक, उप महासचिव- चार, कोषाध्यक्ष- एक, सह- कोषाध्यक्ष- एक. सम्प्रेक्षक- एक तथा सदस्य- छः।

उपरोक्त के अतिरिक्त संस्था की विभिन्न शाखाओं के शाखा अध्यक्ष तथा शाखा सचिव भी प्रबंधकारिणी के पदेन सदस्य होंगे।

संस्था के सभी संस्थापक सदस्य प्रबंधकारिणी के सदस्य जीवनपर्यन्त रहेंगे। वे प्रबंधकारिणी के स्थाई मार्गदर्शक सदस्य होंगे।

संस्था के कार्य संचालन हेतु आवश्यकतानुरूप अध्यक्ष द्वारा प्रमुख महासचिव तथा तीनों महासचिवों की सलाह से प्रबंधकारिणी में अधिकतम 30 सदस्यों को मनोनीत किया जायेगा। आवश्यकतानुसार कुछ सदस्यों को प्रबंधकारिणी में स्थाई आमंत्री के रूप में भी मनोनीत किया जा सकेगा। निर्वाचित सदस्यों, मनोनीत सदस्यों तथा मनोनीत स्थाई आमंत्रियों को कार्यभार एवं तदनुरूप पदनाम अध्यक्ष द्वारा प्रमुख महासचिव तथा तीनों महासचिवों की सलाह से आबंटित किये जायेंगे।

संस्था के सभी संरक्षक सदस्य तथा सभी विशिष्ट सदस्य प्रबंधकारिणी के मानद सदस्य होंगे, किन्तु यदि वे प्रबंधकारिणी के किसी पद पर निर्वाचित अथवा मनोनीत नहीं होंगे तो प्रबंधकारिणी में किसी विषय पर मतदान की स्थिति आने पर उन्हें तटस्थ रहना होगा।

संस्था के वॉलन्टियर सदस्यों में से आवश्यकतानुसार किन्हीं को भी प्रबंधकारिणी में, निर्वाचन से भरे जाने वाले बीस पदों को छोड़कर, अन्य किन्हीं भी पदों पर, मनोनीत किया जा सकेगा। मनोनीत वॉलन्टियर सदस्य को केवल अपने पद से सम्बंधित विषय पर मतदान का अधिकार होगा।

उपनियम 11.6 कार्यकाल : प्रबंधकारिणी के निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्ष होगा। विशेष परिस्थिति में प्रबंधकारिणी द्वारा यह अवधि एक वर्ष और बढ़ाई जा सकेगी। मनोनीत सदस्यों तथा स्थाई आमंत्रियों का कार्यकाल अधिकतम एक वर्ष होगा।

होली में भई होली में।

जवाहर लाल मधकर. चैन्नई

माँ बेटे को ले बलाइया। भौजी छेड़ नगरिया।। होली में दुनिया मुनियां गुड़िया। दुसरे बूढ़ा बुढ़िया।। होली में किसी की भीगे चुनरिया। कोई मारे पिचकरिया।। होली में माथे लगाके रोलिया। उडाये गलाल अबिरिया।। होली में रंग रही हर अटरिया। भींग रही हर गलिया।। होली में भेदभाव की नगरिया। फुटी बीच बजरिया।। होली में मेल मिलाए की बेलिया। लागे मीठी रस मलैया।। होली में देके लाख बधइया। मधकर करे गनगनैया।। होली में

Bhartiya Varistha Nagrik Samiti

507, Kasmanda Apartments, 2, Park Road, Lucknow

Balance Sheet as at 31st March 2015

Liabilities	Amount (Rs.)	Amount (Rs.)	Assets	Amount (Rs.)	Amount (Rs.)
Capital Fund -		453852.08	**Fixed Assets -**		997.00
Opening Fund	415287.70		- As per annexure "A" enclosed	997.00	
Add : Life Membership Fees					
Received during the year	37000.00		**Current Assets -**		525290.08
Add : Life Time Patrika Fee	40000.00		- Cash in Hand	17899.35	
Total	492287.70		- Balance with Sched. Banks	501028.73	
Less : Exc. of Exp. Over Income	38435.62		- In Fixed Deposit	429032.00	
			- In Saving Banks	71996.73	
Current Liabilities -		72435.00			
- Corpus for Eye & Health			- Other Current Assets	6362.00	
Camp for Obra	72435.00		- Tax Dedcted at Source	5065.00	
			- I.R.Garg	1297.00	
Total		526287.08	Total		526287.08

(Prem Shanker Gautam)
Treasurer

(Jagat Behari Agarwal)
General Secretary

As per our report of even date attached
For Kuldeep Chandra Mohan & Associates
Chartered Accountants

21-09-2015

Place : Lucknow
Dated : 21-09-2015

(CA. K.K.Srivastava)
Proprietor

Bhartiya Varistha Nagrik Samiti

507, Kasmanda Apartments, 2, Park Road, Lucknow

Depreciation Chart for the Financial Year 2014-2015

Sl. No.	Name of Fixed Assets	Rate of Dep. %	W.D.V. as on 01.04.2014 (Rs.)	Addition During the year 01.04.14 to 30.09.2014 (Rs.)	Addition During the year 01.10.14 to 31.03.2015 (Rs.)	Deletions / Sales during the year (Rs.)	Total as on 31.03.2015 (Rs.)	Cumulative Dep. up to 01.04.2014 (Rs.)	Depreciation for the F.Y. 2014-15 (Rs.)	Cumulative Dep. up to 31.03.2015 (Rs.)	W.D.V. as on 31.03.2015 (Rs.)
1.	Furniture & Fittings	10	839.00	0.00	0.00	0.00	839.00	1970.00	84.00	2054.00	755.00
2.	Medical Instrument	15	285.00	0.00	0.00	0.00	285.00	1706.00	43.00	1749.00	242.00
	Total		1124.00	0.00	0.00	0.00	1124.00	3676.00	127.00	3803.00	997.00

(Prem Shanker Gautam)
Treasurer

(Jagat Behari Agarwal)
General Secretary
भारतीय परिष्ठ नागरिक समिति

KULDEEP CHANDRA MOHAN & ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS
LUCKNOW

Bhartiya Varistha Nagrik Samiti

507, Kasmanda Apartments, 2, Park Road, Lucknow

Income & Expenditure A/c for the year ending 31st March 2015

Expenditure	Amount	Income	Amount (Rs.)
To Education Assistance Expenses (Amount donated to School's for Poor Children's education)	143000.00	By Donations	559304.00
		By Registration Fee	11200.00
		By Interest Received	41781.48
To Daridra Narain Sewa Exp. (Blanket etc. distributed to Poor People)	131460.00	By Distinguihed Membership Fee	140000.00
		By Membership Fee for Awadh / Astha Hospital	10900.00
To Annual Seminaar Exp.	12133.00		
To Salary & Wages	67600.00	By Annual Charges for Patrika	150.00
To Foundation Day Expenses	60640.00		
To Printing & Stationery	5762.00	By Excess of Expenditure Over Income	38435.62
To Publication Charges of Magazine	95180.00		
To Computer Expenses	21630.00		
To Aisccon Conference Exp.	64005.10		
To Postage, Courier & Fax Charges	14563.00		
To Audit Fee	10112.00		
To Festival Seminaar	64770.00		
To Medical & Health Camp Exp.	73560.00		
To Membership for Astha & Awadh Hosp.	12000.00		
To Typing & Photocopy Charges	19396.00		
To Membership Fee	1000.00		
To Legal Fees	3933.00		
To Depreciation on Assets	127.00		
- On Furniture & Fittings	84.00		
- On Medical Instrument for Disp.	43.00		
Total	**801771.10**	**Total**	**801771.10**

(Prem Shanker Gautam)
Treasurer

(Jagat Behari Agarwal)
General Secretary

As per our report of even date attached
For Kuldeep Chandra Mohan & Associates
Chartered Accountants

(CA. K.K.Srivastava)
Proprietor

Place : Lucknow
Dated : 21-09-2015

Bhartiya Varistha Nagrik Samiti

507, Kasmanda Apartments, 2, Park Road, Lucknow

Receipt & Payment A/c for the year ending 31st March 2015

Receipts	Amount (Rs.)	Payments	Amount (Rs.)
To Opening Balances			
- Cash in Hand	4105.35	By Education Assistance Expenses	143000.00
- Cash in Aiseeon	7696.00	By Medical & Health Camp. Exp.	73560.00
- Cash in Hand (At Obra)	7295.00	By Daridra Narain Sewa Exp.	131460.00
- Fixed Deposit Axis Bank	160235.00	By Salary & Wages	67600.00
- Fixed Deposit with BOB at Obra.	84312.00	By Annual Seminaar (AGM) Exp.	12133.00
- Balance with B.O.B., Obra	27059.00	By Foundation Day Expenses	60640.00
- Axis Bank	19657.35	By Publication Charges of Magazine	95180.00
- HDFC Bank	68173.90	By Printing & Stationery	5762.00
		By Computer Expenses	21630.00
To Life Membership Fee	37000.00	By Memb. Fee for Astha & Awadh Hosp.	12900.00
To Distinguihed Membership Fee	140000.00	By Typing & Photocopy Charges	19396.00
To Donations	559304.00	By Postage, Courier & Fax Charges	14563.00
To Aiseeon Conference	29125.00	By Audit Fee	10112.00
To Life Time Patrika Fee	40000.00	By Membership Fee	1000.00
To Interest Received	41781.48	By Legal Fees	3933.00
To Memb. Fee for Astha & Awadh Hosp.	10900.00	By Festival Exp.	64770.00
To Registration Fee	11200.00		
To Tax Deducted at Source	8573.00	By Closing Balances	
To Annual Charges for Patrika	150.00	- Cash in Hand	8990.35
		- Cash in Aiseeon	1614.00
		- Cash in Hand (At Obra)	7295.00
		- Fixed Deposit Axis Bank	328492.00
		- Fixed Deposit with BOB at Obra	100540.00
		- Balance with B.O.B., Obra	28152.00
		- Axis Bank	40463.83
		- HDFC Bank	3380.90
Total	1256567.08	Total	1256567.08

(Prem Shanker Gautam)
Treasurer

(Jagat Behari Agarwal)
General Secretary

महासचिव
भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति

As per our report of even date attached
For Kuldeep Chandra Mohan & Associates
Chartered Accountants

21-09-2015

(CA. K.K.Srivastava)
Proprietor

Place : Lucknow
Dated : 21-09-2015

भावना प्रबंधकारिणी समिति

संरक्षक, निर्वाचित, मनोनीत एवं स्थाई पदाधिकारी
(पत्रांक : भावना/प–010/अ/500, दिनांक 25.03.2016 द्वारा पुनर्गठित)

lj{kd eMy

lj{kd lnL;
ineJh Mk- lrh'k pUnz jk;
सुप्रसिद्ध सर्जन एवं पूर्व महापौर (लखनऊ)
फोन : 0522–2387875/2325974/09415007650

lj{kd ,oa fof'k"V lnL;
Jh vt; çdk'k oekZ आई.ए.एस. (से.नि.)
पूर्व मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार
फोन : 0522–2395195/09415402554

lj{kd ,oa fof'k"V lnL;
U;k;efrZ ?ku';ke nkl vxzoky
पूर्व अध्यक्ष, नेशनल इन्डस्ट्रियल ट्रिब्युनल, मुम्बई,
न्यायाधीश (से.नि.), इलाहाबाद उच्च न्यायालय
फोन : 0522–2309327

lj{kd ,oa fof'k"V lnL;
U;k;efrZ bZ'oj lgk; ekFkqj
न्यायाधीश (से.नि.), इलाहाबाद उच्च न्यायालय
फोन : 0522–2330037/09335299719
ई. मेल: ishwarmathur@hotmail.com

lj{kd ,oa fof'k"V lnL;
jkds'k dqekj feÙky
प्रमुख सचिव (से.नि.), उ.प्र. शासन तथा मुख्य संयोजक, कबीर शान्ति मिशन
फोन : 0522–2309147/2307164/09415015859
ई. मेल: rakesh_mittal_2000@yahoo.com

lj{kd ,oa fof'k"V lnL;
U;k;efrZ dj.k yky 'kekZ
न्यायाधीश (से.नि.), इलाहाबाद उच्च न्यायालय
फोन : 0522–2997299/2398857/09415560824
ई. मेल: sunil.sharma.lko@gmail.com

lj{kd ,oa fof'k"V lnL;
vkse ukjk;.k
निदेशक (से.नि.), कोषागार, उ.प्र.
फोन: 0522–3013010/09415515647
ई.मेल: omnarayan@hotmail.com

lj{kd ,oa fof'k"V lnL;
सदस्यता क्र.– एस–130/592/विशिष्ट
Jherh lquUnk çlkn] vkbZ-,-,l- ¼l-fu-½
पूर्व अध्यक्ष, राजस्व परिषद, उ.प्र.
फोन : 09839211040
ई.मेल: prasad_sunanda@hotmail.com

lj{kd ,oa fof'k"V lnL;
U;k;efrZ lq/khj pUnz oekZ
न्यायाधीश (से.नि.), इलाहाबाद उच्च न्यायालय
तथा पूर्व लोकायुक्त, उत्तर प्रदेश
फोन : 09415419439

lj{kd ,oa fof'k"V lnL;
ineJh Áks- egUæ flag lks<k
पूर्व कुलपति, इन्दौर, लखनऊ तथा भोपाल विश्वविद्यालय,
फोन : 0522–2788033,
ई. मेल: msodha@rediffmail.com

lj{kd ,oa fof'k"V lnL;
ijke'khZ] fof/k rFkk RTI çdks"B
U;k;efrZ deys'oj ukFk
न्यायाधीश (से.नि.), इलाहाबाद उच्च न्यायालय
फोन : 0522–2789033/09415010746
ई. मेल: justicekn@gmail.com

lj{kd ,oa laLFkkid lnL;
dkey çlkn ok".ks;
प्रमुख अभियन्ता (से.नि.), लोक निर्माण विभाग, उ.प्र.
फोन : 0522–2321680/09415736256

lj{kd ,oa fof'k"V lnL;
txnh'k xka/kh
सुप्रसिद्ध शिक्षाविद्, संस्थापक प्रबंधक, सिटी मोन्टेसरी स्कूल्स, लखनऊ
फोन : 09415015030
ई. मेल: info@cmseducation.org

lj{kd ,oa fof'k"V lnL;
KkusUnz dqekj [kjs
अध्यक्ष (से.नि.), रेलवे बोर्ड, भारत
फोन : 0532–2624020/09335157680
ई.मेल: kharegk.ald@gmail.com

lj{kd ,oa fof'k"V lnL;
U;k;efrZ fnus'k dqekj f=osnh
न्यायाधीश (से.नि.), इलाहाबाद उच्च न्यायालय
अध्यक्ष, उच्च जाति आयोग, बिहार
फोन : 0522–2302591/09415152086

lj{kd ,oa fof'k"V lnL;
pUnz Ádk'k JhokLro
मुख्य आयुक्त (से.नि.), कस्टम्स, सेन्ट्रल एक्साइज़ तथा सर्विस टैक्स
फोन: 0522–4073682/07754058564
ई.मेल: cps2806@gmail.com

laLFkkxr lnL;

fejj QkmUMs'ku QkWj lsYQ bEÁwoesUV ,UM upjy fyfoax
Jh iou xzkoj] laLFkkid v/;{k
फोन : 0522–4002197/2311168/09839035475
ई. मेल: pawangrover@yahoo.com

LokLF; ,oa tMh cwVh fodkl laLFkku
Mk- th- ikFkZ çkfre] lfpo
फोन : 0522–6592459/09235878417
ई. मेल: drparthaprotimgain@yahoo.com

vkLFkk lsUVj QkWj tfj;kfVªd esMhflu] ikfy,fVo dsa;j gkfLiVy] gkfLil ,UM lks'ky oyQs;j lkslk;Vh
Mk- vfHk"ksd 'kqDyk] laLFkkid v/;{k
फोन : 0522–3240000/09336285050
ई. मेल: enquiry@hospiceindia.org

fo|qr iU'kulZ ifj"kn mÙkj çns'k
Jh gjh'k dqekj JhokLro] çeq[k egklfpo
फोन : 0522–2636011
ई. मेल: vidyutpensioners_lko@rediffmail.com

कॉमर्सियल टैक्स रिटायर्ड ऑफिसर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश (COMRAN)
डॉ. वीरेन्द्र बहादुर सिंह, महासचिव
फोन : 0522–2391220 / 09415048537
ई. मेलः dr.kalchuri@yahoo.com
संयोजक, भावना विधि तथा RTI प्रकोष्ठ

परमहंस योगानन्द सोसायटी फॉर स्पेशल अनफोल्डिंग एन्ड मोल्डिंग (PYSSUM)
डॉ. नवल चन्द्र पंत, अध्यक्ष एवं अधिशाषी निदेशक
फोन : 0522–6545944 / 09452062323
ई. मेलः pyssum@gmail.com

श्री तारीफ सिंह धर्मार्थ ट्रस्ट
धर्मवीर सिंह, संस्थापक ट्रस्टी एवं अध्यक्ष
फोन : 09984707993 / 09412582871

रुद्राक्ष वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति बगहा
अशोक कुमार सिंह, अध्यक्ष
फोन : 08874924774

वेटरन सहायता समिति
कैप्टेन (डॉ.) आर.वाई.एस. चौहान, उपाध्यक्ष
कार्यवाहक अध्यक्ष
फोन : 09935713181
ई. मेलः rcdhyanprem@yahoo.co.in

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति (ग्रामीण) भौली
हरि नारायण शुक्ल, अध्यक्ष
फोन : 09415768055

पलाश ग्रामीण वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति
विमलेश दत्त मिश्र, सचिव
फोन : 09412417108

प्रबंधकारिणी के निर्वाचित तथा मनोनीत सदस्य

अध्यक्ष
विनोद कुमार शुक्ल
मुख्य महाप्रबन्धक (से.नि.), उ.प्र. पावर कॉर्पोरेशन लि.,
फोन : 0522–4016048 / 09335902137,
ई. मेल : vk_shukla@hotmail.com

उपाध्यक्ष
सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
अरविंद कुमार गोयल
उप–महाप्रबन्धक (से.नि.), उ.प्र. पावर कार्पोरेशन लि.
फोन : 0522–2338900 / 09415470638
ई. मेलः arvindasha68@gmail.com

महासचिव(प्रशासन), सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
जगत बिहारी अग्रवाल
वरिष्ठ अधिशासी अभियन्ता (से.नि.), उ.प्र. जल निगम,
फोन : 0522–3245636 / 09450111425
ई. मेल : jagatagarwal2@gmail.com

महासचिव(एडवोकेसी)
अशोक कुमार मल्होत्रा
चीफ़ मैनेजर (प्रोजेक्ट्स) (से.नि.),
एच.ए.एल., लखनऊ
फोन : 0522–2357738 / 09451133617
ई मेलः akmalhotra123@rediffmail.com

उप–महासचिव सम्बद्ध महासचिव(प्रशासन)
संयोजक, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ
जगमोहन लाल जायसवाल
सहायक अभियंता (से.नि.),
सिंचाई विभाग, उ.प्र.
फोनः 09450023111

उप–महासचिव सम्बद्ध महासचिव(एडवोकेसी)
संयोजक, वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ तथा
सदस्य, अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ
सतपाल सिंह
अधीक्षण अभियंता (से.नि.), सिंचाई विभाग, उ.प्र.
फोनः 09839043458
ई.मेलः satpalsngh@yahoo.com

वरिष्ठ उपाध्यक्ष
सुशील शंकर सक्सेना
अधीक्षण अभियन्ता (से.नि.), सिचांई विभाग, उ.प्र.
फोन : 0522–2350763 / 09415104198
ई.मेलः sushilshanker2003@yahoo.com

प्रमुख महासचिव
राम लाल गुप्ता
उप कृषि निदेशक (से.नि.), उत्तर प्रदेश
फोन : 0522–2392341 / 09335231118
ई मेलः guptarlguptalko67@gmail.com

महासचिव(कार्यान्वयन), सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ–
प्रभारी आई.आई.एम. रोड के दोनों ओर का क्षेत्र
योगेन्द्र प्रताप सिंह
जिला उद्यान अधिकारी (से.नि.), उद्यान विभाग, उ.प्र.
फोनः 09412417108
ई.मेलः yogendraprataplko1950@gmail.com

उप–महासचिव सम्बद्ध प्रमुख महासचिव
संयोजक, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ
रमा कान्त पाण्डेय
अपर सचिव (से.नि.), उ.प्र. पावर कॉर्पोरेशन लि.
फोनः 0522–2355973 / 09839395439 / 09415584568
ई.मेलः aark_p@rediffmail.com

उप–महासचिव सम्बद्ध महासचिव(कार्यान्वयन)
संयोजक, ग्राम्यांचल एवं निर्धन–जन सेवा प्रकोष्ठ तथा भावना रसोई प्रबंधन प्रकोष्ठ एवं सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ–
प्रभारी, इन्दिरानगर तथा आसपास का क्षेत्र
देवेन्द्र स्वरूप शुक्ल
अधीक्षण अभियंता (से.नि.), उ.प्र. राज्य विद्युत परिषद
फोन : 0522–4006191 / 09198038889
ई.मेलः devpreet1977@yahoo.com

विशेष कार्याधिकारी सम्बद्ध अध्यक्ष
तुंग नाथ कनौजिया
अधिशासी अभियन्ता (से.नि.),
उ.प्र. राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि.
फोन : 09936942923 / 08738948562
ई. मेलः kartikeya.investments@yahoo.co.in

कोषाध्यक्ष
सदस्य, भावना रसोई प्रबंधन प्रकोष्ठ
प्रेम शंकर गौतम
महाप्रबन्धक (से.नि.),
उ.प्र. वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन लि.
फोन : 0522–2713283 / 09451134894

सह–कोषाध्यक्ष
सदस्य, ग्राम्यांचल एवं निर्धन–जन सेवा प्रकोष्ठ
आदित्य प्रकाश सिंह
स्पेशल असिस्टेंट (से.नि.),
सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इन्डिया
फोनः 09628180153

सम्प्रेक्षक एवं संयोजक, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
सदस्य, भावना रसोई प्रबंधन प्रकोष्ठ
मनोज कुमार गोयल
अधिशाषी अभियन्ता (से.नि.), उ.प्र. आवास एवं विकास परिषद
फोन : 0522–2329439 / 09335248634
ई. मेल : goel_mk10@rediffmail.com

प्रधान सम्पादक, भावना प्रकाशन
धर्मवीर सिंह
मुख्य अभियन्ता (से.नि.),
उ.प्र. राज्य विद्युत परिषद,
फोन : 0522–2739439 / 09984707993
ई. मेल : dramvira@gmail.com

सचिव, महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ
सदस्य, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ
श्रीमती अर्चना गोयल
गृहणी एवं सामाजिक कार्य
फोन : 0522–2329439 / 09389193715

सचिव, अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ, सम्पादक, भावना प्रकाशन,
सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ–
प्रभारी, कानपुर रोड तथा रायबरेली रोड के दोनों ओर का क्षेत्र
अमर नाथ
अवर अभियंता (से.नि.), लोक निर्माण विभाग, उ.प्र.
फोन : 0522–2446036 / 09451702105

सचिव, सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ
देवकी नन्दन 'शांत'
उप महाप्रबन्धक (से.नि.),
उ.प्र. पावर कार्पोरेशन लि.
फोन : 0522–4017841 / 09935217841
ई. मेल : deokinandan@medhaj.com

सचिव, वैकल्पिक चिकित्सा प्रकोष्ठ
सदस्य, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ
डॉ. नरेन्द्र देव
वरिष्ठ अधीक्षण अभियन्ता (से.नि.), सिंचाई विभाग, उ.प्र.
फोन : 0522–2356158 / 09451402349
ई. मेल : deonarendra740@gmail.com

सचिव, पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ
पाल प्रवीण
अध्यक्ष (से.नि.), काशी ग्रामीण बैंक (यूनियन बैंक का उपक्रम)
फोनः 09919238189
ई.मेलः palpravin@rediffmail.com

सचिव, डे सेन्टर प्रबंधन प्रकोष्ठ
डॉ. श्रीराम सिंह
एसोसिएट प्रोफेसर (से.नि.), जे.एन.पी.जी. कॉलेज
फोनः 0522–2745209 / 09415093606
ई.मेलः drsrs1946@yahoo.com

सचिव, प्रशिक्षण गोष्ठियाँ एवं कार्यशालायें प्रकोष्ठ
सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ–
प्रभारी निराला नगर तथा आस पास का क्षेत्र
डॉ. छेदा लाल वर्मा
प्रोफेसर (से.नि.), बौटनी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय
फोनः 0522–2787872 / 09919960317
ई.मेलः dr.clverma@rediffmail.com

सदस्य, वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ
सत्य देव तिवारी
वरिष्ठ शाखा प्रबंधक (से.नि.),
यूनियन बैंक ऑफ़ इन्डिया
फोनः 0522–2772874 / 09005601992
ई. मेल : satyadeo1948@gmail.com

सदस्य, वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ
सुभाष चन्द्र विद्यार्थी
अवर अभियन्ता (से.नि.), लोक निर्माण विभाग, उ.प्र.
फोनः 0522–2756481 / 09415151323
ई.मेलः vidyarthisubhashchandra@gmail.com

सदस्य, वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ
पुरुषोत्तम केसवानी
वरिष्ठ प्रबंधक (से.नि.), सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इन्डिया
फोनः 0522–2321461 / 09450021082 / 08604967902
ई.मेलः purshottam.keswani@gmail.com

सदस्य, वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ
कृष्ण कुमार वर्मा
वरिष्ठ वित्त प्रबंधक (से.नि.), एच.ए.एल. (कोरवा, अमेठी)
फोनः 0522–2714804 / 09532405353
ई.मेलः vermakk2011@gmail.com

सदस्य, ग्राम्यांचल एवं निर्धन–जन सेवा प्रकोष्ठ
रमेश प्रसाद जायसवाल
अपर आयुक्त ग्रेड–1 (से.नि.), उ.प्र. वाणिज्य कर विभाग
फोनः 09760617045
ई.मेलः jaiswalrp1954@gmail.com

सदस्य, ग्राम्यांचल एवं निर्धन–जन सेवा प्रकोष्ठ
शैलेन्द्र कुमार तिवारी
चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर (से.नि.), एच.ए.एल.
फोन : 0522–2701126 / 4011486 / 09450664880
ई मेल : shalkirty@gmail.com

सदस्य, ग्राम्यांचल एवं निर्धन–जन सेवा प्रकोष्ठ,
विश्व नाथ सिंह
प्रगतिशील कृषक,
फोनः 09415768055
ई.मेलः yogendra.lko20@yahoo.com

सदस्य, ग्राम्यांचल एवं निर्धन–जन सेवा प्रकोष्ठ
राम मूर्ति सिंह
सहायक अभियन्ता (से.नि.),
उ.प्र. पावर कॉर्पोरेशन लि.
फोनः 09415438548
ई.मेलः rmmurtisingh231218@gmail.com

सदस्य, महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ
श्रीमती श्याम बाला सिंह
गृहणी एवं सामाजिक कार्य
फोनः 0522–2739439 / 09565945179

सदस्य, महिला सशक्तिकरण. प्रकोष्ठ
श्रीमती वीना सक्सेना
गृहणी
फोनः 09415103378

सदस्य, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ
श्रीमती आशा गोयल
गृहणी एवं सामाजिक कार्य
फोन : 0522–2338900 / 07753055111

सदस्य, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ
सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
सत्य नारायण गोयल
व्यवसायी (ह्यूम पाइप तथा लॉकिंग टाइल्स निर्माता)
फोनः 09335243519

सदस्य, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ
विनोद कुमार कपूर
फ़ेकल्टी (से.नि.), कॉलेज ऑफ़ टेक्नोलॉजी, पंतनगर
फोनः 0532–2321002 / 09984245000
ई.मेलः vinodhkapur@rediffmail.com

सदस्य, अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ
शैलेन्द्र मोहन दयाल
मुख्य अभियन्ता (से.नि.), उ.प्र.रा. विद्युत परिषद
फोनः 0522–2446086 / 09455550616
ई.मेलः smdayal39@gmail.com

सदस्य, सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ
सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
उदय भान पाण्डेय
मुख्य महाप्रबंधक, उ.प्र. पावर कार्पोरेशन लि.
फोन : 0522–2393436 / 09415001459
ई मेलः udaibhanp@yahoo.com

सदस्य, सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ
सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ–
प्रभारी जानकीपुरम (विस्तार सहित) एवं आसपास
सुशील कुमार शर्मा
अपर निदेशक (से.नि.), प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, उ.प्र.
फोनः 0522–2735951 / 08765351190
ई.मेलः sksharma.ed@gmail.com

सह–सम्पादक, भावना प्रकाशन
सदस्य, प्रशिक्षण गोष्ठियाँ एवं कार्यशालायें प्रकोष्ठ
डॉ.(कु) अवनीश अग्रवाल
प्रोफेसर, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान
फोनः 09451244456
ई.मेलः dravneesh@yahoo.com

सदस्य, महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ
सदस्य, सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ
श्रीमती रेखा मित्तल
गृहणी
फोन : 0522–2746862 / 09415089151

सदस्य, महिला सशक्तिकरण. प्रकोष्ठ
श्रीमती रंजना मिश्रा
गृहणी
फोनः 0522–2738622 / 09415759280
ई.मेलः ranjanamisra50@gmail.com

सदस्य, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ, डे सेन्टर प्रबंधन प्रकोष्ठ एवं संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
सुमेर अग्रवाल
व्यापारी–तीरथ पीके वेन्चर
फोनः 0522–3919319 / 09415025151
ई.मेलः sumeragarwal@gmail.com

सदस्य, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ
सिद्धेश्वर नाथ शर्मा
अधीक्षण अभियंता (से.नि.), सिंचाई विभाग, उ.प्र.
फोनः 07524968080
ई.मेलः siddheshwar.sharma@gmail.com

सदस्य, अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ
श्रीमती सरोजिनी सिंह
शिक्षिका (से.नि.), शिक्षा विभाग, म.प्र.
फोनः 09415058975
ई.मेलः s12soji@yahoo.co.in

सदस्य, अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ
सदस्य, पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ
चन्द्र भूषण तिवारी
पर्यावरण संरक्षण कार्यकर्ता
फोनः 09415910029

सदस्य, सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ
सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
अशोक कुमार
अधिशासी निदेशक (से.नि.), उ..प्र. पावर ट्रांसमिशन कार्पो. लि.
फोनः 0522–2780177 / 09794122946
ई.मेलः mehrotra_ak2006@yahoo.co.in

सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ–
प्रभारी महानगर, राजेन्द्रनगर, मोतीनगर, आर्यनगर, ऐशबाग एवं आसपास का क्षेत्र
विनोद चन्द्र गर्ग
व्यापारी– चन्द्रा मेटल कम्पनी, लखनऊ
फोन : 0522–2339298 / 09415012307

सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ–
प्रभारी विकास नगर एवं आसपास का क्षेत्र
रवीन्द्र कुमार सक्सेना
मुख्य अभियन्ता (से.नि.),
उ.प्र. राज्य विद्युत परिषद
फोन : 0522–2769685 / 09415103378

सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ–
प्रभारी त्रिवेणी नगर सहित सीतापुर रोड के दोनों ओर का क्षेत्र
संतोष कुमार सक्सेना
सहायक अभियंता (से.नि.), लोक निर्माण विभाग, उ.प्र.
फोनः 0522–2756722 / 09839091574
ई.मेलः santosh_saxena20@rediffmail.com

सदस्य, वैकल्पिक चिकित्सा प्रकोष्ठ
सुरेश चन्द्र ब्रह्मचारी
संयुक्त निदेशक (से.नि.),
भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय उ.प्र.
फोनः 0522–2710379 / 09415113453
ई.मेलः scbrahmachari@gmail.com

सदस्य, पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ
राम बाबू गंगवार
मुख्य अभियन्ता (से.नि.),
उ.प्र. पावर कार्पोरेशन लि.
फोन : 0522–2355099 / 09415114707
ई. मेल : rbabugangwar@gmail.com

सदस्य, पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ
इन्द्र कुमार भारद्वाज
उप महाप्रबंधक (से.नि.),
उ.प्र. पावर कार्पोरेशन लि.
फोनः 09415911702
ई.मेलः ikbhlkw@yahoo.co.in

सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
दीपक कुमार पंत
संयुक्त महाप्रबंधक (से.नि.),
एच.एम.टी. लिमिटेड
फोनः 0522–2329819 / 09389325440 / 09335738317

सदस्य, डे सेन्टर प्रबंधन प्रकोष्ठ
प्रदीप कुमार गोयल
व्यापारी (एक्मे इलेक्ट्रिकल एन्ड इन्डस्ट्रियल कम्पनी)
फोन : 0522–4048090 / 09415025800
ई. मेलः pkgacme@gmail.com

सदस्य, डे सेन्टर प्रबंधन प्रकोष्ठ
डॉ. अमित कुमार सिंह
फिजियोथेरेपिस्ट (परास्नातक)
फोनः 09565998001
ई.मेलः draksingh301280@yahoo.com

सदस्य, विधि तथा RTI प्रकोष्ठ
श्री राम वाजपेयी
डिप्टी कमिश्नर (से.नि.), वाणिज्यकर विभाग, उ.प्र.
फोनः 0522–2399000 / 09415367088
ई.मेलः shriram_vajpayee@yahoo.com

सदस्य, प्रशिक्षण गोष्ठियाँ एवं कार्यशालायें प्रकोष्ठ
डॉ. भानु प्रकाश सिंह
प्रोफेसर (से.नि.), कृषि विश्वविद्यालय, फैजाबाद
फोनः 09450766586
ई.मेलः bps2014@gmail.com

सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ–
प्रभारी अलीगंज, प्रियदर्शिनी कॉलोनी, केशव नगर एवं आस पास का क्षेत्र
राजदेव स्वर्णकार
मुख्य प्रबंधक (से.नि.), सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इन्डिया
फोनः 0522–4045984 / 09450374814
ई.मेलः rajdeo.swarnkar@yahoo.in

सदस्य, वैकल्पिक चिकित्सा प्रकोष्ठ
डॉ. सुशील कुमार मित्तल
आध्यात्मिक विकित्सक–रेकी ग्रैन्ड मास्टर
फोनः 08090664912
ई.मेलः er_sk_mittal@rediffmail.com

सदस्य, भावना रसोई प्रबंधन प्रकोष्ठ
नरेन्द्र कुमार मित्तल
प्रमुख अभियंता (से.नि.),
लोक निर्माण विभाग, उ. प्र.,
फोन : 0522–2746862 / 09415089151

सदस्य, पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ
सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
अरुण कुमार
महाप्रबन्धक (से.नि.), उत्तर प्रदेश जल विद्युत निगम लि.
फोन : 09839420999 / 09838203598
ई. मेल : arunksaxena1949@rediffmail.com

सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
शिव नारायन अग्रवाल
पूर्व सी.एम.डी., उ.प्र. जलविद्युत उत्पादन निगम लि.
फोन : 0522–2326000 / 09839022390 / 09415313364
ई.मेलः agarwalsn@rediffmail.com

सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
हरीश चन्दर
मुख्य अभियन्ता (से.नि.),
उ.प्र. राज्य विद्युत परिषद
फोनः 0522–4011541 / 09696670165

सदस्य, डे सेन्टर प्रबंधन प्रकोष्ठ
ललित कुमार
जे.एम.टी., लेसा
फोनः 09455836176

सदस्य, विधि तथा RTI प्रकोष्ठ
सुशील कुमार
आई.ए.एस. (से.नि.), पूर्व मंडलायुक्त, बस्ती
फोनः 09415086130
ई.मेलः sushil.alka@gmail.com

सदस्य, प्रशिक्षण गोष्ठियाँ एवं कार्यशालायें प्रकोष्ठ
डॉ. यदुनाथ सिंह भदौरिया
निदेशक (से.नि.), नियोजन विभाग, उ.प्र.
फोनः 09450390052
ई.मेलः ysb40@yahoo.com

सदस्य, प्रशिक्षण गोष्ठियाँ एवं कार्यशालायें प्रकोष्ठ
डॉ. अनिल कुमार कक्कड़
वैज्ञानिक (से.नि.), भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण
फोनः 0522–4047297 / 09936673141
ई.मेलः anil.kacker@rediffmail.com

सदस्य, प्रशिक्षण गोष्ठियाँ एवं कार्यशालायें प्रकोष्ठ
राजेन्द्र नाथ कालड़ा
कर्नल (से.नि.), भारतीय सेना
फोनः 0522–2440804 / 09335815898
ई. मेल : rnkalraconsultant@gmail.com

सदस्य, प्रशिक्षण गोष्ठियाँ एवं कार्यशालायें प्रकोष्ठ
सुभाष मणि तिवारी
अग्निशमन अधिकारी (से.नि.), उ.प्र. पावर कॉर्पोरेशन लि.
फोनः 09415086952 / 07054065111
ई.मेलः smt1946@yahoo.co.in

सदस्य, प्रशिक्षण गोष्ठियाँ एवं कार्यशालायें प्रकोष्ठ
डॉ. शुभकरन सिंह चौहान
सहायक निदेशक, ग्राम्य विकास विभाग, उ.प्र.
फोन : 09451505082 / 08765957409
ई.मेलः skchauhanad2005@yahoo.com

संस्थापक सदस्य
अशोक कुमार मिश्र
मुख्य अभियन्ता (से.नि.),
भारतीय रेल सेवा
फोन : 0522–2782136 / 2782137

संस्थापक सदस्य
कृष्ण देव कालिया
अधिशाषी अभियन्ता (से.नि.), उ.प्र. राज्य विद्युत परिषद
फोन : 0522–2309245 / 09956287868

सचिव, सोनभद्र शाखा
डॉ. उदय नारायण सिंह
होम्योपैथी चिकित्सक
फोन : 05445–262043 / 09936181902

सचिव, उन्नाव शाखा
आनन्द प्रकाश अग्निहोत्री
डिप्टी रीजनल मार्केटिंग आफीसर (से.नि.)
फूड एण्ड सिविल सप्लाइज़ डिपार्टमेन्ट, उ.प्र.
फोन : 0515–2821040 / 09450056168

सचिव, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र शाखा
अमरेश चन्द्र माथुर
उप महाप्रबंधक (से.नि.), स्टील अथॉरिटी ऑफ़ इन्डिया लि.
फोन : 0120–2761874 / 09868342451
ई. मेलः amresh.mathur1@gmail.com

सदस्य, प्रशिक्षण गोष्ठियाँ एवं कार्यशालायें प्रकोष्ठ
प्रो. काशी राम कनौजिया
निदेशक (से.नि.), कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर
फोनः 09411159498
ई.मेलः kashiramkanaujia@yahoo.com

सदस्य, प्रशिक्षण गोष्ठियाँ एवं कार्यशालायें प्रकोष्ठ
युगल किशोर गुप्त
अधीक्षण अभियन्ता (से.नि.),
उ.प्र. पावर कॉर्पोरेशन लि.
फोन : 08756125555
ई मेलः yugalbina@yahoo.co.in

संस्थापक सदस्य
हरिवंश कुमार तिवारी
मुख्य अभियन्ता (से.नि.), लोक निर्माण विभाग, उ.प्र.
फोनः 09130018530
ई. मेलः harivanshsavitri@gmail.com

संस्थापक सदस्य
डा. हरीश चन्द्रा
विभागाध्यक्ष (से.नि.), यूरोलॉजी विभाग, के.जी.एम.यू.
फोन : 0522–4048658 / 09415010610

अध्यक्ष, सोनभद्र शाखा
देवी दयाल गुप्ता
व्यापारी
फोन : 05445–262392 / 09415323335–7

अध्यक्ष, उन्नाव शाखा
कमला शंकर अवस्थी
एडवोकेट
फोन : 0515–2823124 / 09695639563;
ई. मेलः n.awasthi@nic.co.in

अध्यक्ष, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र शाखा
सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
अनिल कुमार शर्मा
महानिदेशक, उत्तर क्षेत्र, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग
फोनः 09868525057 / 09794427788
ई.मेलः aksharmacpwd@yahoo.com

इं. महेश चन्द्र निगम,
सदस्य संसाधन प्रबन्ध
सहा.अभि. वि./याँ. (से.नि.) लो.नि.वि., उ.प्र.
फोन : 0522–2325716 / 09335905126
ई. मेल : maheshnigam77@yahoo.com